Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 19 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 328 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

वीर कभी बड़े मौकों का इंतजार नहीं करते, छोटे मौकों को ही बड़ा बना देते हैं।

सरदार पूर्णसिंह

हॉरर जॉनर में हाथ आजमाने को तैयार...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,315.09
निफ्टी	:	21,418.65

SARAFA

सोना	:	5,890
चांदी	:	79.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीआइ से सीओ में प्रमोशन पर लगी रोक हटी

RANCHI : राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई के बाद झारखंड हाइकोर्ट ने राजस्व विभाग के सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) से सर्किल अफसर (सीओ) के पद पदोन्नति पर लगायी रोक वापस ले ली है। सोमवार को चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने रोक वापस लेने के साथ राज्य सरकार को पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। हाइकोर्ट ने 16 सितंबर 2021 को प्रमोशन देने पर रोक लगायी थी। मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी। हाइकोर्ट के इस निर्देश के बाद झारखंड के करीब 80 सर्किल इंस्पेक्टरों, जो अंचल अधिकारी बनने की सभी अहताओं को पूरा करते है, उनका प्रमोशन संभव हो पाएगा।

भारत में 7 साल के बच्चे का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट

NEW DELHI : दिल्ली कैंट के आर्मी हॉस्पिटल आर एंड आर (एएचआरआर) में हेमेटोलॉजी एंड स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन विभाग के डॉक्टरों ने भारत में पहली बार सात वर्षीय बच्चे सुशांत पौडेल का बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) किया है। इस सफल ट्रांसप्लांट ने इसी बीमारी से स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए भी उम्मीद के नए दरवाजे खोल दिए हैं।

महिला आरक्षण विधेयक पर सुनवाई से इन्कार

NEW DELHI : दिल्ली हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने 2024 के आम चुनाव से पहले लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को अनिवार्य करने वाले महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट जाने को कहा, जहां पहले से मामला लंबित है।

भारत में कोरोना से एक दिन में 5 की मौत

NEW DELHI : भारत में कोविड-19 मामलों में एक बार फिर इजाफा होने लगा है। केरल में कोविड का नया सब वैरिएंट जेएन-1 मिला है। इससे 17 दिसंबर को चार लोगों की मौत हो गई। वहीं यूपी में भी कोविड पॉजिटिव शख्स की जान चली गई। हालांकि, यह पता नहीं चला है कि यह मरीज जेएन-1 वैरिएंट से संक्रमित था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में रविवार को 335 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए और एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 1,701 हो गई। सब वैरिएंट जेएन-1 को लेकर कर्नाटक सरकार ने अलर्ट जारी किया है।

उद्योग विभाग व पेप्सिको के बीच हुआ एमओयू

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में सोमवार को सीएम के आवासीय कार्यालय में उद्योग विभाग और पेप्सिको की बॉटलिंग कंपनी वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के बीच एमओयू किया गया। इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में एक बेहतर उद्योग पॉलिसी बनाई है। राज्य सरकार का प्रयास है कि विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति के तहत लगातार कई अच्छी और विश्वसनीय उद्योग संस्थानों द्वारा झारखंड में निवेश करने की इच्छा जाहिर की है। नई उद्योग नीति के तहत निवेशक अब राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

अब झारखंड में होगा कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक का उत्पादन

वरुण बेवरेजेस लिमिटेड पतरातू में 456 करोड़ रुपये करेगी निवेश

एमओयू होने के बाद सीएम हेमंत सोरेन व अन्य।

कंपनी 4 मेगावाट सोलर एनर्जी करेगी जेनरेट

वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के अध्यक्ष रविकांत जयपुरिया ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि वरुण बेवरेजेस लिमिटेड एक भारतीय कंपनी है जो पेप्सिको की बॉटलिंग कंपनी के नाम से जानी जाती है। यह कंपनी विभिन्न पेय पदार्थों का उत्पादन एवं बोतल मैन्युफैक्चरिंग करती है। उन्होंने कहा कि वरुण बेवरेजेस लिमिटेड रामगढ़ जिले के पतरातू में 456 करोड़ रुपये निवेश करने जा रही है। कंपनी द्वारा यहां कार्बोनेटेड साफ्ट ड्रिंक जैसे पेप्सी, सेवेन अप, माउंटेन ड्यू, मिरिंडा, ट्रापिकाना फ्रूट जूस, एक्वाफिना पानी आदि का उत्पादन करेगी। इसके साथ ही मिल्क बेस्ड ड्रिंक, वैल्यू एडेड डेयरी प्रोडक्ट एवं ड्रिंक के लिए बोतल का उत्पादन किया जाएगा। साथ ही कंपनी द्वारा 4 मेगावाट सोलर पावर एनर्जी जनरेट करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वरुण बेवरेजेस लिमिटेड द्वारा शुरूआती चरण में 600 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

निवेशकों को मुहैया कराई जा रही बेहतर माहौल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कई जाने- माने उद्योग संस्थाओं द्वारा जमशेदपुर सहित अन्य जगहों पर अपनी कंपनी का विस्तार किया है। राज्य में स्थापित उद्योग संस्थानों में 75 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय लोगों को मिले, इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा नियम भी बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों को एक बेहतर माहौल के साथ-साथ सुरक्षा भी मुहैया कराई जा रही है। इस मौके पर मुख्य सचिव एल खियांगते, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, उद्योग विभाग के सचिव जितेंद्र सिंह, उद्योग निदेशक भोर सिंह यादव, जियाडा के एमडी शशि रंजन, वरुण बेवरेजेस लिमिटेड की ओर से अध्यक्ष रविकांत जयपुरिया, सचिव देवयाणी कानखोजे, चीफ फाइनेंस ऑफिसर प्रदीप गोयल, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर विश्वास अग्रवाल, जनरल मैनेजर ईश सेट्ठी आदि उपस्थित थे।

इधर, हजारीबाग में सीएम हेमंत बोले राज्य में 8000 लोगों को देंगे नौकरी

सरकार आपके द्वार

HAZARIBAGH : हजारीबाग के इचाक में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार के चार साल पूरा होने पर आठ हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 29 दिसंबर को सरकार के चौथे स्थापना दिवस पर आठ से नौ हजार लोगों सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। अभी तक सरकार ने 25 से 30 हजार सरकारी नौकरी युवाओं को दिया है। डबल इंजन की सरकार ने 11 लाख गरीबों का राशन कार्ड खत्म किया। हमारी सरकार ने चार साल में 20 लाख हराकार्ड बनाकर राशन दिया। 20 साल में 16 लाख लोगों को पेंशन से जोड़ा गया। हमारी सरकार ने चार साल में 36 लाख 60 हजार लोगों को पेंशन से जोड़ा। झारखंड निर्माण के समय सरपल्स बजट था। 20 वर्षों में विपक्षियों की सरकार ने खजाने को लूटने का काम किया है।

पेज 2 भी देखें।

सीएम बोले

- अभी तक सरकार ने 25 से 30 हजार सरकारी नौकरी युवाओं को दिया
- चार साल में 20 लाख हराकार्ड बनाकर राशन दिया
- 20 साल में 16 लाख लोगों को पेंशन से जोड़ा

झारखंड समेत चार राज्यों में NIA की रेड

आईएसआईएस नेटवर्क केस में कार्रवाई, आठ गिरफ्तार

RANCHI/NEW DELHI : एंटी-टेरर एजेंसी एनआईए ने सोमवार को सुबह चार राज्यों की 19 लोकेशन पर छापेमारी की। ये रेड आईएसआईएस नेटवर्क केस के तहत की गई। इन 19 लोकेशन में कर्नाटक की 11, झारखंड की 4, महाराष्ट्र की 3 और दिल्ली की एक लोकेशन शामिल है। इस दौरान प्रतिबंधित आईएसआईएस के 8 एजेंट्स को गिरफ्तार किया गया। ये एजेंट आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली एक्टीविटीज और आतंकवाद को बढ़ावा देने में शामिल हैं। बीते हफ्ते एनआईए ने महाराष्ट्र की 43 लोकेशन पर रेड डालकर 15 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किया गया एक आरोपी आईएसआईएस मॉड्यूल का लीडर था और इस मॉड्यूल में नए लोगों को भर्ती करने का काम करता था। इस रेड के दौरान एनआईए ने बड़ी मात्रा में कैश, हथियार, नुकीले औजार, संवेदनशील डॉक्युमेंट्स और कई डिजिटल डिवाइस मिले थे। एनआईए अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार किया गया आरोपी विदेशी हैंडलर्स के निर्देश पर काम कर रहा था।

- कर्नाटक, झारखंड, महाराष्ट्र और दिल्ली के 19 लोकेशंस पर छापेमारी
- आतंकी गतिविधियां संचालित कर रहे थे सभी गिरफ्तार आरोपी

झारखंड के बोकारो पहुंची एनआईए की टीम।

जमशेदपुर और बोकारो में दस्तक

झारखंड के बोकारो और जमशेदपुर जिले में तीन ठिकानों पर एनआईए ने छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार एनआईए ने सोमवार को जमशेदपुर के जुगसलाई में दो ठिकाने पर छापेमारी, वहीं बोकारो के चंदनकियारी प्रखंड के सुतरीबेड़ा में छापेमारी की है। वहीं टीम ने सुतरीबेड़ा में हाफिज असगर और अजहर कमाल नाम के दो लोगों से पूछताछ की। टीम ने दोनों से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के बाद टीम इनके घर से कुछ दस्तावेज बरामद कर अपने साथ ले गयी। हालांकि इस संबंध में स्थानीय पुलिस कुछ भी बताने से इनकार कर रही है और इस कार्रवाई पर अनभिज्ञता जता रही है। परिजनों ने भी टीम द्वारा की गयी पूछताछ के संबंध में कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है। पिछले दिनों एनआईए ने खूंटी जिले में छापेमारी की थी। खूंटी में पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। टीम ने पांच जगहों पर छापेमारी की थी, जिन लोगों के यहां छापेमारी की गई उनके तार दिनेश गोप से जुड़े हुए बताए गए थे।

जमशेदपुर समेत अन्य शहरों से गिरफ्तार हुए आरोपी

जो आरोपित गिरफ्तार हुए हैं, उसमें बल्लारी से मिनाज उर्फ सुलेमान व सैयद समीर शामिल है। वहीं मुंबई से अनस इकबाल शेख, बेंगलुरु से मुनीरुद्दीन, सईद समिउल्लाह उर्फ समी, मुजम्मिल, दिल्ली से शयन रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से शहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू शामिल है। एनआईए को जांच में जानकारी मिली है कि सभी आरोपित विस्फोटक सामग्री से आइईडी बनाने वाले थे। जिससे वे आतंकी गतिविधियों को संचालित करते। वे एक-दूसरे से एनक्रिप्टेड एप के माध्यम से जुड़े थे। हिंसा, जिहाद, खिलाफत व आइएसआइएस की आतंकी गतिविधियों का संचालन इसी एप के माध्यम से एक-दूसरे से करते थे। उनके निशाने पर कॉलेज छात्र थे, जिन्हें वे अपने समूह से जोड़ने के लिए प्रयासरत थे। वे छात्रों के बीच जेहाद के उद्देश्य से मुजाहिद्दीन से जुड़े दस्तावेज भी प्रसारित करते थे।

मेरे लिए 4 जातियां ही सबसे बड़ी जाती : PM

पहले लोगों को सरकार के पास जाना पड़ता था, अब सरकार गरीबों के पास जाएगी

AGENCY VARANASHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन तक अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रहे। दौरे के दूसरे दिन सोमवार को पीएम ने स्वर्वेद महामंदिर का इनॉगरेशन किया। इसके बाद बरकी पहुंचे और लाभार्थियों से बात की। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा- मेरे परिवार जनों, विकसित भारत के लिए देश की नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और हर गरीब का विकास होना बहुत जरूरी है। मेरे लिए तो ये ही 4 जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं। ये 4 जातियां सशक्त हो गईं तो पूरा देश सशक्त हो जाएगा। इसी सोच के साथ हमारी सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से देश के हर किसान के बैंक खाते में अब तक 20 हजार करोड़ रुपए जमा कराए जा चुके हैं। जिन छोटे किसानों के पास किसान क्रेडिट कार्ड नहीं था, उन्हें भी ये सुविधाएं दी जा रही है। हमारी सरकार प्राकृतिक खेती पर बल देने के साथ ही किसानों के लिए आधुनिक व्यवस्था भी बना रही है। पहले लोगों को सरकार के पास जाना पड़ता था, अब सरकार खुद गरीबों के पास जा रही है।

सात मंजिला स्वर्वेद महामंदिर धाम का लोकार्पण

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को चौबेपुर उमरहा स्थित सात मंजिल स्वर्वेद महामंदिर धाम के प्रथम चरण के निर्माण का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने संतों के साथ मंदिर परिसर में भ्रमण भी किया और इसके बारे में जानकारी ली। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सात मंजिला यह मंदिर 35 करोड़ रुपये की लागत से 64 हजार स्कवायर फीट (डेढ़ एकड़) में बनाया जा रहा है। मंदिर की सातों मंजिल पर 20 हजार लोग एक साथ मेडिटेशन (ध्यान) कर सकेंगे। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वर्ष 2004 से करीब 500 मजदूर लगातार मंदिर निर्माण में लगे हैं। इस मंदिर को बनाने का उद्देश्य है कि लोग मेडीटेशन, योग साधना और संस्कृति से जुड़ सकें। भारत के प्राचीन ऋषि, मुनियों के जीवन शैली से रूबरू हो। संत सदाफल महाराज के विश्व के दर्जनों देशों में सैकड़ों आश्रम है। इसमें सबसे बड़ा उमरहा में नवनिर्मित स्वर्वेद महामंदिर है। इस मंदिर का नाम है स्वर्वेद। स्वर्वेद दो शब्दों से मिलकर बना है स्वः और वेद। स्वः का एक अर्थ है आत्मा, वेद का अर्थ है ज्ञान।

पोस्टल असिस्टेंट संजय गुप्ता रिश्वत लेते अरेस्ट

PLAMU : पलामू के मेदिनीनगर स्थित मुख्य डाकघर में सोमवार को सीबीआई ने छापेमारी की। मुख्य डाकघर में मुख्य डाक अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत पोस्टल असिस्टेंट संजय गुप्ता को सीबीआई की टीम ने 15 हजार रुपए घूस लेते रंगेहाथ अरेस्ट कर लिया। संजय गुप्ता के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की गयी थी। इसी के आलोक में सीबीआई की ओर से ये कार्रवाई की गयी है। सीबीआई की टीम ने आरोपी से पूछताछ की। केंद्रीय एजेंसी सीबीआई की टीम सोमवार को पलामू जिले के मेदिनीनगर स्थित मुख्य डाकघर पहुंची और मुख्य डाकघर में मुख्य डाक अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत पोस्टल असिस्टेंट संजय गुप्ता को सीबीआई के अधिकारियों ने 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोच लिया। बताया जा रहा है कि संजय गुप्ता के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की गयी थी।

ASI ने वाराणसी कोर्ट को सौंपी ज्ञानवापी सर्वे की सील बंद रिपोर्ट

अमेरिका में तैयार की गई जीपीआर रिपोर्ट, मुस्लिम पक्ष बोला- सार्वजनिक न करें

AGENCY VARANASHI : ज्ञानवापी मामले में एएसआई के एडिशनल डायरेक्टर ने वाराणसी के जिला जज को सील बंद रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट 1000 से ज्यादा पेज की है। एएसआई को ज्ञानवापी के सर्वे के दौरान खंडित मूर्तियां, घड़ा, चिह्न जैसे 250 अवशेष मिले थे। इन्हें डीएम की निगरानी में लॉकर में जमा कराया गया था। इनको भी कोर्ट में पेश किया गया। सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट को 2 पेन ड्राइव, 2 हार्ड डिस्क, 1000 पेज से अधिक की पीपीटी रिपोर्ट सौंपी गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि जीपीआर रिपोर्ट अमेरिका में तैयार की गई है। हैदराबाद की जीपीआर टीम ने ज्ञानवापी में सर्वे किया था। सर्वे रिपोर्ट पेश होने से पहले मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया ने कोर्ट में एप्लिकेशन दी। इसमें मांग की कि सर्वे की रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में पेश हो और बिना हलफनामे के किसी को भी सार्वजनिक करने की इजाजत न दी जाए। वहीं, हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि 21 दिसंबर को अगली सुनवाई है। विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मैंने कोर्ट में एप्लिकेशन दी है कि रिपोर्ट की कॉपी हमें दी जाए।

- मामले में 21 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई
- एएसआई को ज्ञानवापी के सर्वे के दौरान खंडित मूर्तियां, घड़ा, चिह्न जैसे 250 अवशेष मिले

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सदन में गरमाया धीरज साहू कैश बरामदगी का मामला

हंगामे के बीच 8111.75 करोड़ का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश

PHOTON NEWS RANCHI : विधानसभा में 12.30 बजे सभा की कार्यवाही शुरू हुई। शून्यकाल के दौरान विपक्ष एक बार फिर वेल तक पहुंचा। सदन के भीतर धीरज साहू कैश मामला गरमाया रहा। भाजपा विधायक भानू प्रताप शाही सहित तमाम विधायक वेल में 500 करोड़ किसका है का नारा लगाते रहे। विपक्ष की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही चलती रही। वहीं वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने 8111.75 करोड़ का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया। इसके बाद स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने सभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। शीतकालीन सत्र में सदन की कार्यवाही के दौरान महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री जोबा मांझी ने कई बिल को सदन पटल पर रखा।

सदन के बाहर हंगामा करते विपक्ष के विधायक-सांसद।

सदन की सीढ़ियों पर पक्ष-विपक्ष का हंगामा

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन हंगामे के साथ शुरू हुआ। सभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले सदन की सीढ़ियों पर पक्ष और विपक्ष दोनों बैठा हुआ था। सरकार की ओर से गिरिडीह विधायक सुदिव्य सोनू, मथुरा महतो सहित तमाम विधायक बैठे हुए थे। सभी के हाथों में हम है आदिवासी, हम है जंगल के मालिक, पूजिपतियों को जंगल बेचना बंद करो, आदिवासी-मूलवासी को जंगल से बेदखल करने की साजिश बंद करो, जंगल हम आदिवासियों का स्वाभिमान इसे बेचना बंद करो लिखी तख्तियां थी। वहीं विपक्ष सदन के बाहर से ही सरकार को घेरने में लगी रही। विपक्ष ईडी के मुद्दे को लेकर सीएम सहित सरकार को घेरने की पूरजोर कोशिश करती दिखी। विपक्ष का कहना था कि सीएम ईडी के डर से भागने वाले हैं । विपक्षी विधायकों के हाथों में सीएम हेमंत सोरेन इस्तीफा दो और हेमंत सोरेन सरकार के चार सालों के कुकर्मों की सीबीआई जांच कराओ वाले पोस्टर थे।

सीएम केंद्रीय एजेंसी के समन की कर रहे अवहेलना : बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि जैसे ईडी के समन और धीरज साहू के बातों को सदन से कोई लेना-देना नहीं है वैसे ही जातिगत जनगणना की बातों का भी सदन से लेनादेना नहीं होना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि सत्ता पक्ष के विधायकों की तरफ से राजनीतिक एजेंडा को सदन में लाया जाता है। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री ईडी के समन पर हाजिर नहीं हो रहे हैं। वो केंद्रीय एजेंसी के समन की अवहेलना कर रहे हैं। अमर बाउरी की बातों का जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि धीरज साहू के यहां जो राशि मिली है, उसका जवाब आईटी देगा, न कि कांग्रेस पार्टी।

उन्होंने कहा कि धीरज साहू का काफी लंबा-चौड़ा पारिवारिक व्यापार है। धीरज साहू कांग्रेस से सांसद जरूर हैं लेकिन उनके यहां मिली राशि पर कांग्रेस को जवाब देने की जरूरत नहीं। साथ ही ईडी के समन पर आलमगीर ने कहा कि ईडी को मुख्यमंत्री की तरफ से जवाब दिया जा रहा है। यह एक कानूनी प्रक्रिया है।

मोदी सरकार संसद पर हमला कर रही : खड़गे

NEW DELHI : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सांसदों के निलंबन को लोकतंत्र पर हमला बताया। उन्होंने कहा- पहले घुसपैठियों ने संसद पर हमला किया। अब मोदी सरकार संसद और लोकतंत्र पर हमला कर रही है। निरंकुश मोदी सरकार में 47 सांसदों को निलंबित करके लोकतांत्रिक मानकों को डस्टबिन में फेंका जा रहा है। हमारी मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर दोनों सदनों में बयान दें और इस पर चर्चा हो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ को लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन का सस्पेंशन हटा लेना चाहिए। ऐसा करना संसदीय परंपरा का उल्लंघन है। स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि संसद की सुरक्षा चूक मामले में उच्चस्तरीय जांच जारी है। मामले में जांच कमेटी गठित की गई है। पहले भी जब इस तरह की घटनाएं हुई तो पूर्व स्पीकरों के जरिए ही जांच प्रक्रिया आगे बढ़ी। ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटना को लेकर राजनीति हो रही है।

एक दिन में 78 सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड

संसद की सुरक्षा में सेंध पर किया था हंगामा

AGENCY NEW DELHI : संसद के शीतकालीन सत्र के 11वें दिन सोमवार को दोनों सदनों से 78 सांसद सस्पेंड कर दिए गए। असल में संसद में सुरक्षा चूक के मसले पर लोकसभा में लगातार चौथे दिन हंगामा हुआ। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने 33 सांसदों को सस्पेंड कर दिया। इनमें नेता अधीर रंजन चौधरी समेत कांग्रेस के 11 सांसद, तृणमूल कांग्रेस के 9, डीएमके के 9 और 4 अन्य दलों के सांसद शामिल हैं। इसके बाद राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। इसके चलते सभापति जगदीप धनखड़ ने 45 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया। इससे पहले 14 दिसंबर को लोकसभा से 13 सांसद निलंबित किए गए थे। इनमें कांग्रेस के 9, सीपीआई (एम) के 2, डीएमके और सीपीआई के एक-एक सांसद थे। इनके अलावा राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन को भी 14 दिसंबर को सस्पेंड किया गया था। शीतकालीन सत्र से अब तक कुल मिलाकर 92 सांसदों को सस्पेंड किया जा चुका है।

- लोकसभा से 33 और राज्यसभा से 45 सांसद हुए सस्पेंड
- 14 दिसंबर को लोकसभा से 13 सांसद को किया गया था निलंबित

BRIEF NEWS

श्रमिकों को बंधक बनाकर 14 लाख के छड़ की लूट

GIRIDIH : जिले के बगोदर थाना इलाके के वनपुरा गांव के अरदली नदी में निमार्णाधीन पुल में दर्जन भर से अधिक हथियारबंद अपराधियों ने धावा बोल कर पुल के समीप रखे करीब 14 लाख के टीएमटी सरिया के छड़ को लूट कर ले गए। बताया जाता है कि अपराधियों ने सोमवार अहले सुबह निमार्णाधीन पुल के समीप बने एक कमरे में मौजूद दर्जन भर से अधिक मजदूरों की पिटाई कर उन्हें कमरे में बंद कर दिया। अपराधी इस दौरान आधे घंटे तक वहीं रुके रहे और घटना को अंजाम दिया। कमरे में सारे मजदूरों को बंधक बनाकर अपराधी इस दौरान 14 लाख के टीएमटी को एक ट्रक में लोड कर फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर बगोदर थाना पुलिस के साथ एसडीपीओ नौशाद आलम घटनास्थल पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता काली महतो का निधन लोगों ने जताई संवेदना

KHUNTI : भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता काली महतो का निधन रविवार की देर रात उनके पैतृक गांव मुरहू प्रखंड के कुजला गांव में हो गया। पूरे इलाके में वे काली मामा के नाम पर जाने जाते थे। काली महतो के निधन पर खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंड, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष अनूप साहू, संदन महतो, परिमल महतो सहित भाजपा के कार्यकताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। भाजपा नेता काशीनाथ महतो ने कहा कि काली मामा एक नेक दिल इंसान थे और सामाजिक कार्यों में हमेशा बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे।

गोड्डा के एक होटल में युवक ने लगाई फांसी

GODDA : जिला मुख्यालय के हटिया चौक के पास होटल स्काई ब्लू में रविवार रात ठहरे एक युवक ने फांसी लगा ली। घटना का पता वक्त लगा जब सोमवार सुबह सर्विस ब्वॉय ने ठहरे युवक के रूम में बार-बार आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला। युवक की शिनाख्त बाघमारा निवासी मधुसूदन कुमार मंडल के रूप में हुई। वह रविवार रात तकरीबन 10:30 बजे इस होटल में कमरा नंबर 406 में रुका था। घटना घटित होने के बाद होटल संचालकों ने मामले की सूचना स्थानीय टाउन थाना पुलिस को दी है तथा पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई।

दहेज प्रताड़ना के दोषी पति को दो साल की सजा

DUMKA : जेएम वन विजय कुमार यादव की न्यायालय ने सोमवार को दहेज प्रताड़ना के मामले में शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कालीचुआ निवासी शत्रुघ्न मिर्धा को दो वर्ष की कैद और पांच हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। दर्ज प्राथमिकी में विवाहिता कनकलता मिर्धा ने बताया कि शत्रुघ्न मिर्धा से उसकी शादी हिन्दू रीति-रिवाज से वर्ष 2007 में हुई थी। वर्ष 2013 में दोनों से एक लड़का हुआ। उसके बाद पति की ओर से बाइक के लिए 75 हजार रुपये दहेज की मांग की जाने लगी। इंकार पर पति मारपीट करने लगे। प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने न्यायालय में परिवारवाद दायर की। न्यायालय के आदेश पर मामले में शिकारीपाड़ा थाना में तीन मार्च 2016 को मामला दर्ज हुआ था।

डीसी पहुंचे तरहसी, मतदाता सूची को लेकर सुपर चेकिंग का लिया जायजा

PALAMU : जिला निर्वाचन पदाधिकरी सह उपायुक्त शशि रंजन ने सोमवार को मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 को लेकर पांकी विधानसभा क्षेत्र-75 पंहुचे। इस दौरान उपायुक्त ने तरहसी प्रखंड के गुरहा, गोइंदी एवं टरिया महरी के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। ततपश्चात उन्होंने इन मतदान केंद्रों में प्राप्त दावा-आपति सम्बन्धी प्रपत्रों का निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के स्तर से निष्पादित किये गए प्रपत्रों की सुपर चेकिंग की। उन्होंने उक्त मतदान केन्द्रों पर विलोपन प्रविष्टियो की जाँच हेतु सम्बंधित स्थल पर जाकर क्षेत्र सत्यापन का कार्य भी किया।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में हजारीबाग पहुंचे मुख्यमंत्री

विकास कार्य में अड़ंगा लगाते है विपक्ष : हेमंत

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : सोमवार को सीएम हेमंत सोरेन हजारीबाग के इचाक में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी व विपक्ष के लोग सिर्फ विकास के काम में अडंगा लगाते हैं। झारखंड में स्थापित सभी निजी और सरकारी फैक्टिरियों में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए कानून बना दिया गया है। इन कंपनियों में 40 हजार से कम तनख्वाह पानेवाले सभी लोग स्थानीय बहाल होंगे। इस कार्यक्रम में बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, बरही विधायक उमाशंकर अकेला, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, मुख्यमंत्री के सचिव विनय चौबे, आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा, डीआईजी नरेंद्र सिंह, उपायुक्त नैंसी सहाय समेत जिले के अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित सीएम व अन्य। ● फोटोन न्यूज

केंद्र सरकार नहीं दे रही 1.36 लाख बकाया

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया राज्य को नहीं दे रही है। केंद्र सरकार एक लाख 36 हजार करोड़ झारखंड सरकार को नहीं दे रही है। केंद्र का यह पैसा राज्य सरकार को मिल जाए तो हम दस लाख शिक्षित युवकों को आत्मनिर्भर व स्वरोजगार क लिए दस-दस लाख रुपये का ऋण देंगे। रसोई गैस सिलिंडर 500 रुपये में देंगे। किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं, छात्रों को बड़े पैमाने पर सरकार मदद करती। अभी राज्य सरकार सभी 60 वर्ष पूरा करनेवाले महिला-पुरुष को पेंशन दे रही है। तीन कमरोंवाला अबुआ आवास योजना का लाभ मिल रहा है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए साइकिल, छात्रवृति और उच्च शिक्षा के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड दे रही है। गांव से पंचायत, प्रखंड और जिला मुख्यालय तक लोग पहुंच सके इसके लिए गाड़ी योजना के तहत बसें चलायी जाएंगी। इसमें विद्यार्थियों, झारखंड आंदोलनकारियों की यात्रा निःशुल्क होगी।

हेमंत सरकार ने चार साल में किया विकास

ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने चार साल में जो विकास के काम किए हैं। पिछले सरकारों ने 20 वर्षों में नहीं किया। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत बड़े पैमाने पर रोजगार के लिए लोगों को संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। महिलाएं ट्रैक्टर लेकर खेतीबारी के कार्यों से आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रही हैं। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ किसान, मजदूर, छात्रों को मिल रहा है।

गुजरात और पंजाब नहीं जाएंगे राज्य के श्रमिक

श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य के श्रमिक अब गुजरात और पंजाब जाने के बजाय स्थानीय रोजगार को महत्व दे रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यकाल में शिक्षक, पंचायत सचिव, जेपीएससी समेत अन्य विभागों में बड़े पैमाने पर बहाली की गयी। सेविका, सहायिका, पारा शिक्षक और अन्य विभाग के लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ है।

इंडिया गठबंधन की बैठक में नहीं जाएंगे सीएम

झामुमो की ओर से सांसद विजय हांसदा, महुआ माजी और पार्टी महासचिव सुप्रियो होंगे शामिल पांच विधानसभा चुनाव परिणाम और लोकसभा चुनाव की आहट के बीच दिल्ली में मंगलवार (19 दिसंबर) को इंडिया गठबंधन दलों की बैठक होनी है। इस बैठक में गठबंधन के अहम हिस्सा रहे सीएम हेमंत सोरेन नहीं शामिल होंगे। बैठक में झामुमो की ओर से लोकसभा सांसद विजय हांसदा, राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी और पार्टी केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य शामिल होंगे।

इस कारण नहीं जा रहे सीएम

सीएम हेमंत सोरेन विधानसभा के शीतकालीन सत्र और 19 दिसंबर को गुमला में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर गठबंधन दलों की बैठक में शामिल होने दिल्ली नहीं जाएंगे। दोनों कार्यक्रम पहले से तय थे।

देवदरिया में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कैंप का हुआ आयोजन

कैंप में शामिल ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LOHARDAGA : विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सोमवार को किस्को प्रखण्ड के देवदरिया पंचायत में केंद्र सरकार की ओर से संचालित योजनाओं को जागरूकता को लेकर कैंप आयोजित किए गए।

मौके पर कार्यक्रम का सुभारम्भ संकल्प यात्रा के तहत प्रचार वाहन का स्वागत के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा कैंप का आयोजन कर केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लोगों को दिया गया। साथ ही ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ भी दिया गया। इस दौरान विकसित भारत बनाने का सपथ भी लिया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को अधिक से अधिक केंद्र द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम की माध्यम से सरकारी विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देकर विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत दी जाने वाली योजनाएं पक्का मकान, नल जल कनेक्शन, शौचालय, निःशुल्क इलाज, निःशुल्क राशन, गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, बैंक खाता खुलवाना, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, बाल विकास विभाग की योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया।

सिमबोसिस स्कूल के 9वीं के छात्र की क्लास रूम में मौत

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद के बरवाअड्डा स्थित सिमबोसिस स्कूल के 9वीं के एक छात्र की सोमवार को मौत हो गई। बताया जाता है कि छात्र अपने क्लास रूम में बैठा था, जिसके बाद उसे चक्कर आया और फिर वह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद उसे स्थानीय एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उसे एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया।

घटना के संबंध में में मृत छात्र अजय कुमार (15) के पिता रेलकर्मी जगदीश साव ने बताया कि उनका बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ था। सुबह भी वह स्कूल के लिए खुद तैयार हुआ और अपने स्कूल गया, लेकिन कुछ समय बाद उसके स्कूल से उसे फोन आया कि उसके बच्चे की तबियत बिगड़ गई है, उन्हें जल्द से जल्द असर्फी अस्पताल बुलाया गया। असर्फी अस्पताल पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि आप एसएनएमएमसीएच चले आइये। यहाँ आने पर उन्हें उनका बेटा मृत हालत में मिला।

वहीं सिमबोसिस स्कूल की प्रचार्या इंद्राणी ने बताया कि छात्र काफी समय तक स्कूल में अपने सिर को नीचे दबा कर बैठा था। इसके बाद स्कूल के शिक्षक द्वारा पूछे जाने पर उसके साथ बैठे उसके क्लास फ्रेड ने बताया कि उसे चक्कर आ रही है। इसके बाद अजय अचानक अपने बेंच से नीचे फर्श पर गिर पड़ा। जिसके बाद उसे पहले असर्फी अस्पताल ले जाया गया, इसके बाद उसे एसएनएमएमसीएच में दाखिल किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृत छात्र की तबियत पहले से खराब रहा करता था। पिछले साल उसकी तबियत बिगड़ने पर उसे उसके परिजनों द्वारा अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा था।

गढ़वा में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, थाना प्रभारी घायल

दोनों ओर से चली दर्जनों राउंड गोलियां, इलाका छावनी में तब्दील

PHOTON NEWS GARHWA : गढ़वा जिले में नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) और पुलिस के बीच हुई। इस दौरान दोनों ओर से दर्जनों राउंड गोलियां चली हैं। फिलहाल इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। इस मुठभेड़ में रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा को गोली लगी है। उनके बांह को गोली चिरती हुई निकल गई है। गोली लगने के बाद उनके साथ उन्हें गढ़वा सदर अस्पताल ले गए। जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची के मेडिका अस्पताल में रेफर किया गया है। घटना देर रात शुरू हुई जो सुबह तक चली है। मुठभेड़ की घटना की पुष्टि पलामू के जोनल आईजी राजकुमार लकड़ा ने की है।

रांची के मेडिका अस्पताल में इलाजरत रंका थाना प्रभारी। ● फोटोन न्यूज

खतरे से बाहर हैं थाना प्रभारी

रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा का रांची के मेडिका अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉ राकेश अग्रवाली की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टर के मुताबिक थाना प्रभारी की बांह को गोली चिरती हुई निकली है। इस वजह से इंज्यूरी हुई है। हालांकि वे खतरे से बाहर हैं। फिलहाल उनकी स्थिति पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस के आला अधिकारियों ने पूछा हाल

गढ़वा में पुलिस और उग्रवादियों के बीच हुए मुठभेड़ में घायल हुए रंका थाना प्रभारी का रांची के मेडिका अस्पताल में इलाज चल रहा है। यहां एडमिट होने के बाद रांची सिटी एसपी राजकुमार मेहता और एडीजी अभियान संजय लाटकर अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा का हाल पूछा।

नक्सलियों की जुटने की सूचना पर चलाया सर्च अभियान

प्राप्त जानकारी के मुताबिक रंका थाना क्षेत्र इलाके में जेजेएमपी के नक्सलियों के जुटने की सूचना के बाद गढ़वा पुलिस ने सर्च अभियान शुरू किया। इसी क्रम में पुलिस को आता देख जेजेएमपी के नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर से लगभग 12 राउंड गोलियां चली हैं। इसी गोली बारी के दौरान रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा को गोली लगी। जिसके बाद उन्हें मुठभेड़ वाले इलाके से निकाल कर सदर अस्पताल ले जाया गया। फिर वहां से उन्हें रांची के मेडिका अस्पताल रेफर किया गया है। इस मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। गढ़वा पुलिस लगातार नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान जारी रखी है।

ढेंगुरा टोला जंगल में रविवार की रात हुई मुठभेड़

जानकारी के मुताबिक पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ रविवार की देर रात शुरू हुई जो सुबह तक चली है। यह मुठभेड़ कुदरुम गांव के ढेंगुरा टोला से करीब 300 मीटर भीतर जंगल में हुई है। जंगल में मौजूद पत्थरों पर गोलियों के निशान भी हैं। बताया जा रहा है कि एक चट?टान ऐसा है जिसमें छह से आठ गोलियों के निशान हैं। जमीन पर खून के धब्बे से अनुमान लगाया जा रहा है कि नक्सली भी घायल हुए हैं। पूरी संभावना है कि नक्सली घायल साथियों को अपने साथ ले गए हों। इस मुठभेड़ में चिनिया, रमकंडा और रंका थाने की पुलिस शामिल थी। हालांकि पुलिस की ओर से मुठभेड़ और इससे संबंधित आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

पलामू जिला अधिवक्ता संघ चुनाव : मतपत्र बक्शे में बंद, 72 घंटे में काउंटिंग पूरा कराने का आग्रह

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में मतों की गिनती के दौरान हुए हंगामे के कारण 24 घंटे बाद भी रिजल्ट सामने नहीं आ पाया है। मतगणना के दूसरे दिन सोमवार को चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के अभ्यर्थियों के समक्ष मतपत्र को बक्शे में बंद एवं सील कर बार एसोसिएशन के कमरे में सुरक्षित रख दिया।

इधर, रामदेव प्रसाद यादव, राजीव रंजन समेत विभिन्न पदों के प्रत्याशियों ने 72 घंटे के भीतर काउंटिंग पूरी कराने का आग्रह चुनाव समिति से की है। निर्धारित अवधि में मतगणना पूरी नहीं होने पर संवैधानिक तरीके से कदम उठाने की चेतावनी दी है।

बता दें कि शनिवार को वोटिंग के बाद रविवार को मतों की गिनती हो रही थी। 11 राउंड में गिनती पूरी होनी थी। अंतिम चरण में जब 26 वोटों की गिनती होनी शेष थी,

तब महासचिव पद के प्रत्याशी अजय पांडे सुमित व उनके कुछ समर्थकों ने चुनाव समिति के पास पहुंच कर मतगणना कार्य को रूकवा दिया था। चुनाव समिति ने हंगामा को देखते हुए मतगणना कार्य रोक दिया था।

हंगामे की सूचना मिलने पर एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली थी। बावजूद हल नहीं निकलने के कारण अजय पांडे गुट के लोगों ने बार एसोसिएशन के कार्यालय में ताला लगा दिया था। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामदेव प्रसाद यादव एवं महासचिव पद के प्रत्याशी राजीव रंजन ने अधिवक्ता संघ परिसर में धरना पर बैठने की चेतावनी दी थी।

सोमवार को स्थिति थोड़ी बदली नजर आई। चुनाव समिति ने बार एसोसिएशन का कार्यालय खोला और वहां कमरे में बंद मतपत्रों को सुरक्षित बक्शे में सील करके रख दिया।

प्रधानमंत्री नल जल योजना के जलमीनार से लोगों को नहीं मिल रहा पानी

गुणवता पर उठा सवाल, बंद करायी योजना

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के तरहसी प्रखंड क्षेत्र के सोनपुरा पंचायत अंतर्गत मटलौंगा गांव में प्रधानमंत्री नल जल योजना के जलमीनार से लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। साथ ही बोरिंग की गहराई कम होने और घर-घर स्टैंड पोस्ट निर्माण की गुणवता घटिया होने का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने सोमवार को चार जगहों पर योजना बंद करा दी है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नल जल योजना के तहत डीप बोरिंग कर और पांच हजार लीटर की टंकी लगाकर लोगों के घरों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। एक योजना से 20-25 घरों को पानी देना है। 5000 लीटर की टंकी लगाकर पानी देने की योजना साढे चार लाख की है।

मटलौंगा के हरिजन टोला में गुलाबी भुइयां के घर के पास उपरोक्त योजना से जलमीनार का

नल से पानी चेक करते लोग। ● फोटोन न्यूज

निर्माण किया गया है। निर्धारित 150 से 200 फीट गहराई की जगह मात्र 50-60 फीट डीप बोरिंग की गयी है। ऐसे में योजना की शुरूआत होने के कुछ ही महीने के भीतर लोगों को पानी मिलना बंद हो गया है। यहां जलमीनार में 5 हजार लीटर की टंकी लगाई गई है। घरों में पानी देने के लिए जो स्टैंड पोस्ट लगाया गया है, उसका निर्माण भी काफी घटिया किया गया है।

कृष्णा महतो के घर के पास लगी जलमीनार में मात्र 50 फीट बोरिंग की गयी है। यहां भी 5 हजार लीटर की टंकी लगी है, लेकिन पाइप से रिसाव हो रहा है। मटमैला पानी होने के कारण लोग इसका सेवन नहीं कर रहे हैं। साथ ही रिसाव से पानी सड़क पर बह रहा है। जलजमाव से आवागमन में परेशानी हो रहा है।

गोपाल कुमार और अनिल कुमार के खेत में लगी जलमीनार से भी लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। मामले में सक्रियता दिखाते हुए वार्ड नंबर 9 के सदस्य आनंद कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने योजना को बंद करा दिया है।

ग्रामीण अरूण कुमार, राजकुमार महतो, सुमित कुमार, प्रमोद मेहता, सुगिया कुवंर, बालेश्वर महतो, मोहन सिंह, मीना देवी, विक्रम सिंह, राजू सिंह, योगेन्द्र महतो एवं अन्य ने कहा कि 50-60 फीट बोरिंग कराकर डेढ़ से दो सौ फीट बोरिंग होने के कागजात पर हस्ताक्षर करा लिया गया है। स्टैंड पोस्ट की ढलाई में कंक्रीट एवं सीमेंट का इस्तेमाल नहीं के बराबर किया गया है।

ग्रामीणों ने कहा कि ठिकेदार मंटू सिंह कभी भी कार्य स्थल पर नहीं दिखे। सारा कार्य हेड मिस्त्री कमलेश कुमार एवं मुंशी आकाश कुमार के द्वारा कराया गया। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बाद भी जब कोई सुधार नहीं हुआ तो योजना बंद कराने का निर्णय लिया गया।

यीशु मसीह के आगमन के भव्य आयोजन को लेकर तैयारियों में जुटे ईसाई समुदाय के लोग

रंग-बिरंगे सामानों से गुलजार हुआ क्रिसमस का बाजार

PHOTON NEWS KHUNTI : मसीही विश्वासियों के सबसे पवित्र और बड़े त्यौहार क्रिसमस को लेकर जिला मुख्यालय के अलावा सभी प्रखंडों में भी क्रिसमस का बाजार गुलजार है। दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में प्रभु यीशु मसीह के जन्म समारोह को धूमधाम से ईसाई मिशनरियों द्वारा मनाया जाता है। यीशु मसीह के आगमन काल को मनाने की तैयारी में मसीही विश्वासी जुट गए हैं। मसीही विश्वासियों में पर्व को लेकर उनका उत्साह देखा जा रहा है।

रंग-बिरंगे फुलों से सजा क्रिसमस का बाजार। ● फोटोन न्यूज

इस बार भव्य आयोजन को लेकर ईसाई समुदाय के लोग विगत कुछ दिनों से तैयारियों में जुट गए हैं। इस निमित्त कैथोलिक चर्च जीईएल चर्च, सीएनआई चर्च सहित अन्य सभी चर्चों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। इसके साथ ही ईसाई बहुल मोहल्लों की भी साफ-सफाई जोरों पर है।

शहर के प्रमुख भगत सिंह चौक और नेताजी चौक के अलावा अन्य प्रमुख चौक चौराहों और प्रखंड मुख्यालयों में लगाए गए क्रिसमस बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इस बार क्रिसमस बाजार में क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज, स्टार लाइट समेत अन्य सजावटी वस्तुओं की विशेष मांग है। इसके साथ ही हल्के और फोल्डेबल चरणी, क्रिसमस थीम लाइट सहित खास गिफ्ट आइटम की भी काफी डिमांड है।

क्रिसमस के पर्व को लेकर शहर की कुछ जगहों पर अस्थाई दुकानें भी लगाई गई हैं। जैसे-जैसे त्यौहार का दिन निकट आ रहा है, मसीही विश्वासियों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। जगह-जगह क्रिसमस गैदरिंग, कैरोल सिंगिंग सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें महिलाएं, बच्चे और युवतियां भी बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।

खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेंगे खूंटी के चार शूटर्स, 26 को होंगे रवाना

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी राइफल क्लब के चार शूटर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित होनेवाली खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेंगे। खिलाड़ियों में सास्वत तिवारी, ज्योति रानी, प्रवीण हेरेंज और रचित रंजन प्रसाद शामिल हैं। खिलाड़ियों को सोमवार को रांची खेलगांव के लिए रवाना किया गया। मौके पर राइफल क्लब के अध्यक्ष सह एसडीओ अनिकेत सचान ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में खूंटी के शूटर्स ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आगे भी अपना प्रदर्शन को बेहतर बनायें रखें। उन्होंने खिलाड़ियों को लक्ष्य पर ध्यान देकर खेलने की अपील की। एसडीओ ने जिले में 50 मीटर शूटिंग रेंज शुरू करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया। इसके लिए उन्होंने स्थल चयन करने को कहा। क्लब के कोच सह सचिव अनुज कुमार ने बताया कि चारों खिलाड़ियों का सितंबर में रांची खेलगांव में आयोजित प्रतियोगिता में चयन हुआ था। उन्हें भोपाल रवाना करने से पूर्व खेलगांव में प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के बाद 26 दिसंबर को भोपाल रवाना होंगे।

BRIEF NEWS

बिनोद बिहारी महतो को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को झारखंड विधानसभा परिसर में झारखंड आंदोलन के पुरोधा स्व. बिनोद बिहारी महतो की पुण्यतिथि पर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं झारखंड विधानसभा एवं सदन की कार्यवाही का अवलोकन करने पहुंचे उत्क्रमित उच्च विद्यालय सकरपदा, मांडर के स्कूली बच्चों से भी मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मिले हैं।

दो वार्डों में 40 आवेदनों का हुआ ऑन स्पॉट निबटारा

RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को रांची नगर निगम की ओर से दो वार्डों में शिविर लगाया गया। इनमें वार्ड नंबर 39 और वार्ड नंबर 40 में कुल 40 आवेदनों का निपटारा ऑन स्पॉट किया गया। इसके अलावा दोनो वार्ड में जरूरतमंदों के बीच कुल 226 कंबल का वितरण भी किया गया। अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते है।

21 को चयन समिति की बैठक

RANCHI : झारखंड के मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति की बैठक 21 दिसंबर को बुलाई गई है। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को विधायक बिरंची नारायण के पूछे गए अल्प सूचित प्रश्न पर सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है। सरकार ने बताया कि 8 मई 2020 से झारखंड में एक मुख्य सूचना आयुक्त और पांच सूचना आयुक्त का पद खाली है। नेता प्रतिपक्ष नहीं होने के कारण सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं हो पा रही थी। अमर बाउरी के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद 16 नवंबर 2023 को चयन समिति की बैठक बुलाई गई थी, जो अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गई थी। अब 21 दिसंबर को यह बैठक होगी। सरकार को मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए 63 और पांच सूचना आयुक्त के पद के लिए 354 आवेदन मिले हैं।

महिला मोर्चा कांग्रेस कमेटी का सम्मेलन 27 को

RANCHI : बुढ़मू प्रखंड कांग्रेस कमेटी की ओर से 27 दिसम्बर को महिला मोर्चा कांग्रेस कमेटी का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रखंड मुख्यालय में होगा। सम्मेलन के लिए प्रखंड को तीन जोन में बांटा गया है । प्रखंड अध्यक्ष बलराम साहू ने सोमवार को बताया कि प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर पार्टी को मजबूत एवं विस्तार करने के लिए सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

14 सूत्री मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन

RANCHI : भवन निर्माण मजदूर यूनियन की ओर से सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। यह मार्च डोरंडा स्थित श्रीकृष्ण पार्क से श्रमायुक्त कार्यालय तक गया। भवन निर्माण मजदूरों के आंदोलन को सीटू की ओर से संचालित किया गया। जहां कार्यकारी अध्यक्ष भवन सिंह ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान श्रमायुक्त को 14 सूत्री मांगों से संबधित ज्ञापन सौंपा गया। इसकी जानकारी देते हुए श्री सिंह ने कहा कि भवन निर्माण के मजदूरों को नये-नये आदेश निर्गत किये जा रहे हैं।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

सीएम, स्पीकर, मुख्य सचेतकों, नेता प्रतिपक्ष के वेतन भत्ते में होगी बढ़ोतरी, प्रतिवेदन पेश

मुख्यमंत्री को वेतन के तौर पर ₹80 हजार के प्रावधान को ₹1 लाख प्रतिमाह किये जाने की अनुशंसा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रवीन्द्रनाथ महतो , नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, मुख्य सचेतकों, सचेतकों के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाओं में वृद्धि से संबंधित प्रतिवेदन पेश किया गया।

इस संबंध में गठित समिति और उसके द्वारा तैयार प्रतिवेदन में वेतन, भत्ते, अन्य सुविधाओं की समीक्षा और वृद्धि के निमित्त सुझाव दिये गये हैं। इसके मुताबिक वर्तमान में मुख्यमंत्री को वेतन के तौर पर 80 हजार रुपये का प्रावधान है। इसे एक लाख रुपये प्रतिमाह किये जाने की अनुशंसा समिति ने की है। मंत्री, राज्य मंत्री, उप मंत्री को 65 हजार के बजाए 85 हजार रुपये प्रतिमाह किये जाने की अनुशंसा की गई है। क्षेत्रीय भत्ते के तौर पर मुख्यमंत्री, मंत्रियों को 80 हजार के बजाय 96 हजार रुपये दिये जाने की अनुशंसा की गई है।

इसी तरह आवास ऋण के तौर पर मुख्यमंत्री, मंत्री को चार प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर देय 40 लाख रुपये की सुविधा को 50 लाख रुपये किये जाने का सुझाव दिया गया है। प्रभारी भत्ता, सत्कार भत्ता में भी वृद्धि की अनुशंसा हुई है।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन संसद में मौजूद मंत्री आलमगीर आलम व अन्य।

विधानसभा स्पीकर के लिए वर्तमान में प्रतिमाह वेतन के तौर पर मिलने वाली राशि को 78 हजार रुपये के बजाए 98 हजार रुपये किये जाने की अनुशंसा की गई है। क्षेत्रीय भत्ता के तौर पर 80 हजार रुपये प्रतिमाह की राशि को 95 हजार रुपये प्रतिमाह किये जाने की अनुशंसा की हुई है। सत्कार भत्ता को 60 हजार रुपये की जगह 70 हजार रुपये प्रतिमाह करने को कहा गया है।

नेता विरोधी दल को वेतन के तौर पर मिलने वाली राशि को 65 हजार रुपये के बजाए 85 हजार रुपये प्रतिमाह करने की सिफारिश की गई है। क्षेत्रीय भत्ता को 80 हजार के बजाए 95 हजार रुपये प्रतिमाह, सत्कार भत्ता को 45 हजार के बजाय 55 हजार रुपये प्रतिमाह और अन्य सुविधाओं में भी वृद्धि की अनुशंसा की गई है। मुख्य सचेतक को वेतन के तौर पर 55 हजार रुपये प्रतिमाह के बजाय 75 हजार रुपये प्रतिमाह, सचेतक को 40 हजार रुपये प्रतिमाह के बजाय 60 हजार रुपये प्रतिमाह किये जाने की अनुशंसा की गई है।

इसके अलावा समिति ने यह भी अनुशंसा की है कि झारखंड विधानसभा के सदस्यों को एक कंप्यूटर ऑपरेटर 35 हजार रुपये प्रतिमाह की व्यवस्था पर रखने की सुविधा दें। साथ ही एक ड्राइवर भी 30 हजार रुपये प्रतिमाह पर रखने की सुविधा मिले। इसके लिए विधायक अनुशंसा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री, स्पीकर, मुख्य सचेतक, सचेतक और अन्य के वेतन, भत्ता, सुविधाओं में वृद्धि के मामले में एक विशेष समिति पूर्व में गठित की गई थी।

होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया 16 जिलों में पूरी, शेष में जल्द होगी : आलमगीर आलम

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को विधायक प्रदीप यादव ने सदन में पांच वर्षों से होमगार्ड के खाली पदों पर बहाली नहीं होने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि बहाली नहीं होने के कारण राज्य के नौजवान अवसर से वंचित हैं। जिलों में पुलिस बल की कमी हो रही है। इस पर सरकार की ओर से मंत्री आलमगीर आलम ने जवाब दिया कि झारखंड के 16 जिलों में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बाकी जिलों में बहाली की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही उन जिलों में बहाली हो जायेगी।

एक महीने में दी जायेगी मुआवजा : बन्ना

PHOTON NEWS RANCHI : स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता ने सदन में कहा कि पलामू जिले में वज्रपात से मरने वाले लोगों और पशुओं के लिए आवंटित मुआवजा राशि का एक महीने के अंदर भुगतान कर दिया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने विधायक कमलेश सिंह के अल्प सूचित सवाल पर यह आश्वासन दिया। विधायक ने सरकार से पूछा था कि पलामू में वज्रपात से मृत व्यक्तियों और पशुओं के लिए

मुआवजा के भुगतान के लिए कुल 35 लाख 35 हजार 400 की राशि आवंटित करने के लिए पलामू डीसी ने आपदा विभाग को पत्र लिखा है, लेकिन अबतक आवंटन नहीं मिला है। विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि पांच महीने में अधिकारी पता नहीं लगा पाये कि कौन सा विभाग जाति जनगणना करायेगा। इसके बाद विपक्ष के नेता अमर बाउरी ने कहा कि मुख्यमंत्री का ईडी के समन को दरकिनार करना चिंतनीय, राज्य में अराजकता की स्थिति है। सरकार को क्यों इस्तीफा नहीं देना चाहिए। इसपर बहस कराया जाये।

मनरेगा आयुक्त ने जीआईजेड प्रोजेक्ट के प्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा बैठक

कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना हमारी प्राथमिकता : राजेश्वरी बी

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी।

PHOTON NEWS RANCHI : मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा कि झारखंड में मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगारोन्मुख एवं आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जा रहा है। इसके तहत रैयती भूमि पर फलदार वृक्षों की बागवानी के लिए ग्रामीणों को सहायता प्रदान की जा रही है।

मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी सोमवार को झारखंड के जिलों मे चल रहे बिरसा हरित ग्राम योजना में कार्यरत जीआईजेड प्रोजेक्ट के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण अगर अंतः कृषि प्रणाली यानि दो फलदार पौधों के बीच की भूमि पर सब्जियों की खेती करेंगे तो इससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होगी और योजना से अधिकाधिक लोग लाभान्वित होंगे और ग्रामीणों की जीवन में सुख-समृद्धि आएगी।

राजेश्वरी बी ने कहा कि एक साथ कई लक्ष्यों को साध लेना मनरेगा की एक बड़ी विशेषता रही है। झारखंड राज्य के ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने एवं उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने के लिए जीआईजेड प्रोजेक्ट रामगढ़ और दुमका जिला में मनरेगा की योजना अंतर्गत बेहतर आजीविका हेतु कार्य कर रही है।

चोरी की बाइक और स्कूटी को बेचने के लिए लगा रहे थे चक्कर, पुलिस को देख भागे, खदेड़कर पकड़ा

पांच धराए, छह बाइक भी बरामद, चोरी कर रजिस्ट्रेशन नंबर बदल देते थे चोर

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का खुलासा किया है। साथ की कार्रवाई करते हुए पांच चोरों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को एसएससी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेस कांफ्रेंस किया। जिसमें बताया कि अरगोड़ा थाना क्षेत्र के आनंदपुरी चौक में दो अपराधी चोरी की बाइक और स्कूटी को बेचने के लिए घूम रहे थे। जिसके बाद सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस की टीम जब आनंदपुरी चौक पहुंची, तो पुलिस को देखकर दो व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे। लेकिन पुलिस टीम ने बाइक और स्कूटी समेत चोरों को पकड़ लिया। पकड़े गये चोरों ने अपना नाम सुभाष कुमार और रवि लोहरा बताया। इनके पास से तीन स्कूटी, तीन बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी देते रांची एसएसपी।

गिरोह के अन्य चोरों को भी किया गिरफ्तार

पकड़े गए दोनों व्यक्ति ने बताया कि दोनों गाड़ी चोरी की है, जिसे हरमू हाउसिंग कॉलोनी और भारत माता चौक से चोरी किए हैं। बताया कि इसे जिसे बेचने के लिए घूम रहे थे। ये भी बताया कि इनके साथ इमली चौक का सूरज केरकेट्टा, डीपाटोली का राहुल उर्फ श्रीकेश और इलाहीनगर का तबरेज अंसारी भी चोरी के काम में सहयोगी हैं। जिसके बाद पुलिस ने राहुल, तबरेज और सूरज को गिरफ्तार किया। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने चार अन्य बाइक भी बरामद किया। पूछने पर चोरों ने बताया कि राहुल और तबरेज मिलकर पहले गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर बदल देते थे। फिर खुद को श्रीराम फाइनेंस का फाइनेंसर बताकर चोरी की मोटरसाइकिल बेचते थे।

राज्य के सरकारी स्कूलों में कल से शुरू होंगी अर्धवार्षिक परीक्षाएं

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सभी सरकारी, मॉडल और अल्पसंख्यक सहित गैर सरकारी सहायता प्राप्त व मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक की अर्धवार्षिक परीक्षा 20 से 23 दिसंबर तक होगी। इस विषय पर परियोजना निदेशक ने पत्र जारी किया है। जानकारी के मुताबिक कक्षा एक और दो के लिए मौखिक परीक्षा और कक्षा तीन से आठ तक के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। खंड तीन से आठ तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ, अति लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय होंगे। कक्षा एक से आठ तक के हर सब्जेक्ट के एग्जाम के लिए 60 मार्क्स तय है। लेकिन कक्षा छह से आठ तक के मैथ्स, साइंस, सोशल साइंस के लिए लिखित कार्य के लिए 50 मार्क्स और प्रोजेक्ट कार्य के लिए दस अंक तय है तथा 40 मार्क्स आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जाएंग। प्रोजेक्ट रेल के तहत अगस्त से नवंबर तक लिए गए संबंधित विषयों के औसत अंकों को आंतरिक मूल्यांकन को आधार माना जाएगा। प्राप्त सभी अंकों को मिलाकर रिजल्ट की घोषणा की जाएगी। पहली राउंड में परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक होगी। वहीं, दूसरी राउंड की परीक्षा दोपहर 12:30 बजे से लेकर 2:30 बजे तक होगा।

सिल्ली में उत्साह, उमंग व उल्लास के साथ तीन दिवसीय गूंज महोत्सव शुरू

गूंज महोत्सव सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और विकास यात्रा की धड़कन : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : उत्साह, उल्लास और उमंग के बीच सिल्ली में तीन दिवसीय गूंज महोत्सव का सोमवार को झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गूंज महोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और विकास यात्रा की धड़कन है। गूंज महोत्सव एक उत्सव ही नहीं, सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। अनेकता व विविधता के बीच एकता की ताकत है। उन्होंने कहा कि इस वृहद और भव्य आयोजन में शिरकत करने की उन्हें खुशी है। हम सभी जानते हैं कि

गूंज महोत्सव के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल, सुदेश महतो व अन्य।

हमारी परंपरा, संस्कृति, रीति-रिवाज विश्व में सबसे खूबसूरत है। हमारी संस्कृति हमें किसी भी आधार पर भेदभाव करना नहीं सिखाती है। उन्होंने इस आयोजन के लिए गूंज परिवार के संरक्षक और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो की तारीफ करते हुए कहा कि झारखंडी संस्कृति, परंपरा और चेतना को सहेजने के साथ सेवा और विकास के सकारात्मक प्रयास बेहद सराहनीय है। राज्यपाल छऊ नृत्य कलाकारों और स्कूली छात्राओं का मनोहर सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन देख कर भाव विभोर हुए। कहा कि गूंज महोत्सव सिर्फ वर्तमन परिदृश्य से परिचय नहीं कराता है, बल्कि अतीत के बारे में बताता है और भविष्य की राह भी दिखाता है।

रांची समेत पूरे राज्य में आज और कल शीतलहर का प्रकोप

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में कड़ाके की ठंड का असर देखा जा रहा है। लगातार गिरते तापमान के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। वहीं, दिन में धूप के कारण लोगों को थोड़ी राहत मिल रही है। लेकिन इस दौरान चल रही ठंडी हवाओं का कहर जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 19 और 20 दिसंबर को राज्य में शीतलहर चलने की संभावना है। ऐसे में पूरे राज्य में ठंड में वृद्धि दर्ज की जायेगी। शीत लहर का असर उत्तर पश्चिमी हवाओं के कारण होगा। हालांकि इस दौरान दिन के समय धूप निकलने की जानकारी दी गयी है। जिससे लोगों को राहत मिलेगी। लेकिन सुबह और शाम के वक्त ठंड का प्रकोप अधिक रहेगा। पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान की बात करें तो सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला 5.4 और कांके का 3.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि चतरा जिला का तापमान 6.6 डिग्री दर्ज किया गया। गढ़वा, पलामू, पश्चिमी सिंहभूम का तापमान 7.5 डिग्री रहा। खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, सिमडेगा का तापमान 8.1 डिग्री तक रहा। देवघर, गोड्डा, हजारीबाग का तापमान 9.6 डिग्री रहा। गिरिडीह, साहेबगंज, पाकुड, रांची. का तापमान 10 डिग्री तक रहा।

लैंड स्कैम से जुड़े दो मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई, विष्णु अग्रवाल की जमानत अर्जी पर बहस पूरी, विष्णु के मामले में कर फिर होगी हेयरिंग

अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई से हाईकोर्ट ने किया इन्कार

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में आर्मी जमीन घोटाला मामले से जुड़े दो अहम लोगों की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। यह दो याचिका कारोबारी अमित अग्रवाल और विष्णु अग्रवाल से जुड़ा हुआ है। अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई। जहां जस्टिस दीपक रोशन ने जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने इस याचिका को अन्य सक्षम बेंच में भेजने का निर्देश दिया। अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर पिछली डेट को सुनवाई करते हुए

अदालत ने ईडी को पूरक शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। अमित अग्रवाल ने अने जमानत के लिए हाईकोर्ट में आने से पहले ईडी की अदालत में याचिका दाखिल की थी। जहां ईडी की स्पेशल कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी। बरियातू स्थित 4.55 एकड़ सेना के कब्जेवाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में ईडी की ओर से चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इस मामले को लेकर ईडी ने ईसीआइआर 1/2023 दर्ज किया है।

विष्णु अग्रवाल की जमानत पर सुनवाई

RANCHI : बरियातू रोड स्थित चेशायर होम रोड स्थित 1 एकड़ की जमीन खरीदने मामले में जेल में बंद न्यूक्लियस मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल की ओर से झारखंड हाई कोर्ट में दायर जमानत अर्जी की सुनवाई हुई। मामले में विष्णु अग्रवाल की ओर से बहस पूरी हो गई, अब बुधवार यानी 20 दिसंबर को ईडी की ओर से बहस होगी। सोमवार को सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एसडी संजय एवं हाई कोर्ट के अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में विष्णु अग्रवाल के खिलाफ अब आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। विष्णु अग्रवाल मामले में निर्दोष है, उन्होंने गलत ढंग से जमीन की खरीदारी नहीं की है। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट में हुई। दरअसल,18 सितंबर को ईडी कोर्ट ने विष्णु अग्रवाल की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद उनकी ओर से हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

इस साल जेल से बाहर नहीं आएंगे रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन

सुप्रीम कोर्ट में बेल पर जनवरी में होगी सुनवाई

RANCHI : लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अब जनवरी महीने में सुनवाई होगी। उनका मामला सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच में सूचीबद्ध था। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 4 सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की है। दरअसल, ईडी रांची में लैंड स्कैम से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है। दोनों ही मामलों में छवि रंजन को अभियुक्त बनाया गया है। फिलहाल जिस केस में उन्होंने जमानत अर्जी दाखिल की है। वह चेशायर होम रोड में फर्जी दस्तावेज के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री का केस है। उनकी एक जमानत याचिका झारखंड हाईकोर्ट में लंबित है।

BRIEF NEWS

कार ने खड़े बोरवेल में मारी टक्कर, दो घायल

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ में सोमवार को एक और हादसा हो गया। एक कार खड़ी बोरवेल गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दिया। इससे पति और पत्नी गंभीर रूप से घायल घायल हो गया। पत्नी को गंभीर हालत में सुंदरगढ़ जिला मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुंदरगढ़ बीजू एक्सप्रेस वे पर षाड़ंगी पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी बोरवेल गाड़ी से जा टकराई। कार का अगला हिस्सा टूट कर चकनाचूर हो गया है।

सुंदरगढ़ के बलांग में दो लोगों की हत्या

SUNDARGARH : जिले के बलांग पुलिस सीमा के अंतर्गत अमरुध गांव से दोहरे हत्याकांड की सूचना मिली है। एक 'नाला' के पास से दो लोगों का शव बरामद किया गया। कथित तौर पर पुरानी दुश्मनी के कारण हत्या की गई है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है।

राउरकेला सांसद ने डीसी से डायरिया नियंत्रण पर की चर्चा

ROURKELA : राउरकेला में डायरिया से मरने वालों की संख्या में बढ़ने से सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओराम ने राउरकेला सरकारी अस्पताल का दौरा किया और डायरिया की स्थिति और रोगी के उपचार के संबंध में सुंदरगढ़ कलेक्टर से चर्चा की। सांसद ने कहा कि लोग स्वयं सतर्कता बरतें। इसके साथ राउरकेला नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को उचित कदम उठाने को कहा है।

समाज सेवी गदाधर सेनापति का निधन

ROURKELA : शहर के सेक्टर-7 निवासी समीर सेनापति के पिता और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता धीरेन सेनापति के बड़े भाई गदाधर सेनापति का 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिवंगत गदाधर सेनापति सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे कटक के धूलेश्वर गांव के मूल निवासी हैं। राउरकेला स्टील प्लांट में काम करने के दिनों से वह सेक्टर 7 में रह रहे थे। उनके निधन की खबर सुनते ही राउरकेला के कई शुभचिंतकों ने उनके आवास पर पहुंच कर उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। बेटा समीर सेनापति, वहु शर्मिष्ठा, देवज्योत, बिसंभर सेनापति, धीरेन सेनापति, बहनोई बिनोदिनी सेनापति, रीना सेनापति, बेटा रंजन सेनापति, अजितव सेनापति, अंशुमान सेनापति, पारिवारिक मित्र श्री आलोक बस्तिया प्रकाश प्रधान, सुधीर रथ, टूलू प्रधान समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंतिम संस्कार वेदव्यास घाट पर किया गया।

सुरक्षा बलों को उड़ाने की साजिश नाकाम, सोनुवा से तीन IED बरामद

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के दौरान सोनुवा थाना क्षेत्र के कुदाबुरु गांव के आस-पास जंगल पहाड़ी क्षेत्र से 5 केजी का दो और 4 केजी का एक आईईडी बरामद किया है। बरामद आईईडी को बीडीडीएस टीम की मदद से उसी स्थान पर विस्फोट कर नष्ट कर दिया गया।

इसकी पुष्टि करते हुए एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में गैर कानूनी गतिविधि के लिए घूम रहे है।

बरामद आईईडी। ● फोटोन न्यूज

सूचना के आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, 203 बटालियन, 205 बटालियन, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ 60 बटालियन, 197 बटालियन, 157 बटालियन, 174 बटालियन, 193 बटालियन, 07 बटालियन, 26 बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान चलाई जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 10 अक्टूबर से गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम कुईडा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेडा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह एवं टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगडा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान प्रारंभ किया गया है। 18 दिसंबर को सोनुवा थानान्तर्गत ग्राम कूदाबुरु के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है।

इस दौरान आस-पास जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये 5 किलो का दो आईईडी एवं 4 किलो का एक आईईडी बम बरामद कर लिया गया। वहीं सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से आईईडी को नष्ट कर दिया गया।

मारवाड़ी महिला समिति ने 32 लोगों का मोतियाबिंद का कराया ऑपरेशन

PHOTON NEWS CHAIBASA : मारवाड़ी महिला समिति की ओर से स्थानीय संजीव नेत्रालय में निशुल्क मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 40 लोगों की आंखों की जांच कराई गई। 17 दिसंबर को 32 लोगों का सफलतापूर्वक मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया गया। साथ में सभी को दवाइयां आदि मुफ्त दी गई। प्रतिवर्ष मारवाड़ी महिला समिति के द्वारा निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर समय-समय पर लगाया जाता है जिसे जरूरतमंद इस शिविर से लाभ उठा सके।

18 दिसंबर को भी तीन मरीजों का निशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाया गया। इस प्रकार इस कैंप के माध्यम से 35 लोगों का ऑपरेशन करवाया गया। जिसमें से कोई भी मरीज आयुष्मान भारत का नहीं था कैंप के द्वारा ही करवाया गया।

इस शिविर में अध्यक्ष कविता शर्मा सचिव सोनी, ममता सिंघानिया, ममता खिरवाल, हेमलता, किरण, चंचल, कांता, शकुंतला, संतोष, मंजू टीबड़ेवाल आदि उपस्थित थीं ।

शहर में धड़ल्ले से चल रहा अवैध लॉटरी का कारोबार, एक गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड में लॉटरी प्रतिबंधित है। लॉटरी खेलने और खेलाने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का प्रवधान किया गया है।

हालांकि, यह कागजों तक ही सीमित रहा। कभी कभार छापेमारी की भी जाती है। दो-चार लोगों को गिरफ्तार कर अभियान की खानापूर्ति कर ली जाती है। नतीजतन शहर से लेकर गांव तक में अवैध लॉटरी का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। सोमवार को सदर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में कोर्ट रोड, पुराना रुद्ध परिसर, बस स्टैंड, जेएमपी चौक, बिरसा चौक, एसपीजी मिशन, शहीद चौक, बड़ी बाजार पानी टंकी के पास थाना पुलिस

छापेमारी करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

पदाधिकारी एवं दफ्ळ टीम के साथ अवैध लॉटरी बेचने वालों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। बस स्टैंड के पास से एक लॉटरी बिक्रेता को पकड़ कर थाना लाया गया है। उसके विरूद्ध कांड दर्ज किया जा रहा है। कोर्ट रोड में औचक रूप से संदिग्ध व्यक्तियो का तलाशी भी लिया गया। चेकिंग के दौरान कोर्ट रोड के किनारे बिना हेंडिल लॉक के एवं गाड़ी में चाभी लगा दो मोटरसाइकिल को भी जप्त कर सुरक्षार्थ थाना लाया गया है। बता दें कि अवैध लॉटरी कारोबारी के खिलाफ समुचित कार्रवाई हो इसे लेकर पुलिस पूरी तरह से मंद है।

शहर में डायरिया से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई नौ, श्रम मंत्री ने मरीजों का लिया हालचाल

PHOTON NEWS ROURKELA : डायरिया से एक और व्यक्ति की मौत हो गयी। किसानटोला के विजय किसान की मौत हो गयी ।उनका निधन वेदव्यास स्थित जयप्रकाश अस्पताल में हुआ। अब मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है। एक और महिला की मौत हो गई मृतक सेक्टर 21, नयाबजर की सरोजिनी खंडायत (49) थीं। कल रात उनकी हालत बिगड़ गई और उन्हें इस्पात जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कल सरोजिनी की मौत के बाद मरने वालों की संख्या 8 तक पहुंच गई थी।

रविवार दोपहर तक राउरकेला में डायरिया से मरने वालों की संख्या 7 तक पहुंच गयी थी। कल दो और संक्रमित लोगों की मौत हो गई। मृतकों में राउरकेला प्लांटसाइट इलाके के

मरीजों का हालचाल लेते मंत्री। ● फोटोन न्यूज

मोहम्मद असलम और राउरकेला गांधी रोड के अतुल किसान (70) थे। इससे पहले राउरकेला रेलवे स्टेशन के पास नीलाचल होटल के मालिक प्रणब किशोर स्वाई (52) की मौत हाईटेक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में हुई । पिछले शुक्रवार और शनिवार को दो दिनों में 2 वृद्धा और एक महिला समेत कुल 4 लोगों की जान चली गई थी, वे राउरकेला पानपोसा के ग्लासन सामंथा (38), उदित नगर के नैन्सी दुबे (75), पानपोसा तारकेरा के फुलतोली गौड़ (23) और उदितनगर ओरमा पाड़ा के अहल्या नायक (70) हैं। भुवनेश्वर से आने के बाद से ही श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक प्रतिदिन आरजीएच पोहुंच कर आक्रांत मरीजों की सुध ले रहे है। और सभी हालत पर नजर रखे हुए हैं।

मंत्री शारदा प्रसाद नायक ने मंगलवार राउरकेला सरकारी अस्पताल में इलाजरत सभी बीमार (डायरिया) मरीजों से मुलाकात कर डॉक्टरों से स्थिति की समीक्षा एवं चर्चा किए। स्वास्थ्य विभाग स्थिति को जल्द से जल्द नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास और सहयोग कर रहा है।

जूनियर छात्राओं ने सुंदर गीत व नृत्य प्रस्तुत कर अपने सीनियर्स को दी विदाई

PHOTON NEWS CHAIBASA : महिला कॉलेज के बीएड बहुउद्देशीय कक्ष में सोमवार को बीएड की जुनियर छात्राओं द्वारा सीनियर छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की शुरूआत कॉलेज की प्राचार्या एवं सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं द्वारा दीप जलाकर किया गया। जूनियर छात्राओं ने अपने सीनियर्स को फूल देकर तथा स्वागत गीत गाकर समारोह कक्ष तक ले गई।

इस अवसर पर जूनियर छात्राओं ने सुंदर गीत तथा नृत्य प्रस्तुत कर अपने सीनियर्स को विदाई दी तथा बी.एड. प्रशिक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दशार्या तो वहीं सीनियर छात्राओं ने भी अपने दो साल के प्रशिक्षण के दौरान अनुभव को अपने जूनियर से शेयर किया। उपस्थित कॉलेज की प्राचार्य डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने सभी छात्राओं को शुभकामनाएँ दी तथा भविष्य में अच्छी शिक्षिका बनकर नाम का कमाने का आग्रह किया ।बी एड के विभागाध्यक्ष मोबारक करीम हाशमी ने सभी छात्राओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के लिए बधाई दी तथा भविष्य में एक अच्छी शिक्षिका बनकर समाज में शिक्षा फैलाने के लिए शुभकामनाएँ दी। बीएड के सभी शिक्षक-शिक्षिका डॉ० ओनिमा मानकी, डॉ० पुष्पा कुमारी, डॉ० राजीव लोचन नामता,डॉ०अर्पित सुमन टोप्पो,प्रो० बबीता कुमारी, प्रो० शीला समद, प्रो० सुजाता किस्पोट्टा,प्रो० सितेंद्र रंजन सिंह, प्रो० धनंजय कुमार ने सभी छात्राओं को आशीर्वाद दिया तथा सुखद भविष्य की कामना की।

आस्था ने वितरित किया सर्दी के कपड़े व कंबल

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था आस्था ने सोमवार को कंदरकेला पंचायत में कंबल के साथ एकत्रित शीतकालीन कपड़े वितरित किए। कंदरकेला ग्राम प्रधान दुर्गा माधव पति और झिरीपानी के सरपंच अजीत तिर्की की देखरेख में स्थानीय जरूरतमंद लोगों को एक एकत्रित किया गया।

कैंप में छोटे छोटे बच्चों से लेकर वृद्ध व्यक्तियों तक कम्बल, सर्दी के कपड़े एवं कपड़े वितरण किया गया। गौरतलब है कि क्योंकि वहां के कुछ

निवासियों की जीवनशैली बहुत निम्न है। वितरण कार्यक्रम के दौरान झिरीपानी के सरपंच अजीत तिर्की ने सभी को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया, वहीं सभी बच्चों को कंबल, कपड़े और बिस्किट भी दिये गये।

संस्थान की ओर से एसोसिएशन संपादक ज्योत्सना नंद और गांव के सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र कुमार पति ने सबसे पहले कार्यक्रम के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, जबकि सामान्य संपादक अलोका जेना ने दूसरी बार ऐसी सेवा देने के लिए आस्था को धन्यवाद दिया।

चैंबर के काव्य कलश में मचा धमाल, कवियों ने सामाजिक सरोकारों को किया रेखांकित

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आम बगान स्थित भांज भवन में एक भव्य काव्य कलश (कवि सम्मेलन) का आयोजन हुआ। इसमे देश के वरिष्ठ, मशहूर व विख्यात कवियों का आगमन हुआ।

यहां आने वाले कवियों में मुख्य रूप से पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त सुरेंद्र शर्मा, अरुण जेमिनी, डॉ विष्णु सक्सेना, शंभू शिखर, मनजीत सिंह, श्वेता सिंह और डॉ. सुरेश अवस्थी का नाम शामिल है । हास्यव्यंग के कवि मनजीत सिंह पति पत्नी और वो के रिश्ते पर काव्य पाठ किया।

इस कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि सुंदरगढ़ सांसद जुएल ओराम एवं सम्मानित अतिथि सीआईएसएफ के चीफ कमांडेंट

कवि सम्मेलन में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

अशोक जलवानिया और चैंबर अध्यक्ष सुनील कयाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि जुएल ओराम ने सबसे पहले उपस्थित सभी कवियों को संबोधित करते हुए धन्यवाद व आभार जताया एवं उनके काव्यों को याद करते हुए अनुभव बताए।

अशोक जलवानियां ने कवियों की तरह एक प्रकार से काव्य पाठ ही पढ़ डाला। चैंबर अध्यक्ष सुनील कयाल ने सभी कवियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग की सराहना करते हुए उपस्थित चैंबर के पूर्व अध्यक्ष शुभ पटनायक के द्वारा सबसे वरिष्ठ कवि पद्म पुरुस्कार प्राप्त सुरेन्द्र शर्मा जी को पुष्प गुच्छ दिलाकर कवि सम्मेलन की शुरूआत कराई।

युवाओं के लिए म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट कॉन्टेस्ट 13 और 14 जनवरी को, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

प्रतियोगिता में पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसांवा के छात्र-छात्राएं ले सकेंगे भाग

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान क्षेत्र में प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा युवाओं को प्रोत्साहित करने की भावना से जॉयन्ट्स ग्रूप ऑफ चाईबासा द्वारा कक्षा 5वीं से कक्षा 12वीं तक के छात्र/छात्राओं के लिए म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को स्थानीय कैफेटेरिया में कार्यक्रम संयोजक दीपक शर्मा एवं जॉयन्ट्स चाईबासा के पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम का पोस्टर/बैनर का विमोचन करते हुए शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए दीपक शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में केवल पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसांवा जिले के

पोस्टर-बैनर का विमोचन करते कार्यक्रम के संयोजक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

छात्र/छात्राएँ भाग ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी जॉयन्ट्स ग्रुप ऑफ चाईबासा की सोशल मीडिया साईट से ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं तथा कार्यक्रम संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 500 रुपये निर्धारित की गई है। यह प्रतियोगिता दो वर्गों सुर और ताल वाद्ययंत्रों के लिए है। सुर वर्ग में बांसुरी, गिटार, सेक्सोफोन, वायलिन, पियानो, हारमोनियम एवं बैंजो वाद्ययंत्र शामिल है वहीं ताल वर्ग में तबला, ढोलक, ड्रम, काँगो एवं मांदर वाद्य यंत्र के प्रतिभागी भाग ले सकेगें। प्रत्येक वर्ग हेतु प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः 10 हजार, 7 हजार एवं 5 हजार की राशि विजेताओं को प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाएगी।

आगामी 13 से 14 जनवरी 2024 तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का ऑडिशन 13 जनवरी को खिरवाल धर्मशाला चाईबासा में तथा फाईनल 14 जनवरी को पिल्लई टॉउन हॉल में होगा। चाईबासा से बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के निःशुल्क भोजन एवं रहने की व्यवस्था संस्था द्वारा की गई है। जिसका इच्छुक प्रतिभागी लाभ ले सकते हैं । इस कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकार मशहुर सैक्सोफोन प्लेयर लिपिका सांमता भी अपनी प्रस्तुति देंगी।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित एसआर रूंगटा ए-डिवीजन क्रिकेट लीग

लारसन क्लब को पराजित कर एमसीसी ने लगाई जीत की हैट्रिक

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा ए-डिवीजन लीग के अंतर्गत सोमवार को खेले गए मैच में एमसीसी चाईबासा ने लारसन क्लब चाईबासा को एक नजदीकी मुकाबले में तीन विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। एम सी सी चाईबासा की ये लगातार तीसरी जीत है। इस जीत के साथ ही एम सी सी चाईबासा के कुल 12 अंक हो गए हैं और अंक तालिका में ये दूसरे स्थान पर पहूँच गई है जबकि 16 अंक के साथ यंग झारखण्ड की टीम अब भी पहले स्थान पर बनी हुई है।

एमसीसी चाईबासा की टीम। ● फोटोन न्यूज

स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लारसन क्लब की टीम 34.3 ओवर में 148 रन बनाकर आल आउट हो गई। हलाँकि लारसन क्लब की शुरूआत काफी खराब रही जब उसके छः विकेट 67 रन के स्कोर पर गिर गए थे। परंतु बाद में जन्मजय सिंह यादव के 55 रनों की बेहतरीन पारी की बदौलत टीम का स्कोर सम्मानजनक स्थिति में पहुँचा। अन्य बल्लेबाजों में देवांश शुक्ला ने 18 रन, आनंद श्रीवास्तव ने 14 रन तथा हिमांशु पांडेय ने 13 रन बनाए। एम सी सी चाईबासा की ओर से रोहित कुमार ने 18 रन देकर दो विकेट, आदित्य पुष्कर ने 41 रन देकर दो विकेट तथा विशाल सिंह ने 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए। तन्मय तंतुबाई, कुमार करण तथा अजीत कुमार सिंह को एक-एक सफलता हाथ लगी।

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को एम सी सी के बल्लेबाजों ने कप्तान अनुराग संजय पुर्ति की शानदार अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत 24 ओवर में प्राप्त कर लिया। अनुराग संजय ने पाँच चौकों एवं दो छक्कों की सहायता से 50 रन बनाए। शिवम कुमार ने 25 रन, हिमांशु ने 20 तथा जय प्रकाश राजपूत ने 18 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लारसन क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए शिवम यादव ने 45 रन देकर चार विकेट तथा विकास तिवारी ने 63 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

बंडामुंडा में दो दिवसीय सारण्य कप फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

नितेश ब्रदर ने पेनाल्टी शूट आउट में 3-2 से सौरंश एंड सौरांश को हराकर खिताब पर किया कब्जा

PHOTON NEWS ROURKELA : बंडामुंडा के ओसियन क्लब सेक्टर्स-बी की ओर से आयोजित दो दिवसीय आठवां सारण्य कप फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को बंडामुंडा के आरपीएफ मैदान में खेला गया। इस मैच में मुख्य अतिथि के रुप में श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक उपस्थित थे। अथिति के रूप में समाजसेवी दिलेश्वर पाल, फिटनेस ट्रेनर डी. अप्पा राव, डी.अवीक कुमार, मनोज भगत, चंदन तोरई, पिंकू जयसवाल, जी बाघ उपस्थित हुए।

इसका फाइनल मैच सौरंश एंड सौरांश और नितेश ब्रदर मनोहरपुर के बीच खेला गया। मैच में नितेश ब्रदर ने पेनाल्टी शूट आउट में 3-2 से सौरंश एंड सौरांश को हराकर खिताब पर

मंत्री से ट्राफी लेते हुए नितेश ब्रदर की टीम व अन्य। ● फोटोन न्यूज

अपना जीत दर्ज किया। मैच का संचालन रोशन खान, रीना तिर्की, रबी दास,सोनू जामूदा ने किया। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीम ने भाग लिया। विजेता को 20 हजार रुपये और उप विजेता टीम को 15 हजार का पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसके अलावा मैन ऑफ द मैच , सेमीफाइनल और फाइनल, प्लेयर ३ ऑफ टूर्नामेंट और बेस्ट गोल कीपर का आर्कषण पुरस्कार दिया गया। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में ओसियन क्लब के जॉन भेंगरा, संतोष राव, मंजीत प्रसाद, मनोज पात्रों, राहुल कुमार, आयुष बाणड़ा, गोपी मुखी, सुनील खंडायत, दिलीप डेमता, राउत होनागा,दुर्गा हांसदा, विक्की समेत अन्य लोग शामिल थे।

PU रेगुलर कोर्स के सैकड़ों छात्र होंगे परीक्षा से वंचित

बमबाजी और फायरिंग के चलते रोज आना संभव नहीं

पटना:शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के.के पाठक के आदेश का असर अब यूनिवर्सिटी में भी दिखने लगा है। रेगुलर कोर्स में जिन छात्रों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम है, वो इस बार परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों में इस बात को लेकर नाराजगी भी है। वाणिज्य कॉलेज में रेगुलर कोर्स के दर्जनों छात्र-छात्राएं हैं, जिनका अटेंडेंट्स 75 प्रतिशत से कम है। अभी तक एडमिट कार्ड नहीं आया है। जबकि मंगलवार से ही रेगुलर कोर्स में बीए, बीएससी, बीकॉम की परीक्षा शुरू होने वाली है। ढव के लगभग कॉलेजों में यही स्थिति है। सैकड़ों छात्र इस बार परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। पटना यूनिवर्सिटी के छात्र रवीश कुमार ने कहा कि 75 प्रतिशत उपस्थिति संभव नहीं है। पढ़ने के लिए हमलोग दूर दराज से आते हैं, लेकिन यहां तो पढ़ाई होती नहीं है। चेहरा पहचानकर एडमिट

कार्ड दिया जा रहा है। सिर्फ ज्यादती हो रही है और यहां कुछ नहीं हो रहा है। व्यवस्था बिल्कुल सही नहीं है। वाणिज्य कॉलेज की छात्रा खुशी कुमारी ने बताया कि बहुत सारे ऐसे बच्चे हैं जो सिर्फ कॉलेज ही नहीं बाहर काम भी करते हैं।

कई ऐसे हैं, जिनकी उपस्थिति 75 प्रतिशत है। फिर भी एडमिट कार्ड नहीं आया है। कई ऐसे सेंटअप हैं, जिनमें 35 प्रतिशत उपस्थिति में भी एडमिट कार्ड आ गया है। छात्र दिवेश दीनू ने बताया कि 75 प्रतिशत उपस्थिति का हम समर्थन कर रहे हैं, लेकिन वाणिज्य कॉलेज के प्रिंसिपल मनमानी कर रहे हैं। मेडिकल दिखाने के बाद भी कुछ कुछ छात्रों को परेशान किया जा रहा है।

उनके खिलाफ हम वाणिज्य कॉलेज के गेट पर प्रदर्शन करेंगे। गलत का ना समर्थन करते हैं और ना गलत होने देंगे। छात्र जेडीयू के विश्विद्यालय अध्यक्ष हिमांशू पटेल ने बताया कि पटना यूनिवर्सिटी में खासकर वाणिज्य महाविद्यालय में 75 प्रतिशत उपस्थिति संभव नहीं है। यहां आए दिन लड़ाई झगड़े होते रहते हैं। प्रशासन पूरी तरह से कार्रवाई नहीं करती है। एक पक्षीय कार्रवाई होती है। ऐसे में कभी भी पढ़ाई का माहौल नहीं बनेगा। आए दिन यहां बमबाजी होती है। गोली चल जाती है। इससे बच्चे डरते हैं और क्लास नहीं आते हैं। यहां इस माहौल में कभी भी 75 प्रतिशत उपस्थिति पॉसिबल नहीं है।

पानी बहाने के विवाद में फायरिंग

पटना:राजधानी पटना से सटे फतुहा थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह गली में पानी बहाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान फायरिंग हुई। इस झगड़े में एक तरफ के तीन लोग घायल हुए। पूरा मामला फतुहा थाना क्षेत्र के कोल्हर गांव का है। घायल की देवरानी ममता देवी ने बताया कि में सुबह करीब 10 बजे विवाद हुआ। इसमें हमारे ही गली में वे लोग पानी गिराया करते हैं, जबकि उसका पानी का निकास दूसरे ओर है। इसको लेकर जब हम लोग विरोध किए तो हम लोगों के घर पर आकर हमारी ननद को बाल खींचकर अपने घर की ओर ले जाया गया। वहां ले जाकर मारने पीटने लगा। इसके बाद जब हमारी चचेरी जेठानी वहां पहुंची और इसका विरोध किया तब उसे भी मारने लगा और उसके बांह में गोली मार दी। घायलों में कोल्हर निवासी पप्पू यादव की पत्नी मुन्नी देवी (40) को गोली लगी है। आमोद प्रसाद की पत्नी रंजू देवी का पैर फ्रैक्चर हो गया। गोरख सिंह के बेटे दिलीप सिंह (40) के सिर में गंभीर चोट आई है। सभी घायल एक ही परिवार के हैं। आनन-फानन में घायलों को फतुहा सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर प्रिया द्वारा सभी का प्राथमिक उपचार किया गया। बेहतर इलाज के लिए तीनों घायल को पटना रेफर कर दिया गया।

बीच सड़क पर मिला नवजात का शव

भागलपुर:भागलपुर में नवजात का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है। शव घंटों सड़क पर पड़ा रहा, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। जिस जगह पर नवजात का शव पड़ा हुआ था, वहां से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं, लेकिन सभी सिर्फ तमाशा देखते रहे। आवारा कुत्ते शव को नोंचते रहे। स्थानीय दुकानदारों ने मामले की जानकारी जोगसर पुलिस की दी। जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची। छानबीन की जा रही है। दुकानदार धीरज का कहना है कि शव को आवारा कुत्ता अपने जबड़े में दबाकर यहां लाया था। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि आसपास कोई अस्पताल भी नहीं है। इस इलाके में ज्यादातर छात्र रहते हैं। ऐसे में पुलिस के सामने ये चुनौती है कि शव यहां कैसे आया है, किसने लाया। या किसी ने इसकी हत्या कर दी है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर छानबीन कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है।

स्मार्ट मीटर को रिचार्ज नहीं कर सके लोग

भागलपुर:स्मार्ट मीटर को रिचार्ज करने को लेकर रविवार को उपभोकता परेशान रहे। काफी प्रयास के बाद भी उपभोक्ता दिनभर स्मार्ट मीटर को रिचार्ज नहीं कर सके। दरअसल, बिहार ऊर्जा स्मार्ट मीटर एप पर रिचार्ज ऑप्शन में जाने के बाद कंज्यूमर अमाउंट भर तो पा रहे थे लेकिन, पेमेंट करने के लिए पे-ऑप्शन हाइलाइट नहीं हो रहा था। इस वजह पेमेंट नहीं हो सका। पेमेंट नहीं होने की वजह से कंज्यूमरों में इस बात की संशय था कि बैलेंस माइनस में रहने से कहीं बिजली न कट जाये। जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर विकास कुमार सिंह ने बताया कि एप्लिकेशन का मेंटेनेंस को लेकर सर्वर डाउन है। सोमवार सुबह तक सर्वर चालू हो जायेगा। इसके बाद कंज्यूमर स्मार्ट मीटर का रिचार्ज कर सकेंगे। इस दौरान जिस किसी कंज्यूमर के स्मार्ट मीटर का बैलेंस माइनस में है, तो भी बिजली नहीं कटेगी। सर्वर जब चालू हो जायेगा, तो वह रिचार्ज कर सकते हैं।

हथियार के साथ 3 अपराधी गिरफ्तार

बेगूसराय :बेगूसराय के बछवाड़ा थाना क्षेत्र में महिला को गोली मारने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। 3 अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। अपराधियों की पहचान जयराम महतो, अमरेश कुमार और पवन महतो के तौर पर हुई है। 17 दिसंबर को बछवाड़ा के कुर्मा बांध के पास अपराधियों ने एक महिला को गोली मार दी थी। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को

अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता की पहचान चमथा रजौली वार्ड नंबर-12 के निवासी शंकर महतो की पत्नी अनीता देवी उर्फ गेनी(60) के तौर पर हुई है। एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि इस घटना को हमने ने गंभीरता से लिया। मामले की जांच के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तेघड़ा रविन्द्र मोहन प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। स्थानीय लोगों और परिजनों से पूछताछ के बाद 3 लोगों की पहचान की गई। जिसके बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

गश्ती के दौरान कर्मचारियों को मिला था शव

किशनगंज :किशनगंज शहर के रूईधासा मैदान के निकट ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी। वहीं जमा हुई भीड़ ने युवक के आत्महत्या करने की आशंका जताई। जीआरपी व आरपीएफ युवक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है। ट्रेन की चपेट में से युवक की गर्दन, शरीर से अलग हो गई। रेलवे ट्रैक पर पेट्रोलिंग कर रहे कर्मचारियों को रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर

एक युवक का कटा हुआ शव पड़ा मिला। तो इसकी सूचना पर आरपीएफ व जीआरपी टीम भी मौके पर पहुंच गई। वहीं मौके पर आस-पास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद कोई भी व्यक्ति मृतक की पहचान नहीं कर सका। मृतक के पास से भी उसकी पहचान से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिल सका। जीआरपी पुलिस रामेश्वर राय के मुताबिक शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

शराब के साथ शिक्षक का वीडियो आया सामने

जमुई :जमुई में एक युवती के साथ शराब पीने का तीन व्यक्ति का वीडियो सामने आया है। बताया जाता है कि वीडियो में जिले के अलीगंज प्रखंड अंतर्गत मिजार्गंज विद्यालय के एक शिक्षक भी शामिल हैं। वीडियो को लेकर शिक्षा पदाधिकारी कपिल देव तिवारी ने शिक्षक को पहचानने से इनकार कर दिया, और कहा कि उन्हें नहीं मालूम वीडियो में शिक्षक है। बाद में जब मामला बढ़ा तो शिक्षा पदाधिकारी ने पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कही। बताया जाता है कि वायरल हो रहे वीडियो में अलीगंज प्रखंड के मिजार्गंज विद्यालय के शिक्षक वीरेंद्र कुमार दिख रहे हैं। मोबाइल पर वीरेंद्र कुमार ने बताया कि यह वीडियो उसी का है। लेकिन काफी पुराना है जिस वक्त उनकी नौकरी

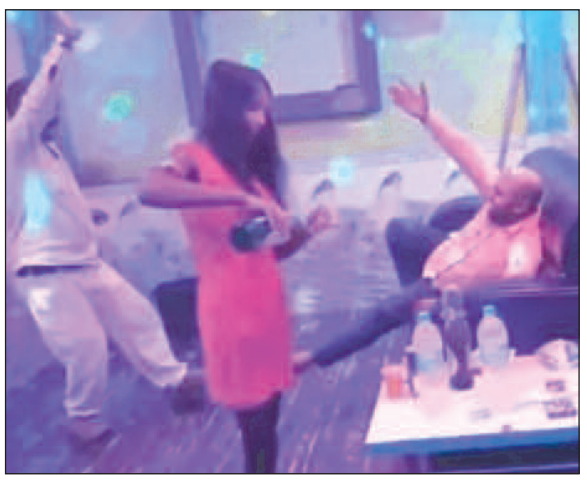

भी नहीं हुई थी। कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो की जांच की जा रही है। वीडियो वायरल होने के बाद अलीगंज प्रखंड के इस्लामनगर के गांव के रहने वाले युवक ने शिक्षा विभाग के अपर सचिव के के पाठक और जिला शिक्षा पदाधिकारी कपिल देव तिवारी के ईमेल आईडी पर शिक्षक का वायरल वीडियो भेज कर कार्रवाई करने की मांग की है। युवक ने के के पाठक को शिक्षा पदाधिकारी के ईमेल आईडी पर लिखा है, कि इस शिक्षक का नाम वीरेंद्र कुमार पिता कपिल देव यादव है। जो एक पैर से विकलांग भी है। यह अलीगंज प्रखंड के मिजार्गंज स्कूल में पदस्थापित है। जो खुद शराबबंदी मुक्त बिहार की किस तरह से धज्जियां उड़ा रहा है। शराब और शबाब में कितनी मसगूल हैं उनके इस रवैया से समाज या छोटे-छोटे बच्चों पर क्या असर होगा इस वीडियो में देखते हुए इन पर उचित कार्रवाई की जाए। जिससे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों एवं समाज में एक सख्त संदेश जाए। वहीं मामले कि जानकारी के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी कपिल देव तिवारी ने पूरे मामले के जांच के लिए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को भेजा है। जिनके द्वारा पूरे मामले कि जांच कर रिपोर्ट शिक्षा पदाधिकारी को दी गई है।

राम-सीता विवाह का आयोजन, जुटी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़

ढ़ोल-बाजे के साथ निकली बारात

बक्सर:बक्सर के राम जानकी मंदिर में 54वां सीताराम विवाह महोत्सव रविवार की रात बड़े ही धूम-धाम सम्पन्न हुआ। हर साल होने वाले इस ऐतिहासिक विवाह को देखने के लिए इस कड़कड़ाती ठंड में भी देश के कोने कोने से पहुंचे साधु संत और श्रद्धालु की लाखों की भिड़ भीड़ जुटी रही। इस दौरान महोत्सव में भक्ति रस की सरिता खूब बही। विवाह की पारंपरिक मंगला गीत पर श्रद्धालु रात भर झूमते रहे। सीताराम विवाह महोत्सव के दौरान अयोध्या से जनकपुर मिथिला के लिए भगवान श्री राम की बारात धूमधाम से निकली। हाथी घोड़े और बैंड बाजे के साथ प्रभु श्रीराम के साथ उनके सभी भाई भी उनके साथ थे। प्रभु की बारात का दृश्य देख भक्तों ने अपने आप को धन्य किया तो वही पुरे रात भगवान के

विवाह तक भक्तिरस की सरिता में श्रद्धालु गोते लगाते रहे। 16 दिसंबर को धूमधाम से निकली बराता कई जगह ठहरने के बाद 17दिसंबर की रात नौ बजे राजा जनक के दरवाजे पर बाजे गाजे के साथ पहुंची। जहां पहले द्वारपूजा के साथ सीता राम के साथ चारो भाईयो का विवाह प्रारंभ किया गया। दर्जनों महिलाएं सजधज कर द्वारपूजन के लिए तैयार रही। इस दौरान उन्होंने पुष्प वर्षा किया गया। नए नए पारंपरिक परिधानों में मौजूद महिलाएं नाचते-गाते हुए नजर आयी।वह सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी।इसके बाद दूल्हा परीक्षण के साथ ही कन्या दान और सिंदूर दान की रस्म वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ निभाई गई। बता दे बक्सर में सिय -पिय मिलन महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओ की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा का प्रसाशन ने पुख्ता इंतजाम किये थे। राम जानकी आश्रम के महंथ और कार्यक्रम के आयोजक श्री राजाराम ने बताया की 54 वर्षो से चली आ रही इस परम्परा के लिए आस्था का केंद्र बने बक्सर का काफी धार्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व है। नौ दिन का कार्यक्रम प्रभु की कृपा से संपन्न होता है। दूर दराज से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए नौ दिन तक 24 घंटे भव्य भंडारा जारी रहता है।

संक्षिप्त डायरी

शराब लेकर लौट रहा तस्कर गिरफ्तार

गया :गया के इमामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत इमामगंज चौकी के पास उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। वाहन जांच के दौरान मारुति स्विफ्ट डिजायर से 15 कार्टून झारखंड निर्मित विदेशी शराब की बड़ी खेप को बरामद किया गया है। इस दौरान मौके से चालक सीट पर बैठा एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में सहायक उत्पाद आयुक्त प्रेम प्रकाश ने जानकारी दी है। उत्पाद टीम द्वारा इमामगंज चौकी के पास शराब बरामदगी को लेकर विशेष रूप से वाहन जांच किया जा रहा था। इस दौरान एक उजले रंग के मारुति स्विफ्ट डिजायर कार को झारखंड की ओर से आते देखा गया। रुकने का इशारा किया गया, तो उत्पाद पुलिस टीम को देखते ही कार चालक गाड़ी को तेज रफ्तार में भगाने लगा। वहीं मौके पर रहे उत्पाद विभाग के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को खदेड़ कर पकड़ लिया। इस दौरान चालक भी पकड़ा गया। जब वाहन की तलाशी ली गई तो कार की डिक्की के अंदर छिपाकर रखे हुए 15 कार्टून में अलग-अलग ब्रांड के झारखंड निर्मित विदेशी शराब के 408 बोतल को बरामद किया गए। सहायक उत्पाद आयुक्त ने बताया कि इस दौरान चालक सीट पर बैठा जिले के कोंच थाना क्षेत्र अंतर्गत कोंच बाजार का रहने वाला सुदर्शन कुमार नामक शराब तस्कर की गिरफ्तारी की गई है। जब्त कार के रजिस्ट्रेशन के आधार पर यह भी पता लगाया जाएगा यह कार चोरी की है या पकड़े गए तस्कर की। छापेमारी टीम का नेतृत्व उत्पाद विभाग के एएसआई नीरज कुमार कर रहे थे। इसमें उत्पाद सिपाही और जवान शामिल थे। आरोपी से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाएगा।

21 दिसंबर से जदयू कार्यकर्ता शुरू करेंगे पद यात्रा

समस्तीपुर: बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर युवा जदयू के कार्यकर्ता 21 दिसंबर से शुरू करेंगे पदयात्रा। पदयात्रा की तैयारी को लेकर सोमवार को समस्तीपुर के लोहिया आश्रम स्थित कार्यालय में जदयू कार्यकताओं की एक बैठक हुई। इस बैठक में पदयात्रा को लेकर रणनीति तैयार की गई। इस मौके पर जदयू के जिला अध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि पदयात्रा का उद्देश्य जन जन तक यह बताना कि जदयू बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाना चाहती है, लेकिन केंद्र में बैठी सरकार इसे करना नहीं चाहती। यहां तक की राज्य को मिलने वाले उनके हिस्से की अनुदान राशि को बंद भी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना से यह बात उभर कर आई कि बिहार में जातियों की क्या स्थिति है, अगर केंद्र सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देती है तो गरीब तबके के लोगों का समुचित विकास हो सकेगा। मिलने वाली राशि से राज्य में कल कारखानो की स्थापना की जाएगी। इस मौके पर युवा जदयू के जिला अध्यक्ष विशाल कुमार ने कहा कि जदयू कार्यकर्ता बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिला कर रहेंगे। जब तक केंद्र विशेष राज्य घोषित नहीं करती तब तक 21 दिसंबर से शुरू होने वाला यह पद यात्रा लगातार जारी रहेगा। इस पदयात्रा के दौरान हम आम लोगों को यह बताएंगे कि किस तरह से नीतीश कुमार बिहार को विकसित करना चाहते हैं लेकिन केंद्र में बैठी सरकार इसे करना नहीं चाहती। बिहार के लोगों की हकमारी हो रही है।

देवराहा बाबा आश्रम से निकली बारात, लगे जय श्रीराम के नारे

मोतिहारी : सीताराम विवाह उत्सव के दूसरे दिन देवराहा बाबा आश्रम में बारात निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्ग से होकर गुजरा। बारात में चारों दूल्हा सरकार की झांकी भी थी। चारो दूल्हा रथ पर बैठकर देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम परिसर से नगर भ्रमण के लिए बैंड-बाजा के साथ निकले। बारात में शामिल महिला और पुरुष हाथों में ध्वज लेकर जय श्री राम के जय घोष लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बारात कुंवारी देवी चौक, अवधेश चौक, एनएच 28 होते हुए वापस गुरुकुल आश्रम में पहुंची। राजा दशरथ के रूप में आश्रम सचिव डॉक्टर जय गोविंद प्रसाद और राजा जनक के रूप में दिलीप केसरी ने समधी मिलन की विधि किया। बारात का जगह-जगह फूलों की वर्षा आरती और पूजन के साथ स्वागत नगर वासियों ने किया। आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा ने बताया कि प्रकृति व पुरुष का मिलन के रूप में भगवान श्रीराम व जनक नंदिनी सीता के साथ दांपत्य सूत्र में बंधे थे। वहीं राकेश कुमार और उनकी मंडली ने अष्टयाम की पूणार्हुति के बाद देर रात तक विवाह कीर्तन करते रहे।

हृदय की चिंता के दिन

सर्दियों के आते ही हृदय रोग की प्रबलता बढ़ जाती है और दिल के दौरे सुर्खियां बटोरने लगते हैं। युवाओं में भी हृदय रोग की शिकायत जिस तरह से बढ़ रही है, वह विशेष रूप से चिंता की वजह बन गई है। महज 47 वर्षीय अभिनेता श्रेयस तलपड़े को भी दिल का दौरा पड़ा और उन्हें एंजियोप्लास्टी करानी पड़ी। तलपड़े हंसमुख प्रवृत्ति और हल्के बदन के अभिनेता हैं, इसके बावजूद उनको पड़ा दिल का दौरा न केवल चिंताजनक, बल्कि दुखद भी है। यह अच्छी बात है कि उन्हें समय पर अस्पताल ले जाया गया और उनका उपचार आसानी से हो सका। विगत वर्षों में एकाधिक युवा अभिनेताओं को समय पर उपचार लाभ नहीं मिल सका है। यह बात स्पष्ट है कि बदलती जीवन-शैली के साथ हृदय रोग के प्रति लोगों को जितना सचेत रहना चाहिए, उतना नहीं रहते हैं। ऐसा नहीं है कि हृदय संबंधी शिकायतें केवल भारत में बढ़ रही हैं। तुर्की के एक विपक्षी नेता हसन बिटमेज का गुरुवार 14 दिसंबर को निधन हो गया। वह इजरायल के विरुद्ध अपना भावपूर्ण भाषण देने के बाद मंच पर ही गिर पड़े थे और उनकी भी उम्र महज 54 थी। ऐसे अनेक वीडियो हैं, जिनमें लोग नाचते-चलते या बोलते-बोलते ही हृदयाघात के शिकार होते दिखते हैं। क्या हमारी दुनिया हृदय रोगों से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है? भारत में तो हृदय रोग को लेकर ज्यादा अध्ययन नहीं हुए हैं, पर अमेरिका में हुए अध्ययन से पता चलता है कि जाड़े के दिनों में दिल के दौरे की शिकायत में 30 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाती है। कुछ डॉक्टर बताते हैं कि गरमी के दिनों की तुलना में दिल के दौरे के दोगुने मामले ठंड के दिनों में होते हैं। पारंपरिक रूप से अगर हम देखें, तो भारत में भी बूढ़ों के लिए सर्दी के मौसम को चिंताजनक बताया जाता है। बहुतों के लिए 15 दिसंबर से लेकर मकर संक्रांति के पहले तक रातें बहुत मुश्किल से कटती हैं। ऐसे में, सर्दियों में सेहत के प्रति ज्यादा जागरूकता अनिवार्य है। सही खान-पान के अलावा अपनी दिनचर्या को ऐसे रखना चाहिए, ताकि शरीर में स्वाभाविक रूप से ऊष्मा बनी रहे। शरीर चलाना और ज्यादा से ज्यादा पैदल चलना जरूरी है, जबकि लोग जाड़े में एक जगह सिमटे रहना पसंद करते हैं। वैसे पिछले तीन वर्षों से भारत में हृदय संबंधी शिकायतों को कोविड महामारी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। चिकित्सकों की सलाह भी है कि जिन लोगों को कोविड हुआ था, उन्हें कुछ वर्ष सतर्कता के साथ बिताने चाहिए, ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचना चाहिए। आंकड़े गवाह हैं कि भारत में अकेले 2022 में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2021 में 28,413 लोगों की दिल के दौरे से मौत हुई थी, जबकि साल 2022 में 32,457 लोगों की मौत हुई। सबसे दुखद तो यह है कि दिल के दौरे के लगभग आधे मामले ह्यसाइलेंटह्ल होते हैं, जिसे लोग समझ भी नहीं पाते हैं। हृदय संबंधी शिकायत किसी भी उम्र में हो सकती है। चिकित्सक सलाह देते हैं कि शरीर के सूक्ष्म संकेतों पर ध्यान देना चाहिए।

कर्ज और लोक कल्याण

मध्य प्रदेश में मोहन यादव के बतौर मुख्यमंत्री शपथ लेने के साथ ही शिवराज सिंह चौहान के लगभग 20 साल के शासन का अंत हो गया है और भाजपा ने एक नये युग की शुरूआत कर दी है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा ने नया नेतृत्व चुना है। हालांकि राज्य में चौहान की ठीकठाक लोकप्रियता कायम है, मगर अब विभिन्न हित समूहों और नेताओं का नये सिरे से संयोजन संभावित है। भाजपा की बड़ी जीत का श्रेय मुख्यतः चौहान को दिया जा रहा है, जिन्होंने मतदान से पहले 165 रैलियां कीं। लेकिन उनकी यही मजबूती नये मुख्यमंत्री को अपना एक अलग रास्ता बनाने के लिए मजबूर कर सकती है। ओबीसी नेता मोहन यादव को मुख्यमंत्री और अनुसूचित जाति के नेता जगदीश देवड़ा व ब्राह्मण नेता राजेंद्र शुक्ला को उप-मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा का लक्ष्य राज्य में अपने इंद्रधनुषी जातीय गठबंधन को मजबूत करना है, जिसमें मुसलमान साफ तौर पर बहिष्कृत हैं। इस बीच, आदिवासियों में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश जारी रखते हुए, नयी सरकार ने अपने एक शुरूआती निर्णय में तेंदू पत्ता संग्रह का मेहनताना 3000 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रति बोरी कर दिया। यह वादा उसके घोषणापत्र में शामिल था। पार्टी को यह भी उम्मीद है कि इस मजबूत इंद्रधनुषी गठबंधन का असर हिंदी पट्टी के पड़ोसी राज्यों तक भी पहुंचेगा। मध्य प्रदेश में, अकेले ओबीसी ही आबादी के 50 फीसदी से ज्यादा है, जबकि एससी 17 फीसदी हैं। लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ रहे, राज्य के विंध्य क्षेत्र में ब्राह्मणों को रसूखदार समुदाय माना जाता है। ओबीसी जातियों की ओर भाजपा की पहलकदमियों के प्रति यादव लोग दूसरों के मुकाबले अपेक्षाकृत कम उत्साही रहे हैं। लिहाजा, मोहन यादव की नियुक्ति भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग में एक बड़ी छलांग है। नयी सरकार को शुरूआत से ही बहुत ज्यादा व्यस्त रहना पड़ेगा। लाडली बहना योजना में दी जाने वाली रकम को बढ़ाना भाजपा के सबसे प्रमुख और असरदार चुनावी वादों में से एक था। गरीब घरों की 1.31 करोड़ महिलाओं को अभी 1250 रुपये महीने मिलते हैं। शिवराज सिंह चौहान के शासन के तहत, भाजपा ने इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 3000 रुपये करने का वादा किया था। लेकिन मोहन यादव ने इस पर अपने मंसूबे के बारे में अभी तक कोई संकेत नहीं दिया है।

गाय के गोबर से आकाश में उड़ते रॉकेट

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

गाय के बारे में अनेक मंत्र, श्लोक भी मिल जाते हैं जोकि उसके प्रत्येक तत्व (दूध, घी, दही, मक्खन, मूत्र, गोबर) तक को पवित्र मानकर उसके विविध प्रकार से मनुष्य जीवन में व्यवहार करने की आज्ञा देते हैं। किंतु इस विचार के विपरीत भी कुछ जन हैं जिन्हें गाय सदैव से अन्य पशुओं के समान ही नजर आती रही है और उसकी कोई विशेषता उन्हें दिखाई नहीं देती बल्कि जो उसके लिए श्रद्धा भाव रखते हैं, ऐसे लोगों को ये जन मूर्ख, जड़वत और घोर अंधकारवादी नजर आते हैं। अभी हमने देखा भी कि एक संसद सदस्य ने कैसे गाय के प्रति श्रद्धा रखनेवालों का खुले में मजाक बनाया ! चलिए, गाय और उसके प्रति सम्मान भाव रखनेवालों से जिन्हें घृणा करनी है वे घृणा करते रहें, किंतु उनके लिए भी जो समझने वाला सच है कि वह यह है कि जो गाय को एक आम पशु से अधिक कुछ नहीं समझते हैं, उन्हें भी यह जान लेना चाहिए कि गाय विशेष जानवर है, तभी भारतीय प्रज्ञा उसके प्रति सदियों से सम्मान का भाव रखती आई है।

भारत की ऋषि और ज्ञान परम्परा में गाय का सदा से महत्व बताया जाता रहा है, ऋग्वेदकालीन समाज से लेकर सनातन हिन्दू धर्म में आज का आधुनिक समाज ही क्यों न हो, गाय को एक माता के रूप में पूज रहा है। गाय के बारे में अनेक मंत्र, श्लोक भी मिल जाते हैं जोकि उसके प्रत्येक तत्व (दूध, घी, दही, मक्खन, मूत्र, गोबर) तक को पवित्र मानकर उसके विविध प्रकार से मनुष्य जीवन में व्यवहार करने की आज्ञा देते हैं। किंतु इस विचार के विपरीत भी कुछ जन हैं जिन्हें गाय सदैव से अन्य पशुओं के समान ही नजर आती रही है और उसकी कोई विशेषता उन्हें दिखाई नहीं देती बल्कि जो उसके लिए श्रद्धा भाव रखते हैं, ऐसे लोगों को ये जन मूर्ख, जड़वत और घोर अंधकारवादी नजर आते हैं। अभी हमने देखा भी कि एक संसद सदस्य ने कैसे गाय के प्रति श्रद्धा रखनेवालों का खुले में मजाक बनाया ! चलिए, गाय और उसके प्रति सम्मान भाव रखनेवालों से जिन्हें घृणा करनी है वे घृणा करते रहें, किंतु उनके लिए भी जो समझने वाला सच है कि वह यह है कि जो गाय विशेष जानवर है, तभी भारतीय प्रज्ञा उसके प्रति सदियों से सम्मान का भाव रखती आई है। अब इसके एक नहीं अनेक वैज्ञानिक प्रमाण भी मिल रहे हैं । वस्तुतः आज के वैज्ञानिक युग में विज्ञान भी इस बात को स्वीकार्य करने के लिए बाध्य हुआ है कि गाय आखिर इतनी विशेष क्यों है! क्यों भारतीय ज्ञान परम्परा में इसके प्रति अब तक इतनी श्रद्धा रखी जाती रही है! जब ये खबर आई कि "गाय के गोबर से अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा रॉकेट" तब जरूर

कई लोग अचंभित हुए होंगे। किंतु जिस तरह से रॉकेट इंजन में एलबीएम यानी कि तरल बायोमीथेन के सफल प्रयोग का प्रयोग सामने आया है उसने उन लोगों के मुंह जरूर बंद किए हैं जोकि गाय को लेकर हिन्दू संस्कृति पर आघात एवं व्यंग्य करने का प्रयास करते रहे हैं।जापान में इंजीनियरों ने गाय के गोबर से प्राप्त तरल मीथेन गैस से संचालित एक नए किस्म के रॉकेट इंजन का परीक्षण किया है, जो अधिक टिकाऊ प्रणोदक के विकास की ओर ले जा सकता है। जापान के होक्काइडो स्पेसपोर्ट में 10 सेकंड तक स्थैतिक अग्नि परीक्षणह्र किया गया है। जोकि पूरी तरह से छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी जीरो, तरल बायोमीथेन द्वारा संचालित किया गया । जिस कंपनी ने इस कार्य को किया वह स्टार्टअप इंटरस्टेलर टेक्नोलॉजीज इंक है, जिसने कि अपने इस शोध के बारे में बताया भी, उसने रॉकेट इंजन, जिसे जीरो कहा जाता है, का बायोमीथेन जोकि गोबर से प्राप्त है से रॉकेट इंजन का सफल परीक्षण किया है। जिसमें कि इस बायोमीथेन से इंजन चालू हो रहा है और उससे शक्तिशाली क्षैतिज नीली लौ निकल रही है। आज इसे रॉकेट इंजन साइंस के विकास में एक नवीन उपलब्धी के रूप में देखा जा रहा है । निश्चित ही एलबीएम ईंधन बायोगैस के मुख्य घटक मीथेन को अलग और परिष्कृत करके और बाद में इसे लगभग -160 डिग्री सेल्सियस पर द्रवीकृत करके तैयार किया गया अपने आप में एक नवीन और सफल प्रयोग है । वास्तव में गाय की महत्ता इससे भी समझी जा सकती है कि जब दुनिया को रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने एवं वायरस से लड़ने के लिए आंतरिक शक्ति की आवश्यकता पड़ी तो उसके लिए वैज्ञानिकों ने वैक्सीन बनाने के लिए सबसे पहले गाय का ही चुनाव किया और दुनिया पहली वैक्सीन गाय से बनाई गई। गुजरात के वलसाड का एक हॉस्पिटल कैंसर रोगियों का इलाज गायों से प्राप्त पंचगव्य से करता है। यह हॉस्पिटल 3500 से अधिक कैंसर रोगियों का सफल इलाज कर चुका है। पंचगव्य का निर्माण गाय के दूध, दही, घी, मूत्र, गोबर द्वारा किया जाता है। पंचगव्य के कैंसरनाशक प्रभावों पर यूएस से पेटेंट भारत ने प्राप्त किए हैं। छह पेटेंट अभी तक गौमूत्र के अनेक प्रभावों पर प्राप्त किए जा चुके हैं। आज आधुनिक वैज्ञानिक यह स्वीकारते हैं कि भारतीय देशी गाय के दूध में एक विशेष प्रोटीन बीटा केसिन पाया जाता है, जो अनेक बीमारियों से लड़ने में सहायक है। यह प्रोटीन बच्चों के मानसिक विकास में भी बहुत ज्यादा उपयोगी है। यह ए-2 बीटा केसीन प्रोटीन हमारे शरीर की रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने के साथ ही दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है और पाचन तंत्र को भी मजबूत करता है । इसी तरह गाय घी शरीर को स्वस्थ बनाता है, उच्च गुणवत्तायुक्त ए2 घी का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक है और जोड़ों के दर्द को कम करता है। देशी गाय के एक ग्राम गोबर में कम से कम 300 करोड़ जीवाणु होते हैं। रूस में गाय के घी से हवन पर वैज्ञानिक प्रयोग किए गए हैं। जिसमें उन्होंने पाया कि एक तोला (10 ग्राम) गाय के घी से यज्ञ करने पर एक टन ऑक्सीजन बनती है। वैज्ञानिक यह प्रमाणित कर चुके हैं कि गाय के गोबर में विटामिन बी-12 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह रेडियोधर्मिता को भी सोख लेता है। ऐसे ही बायोगैस कभी न समाप्त होने वाला स्रोत है। एक प्लांट से करीब सात करोड़ टन लकड़ी बचाई जा सकती है जिससे करीब साढ़े तीन करोड़ पेड़ों को जीवनदान मिलता है। साथ ही करीब तीन करोड़ टन उत्सर्जित कार्बन डाई ऑक्साइड को भी रोका जा सकता है। गोबर गैस संयंत्र में गैस प्राप्ति के बाद बचे पदार्थ का उपयोग खेती के लिए जैविक खाद बनाने में किया जाता है। कीटनाशक के रूप में गोबर और गौमूत्र के इस्तेमाल के लिए अनुसंधान केंद्र खोले जा रहे हैं, क्योंकि इनमें रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों के बिना खेतिहर उत्पादन बढ़ाने की अपार क्षमता देखी गई है। इसके बैक्टीरिया अन्य कई जटिल रोगों में भी फायदेमंद हैं। कह सकते हैं कि गोबर फसलों के लिए बहुत उपयोगी कीटनाशक सिद्ध हुआ है। अंत में यही कि जापान का यह रॉकेट ईंधन शोध ऐसे समय में आया है जब दुनिया में हुईं कई अलग-अलग स्टडीज एवं वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि पारंपरिक रूप से उपयोग किए जाने वाले रॉकेट ईंधन से विश्व पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। रॉकेट इंजन में पारंपरिक ईंधन के जलने से कालिख और अन्य प्रदूषकों के अलावा ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। ऐसे में गाय के गोबर से निकलनेवाली गैस का रॉकेट इंधन में उपयोग आधुनिक समय में गाय की महत्ता को कई गुना प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त है। कहना होगा कि यह नया शोध न सिर्फ रॉकेट इंजन के ईंधन का एक नया विकल्प मिलेगा बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी यह मील का पत्थर भी साबित होगा।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

जब निमार्ता हिमांशु राय और लेखक में हुई हाथापाई

यह बंबई (अब मुंबई) में 1937 का दौर था। तब बॉम्बे टॉकीज, न्यू थियेटर्स और प्रभात फिल्म कंपनी ही देश की सर्वश्रेष्ठ फिल्म कंपनियां समझी जाती थीं । पूरा देश इनकी बनाई फिल्में देखने को लालायित रहता था। प्रसिद्ध निमार्ता, निर्देशक, लेखक और अभिनेता किशोर साहू अपने आरंभिक दिनों में बहुत परेशान हुए थे। तमाम स्टूडियो के चक्कर लगाने के बाद वह निराश होकर बॉम्बे टॉकीज पहुंचे तो उसका स्तर देखकर चकरा गए। मलाड के पास स्थित बॉम्बे टॉकीज स्टूडियो का पूरा परिसर ऊंची दीवारों से घिरा हुआ था । सात एकड़ जमीन में बने इस स्टूडियो में जगह-जगह फूलों की क्यारी थीं। उनमें गुलाब सहित कई मौसमी फूल उगे हुए थे। यह जमीन बंबई के नामी सेठ सर फिरोज सेठना से लंबी अवधि के लिए लीज पर ली गई थी। इस भू-भाग के दक्षिण में स्टूडियो था और पूर्व की तरफ एक दोमंजिला आलीशान बंगला। इस बंगले में इस कंपनी के मालिक हिमांशु राय रहते थे और वहीं उनका दफ्तर था। स्टूडियो का पूरा वातावरण बहुत सुहावना और शांत था। भारतीय ही नहीं तमाम यूरोपियन नागरिक भी वहां दिखाई दे जाते थे। दफ्तर आधुनिक और सुंदर था। बिजली के पंखों की आवाज के साथ टाइपराइटर्स की खटखट भी गूंजती रहती थी। फिल्म कंपनी में हिमांशु राय के अलावा उनकी पत्नी देविका रानी (नायिका), अशोक कुमार (नायक), सर रिचर्ड टेम्पल (कंपनी के डायरेक्टर सदस्य), फ्रेंज ऑस्टेन (निर्देशक), जोजेफ वीरशिंग (छायाकार), काउंट वॉन श्प्रेटी (तकनीशियन), जॉली (लेबोरेटरी विशेषज्ञ) आदि एक से एक प्रतिभाशाली लोग अच्छी फिल्म बनाने में संलग्न और व्यस्त थे। यह जगह किशोर साहू को भा गई। किशोर साहू ने निश्चय किया कि वे बॉम्बे टॉकीज में ही काम हासिल करेंगे। किसी तरह उन्होंने हिमांशु राय से मुलाकात की, जिनकी उम्र उस समय लगभग 45 वर्ष थी। एक घंटे चली इस पहली मुलाकात में सामान्य बातचीत हुई और उन्होंने उन्हें 20 दिन बाद आकर मिलने को कहा। तब किशोर साहू ने निवेदन किया कि वह बंबई में अकेले हैं। उनके पास कुछ खास काम नहीं है। अगर वह उन्हें एक पास जारी करवा दें तो वह प्रतिदिन स्टूडियो घूम सकते हैं। इसे हिमांशु राय ने स्वीकार कर लिया। लौटते समय अचानक उनकी मुलाकात अशोक कुमार से हो गई और मध्य प्रांत होने के कारण इस पहली मुलाकात में ही उनका अच्छा परिचय हो गया। आने वाले दिनों में यह मुलाकात और प्रगाढ़ हुई। दोपहर में वह उनके साथ कैंटीन चले जाते। वहां की कैंटीन भी बहुत सुंदर थीं। इस दौरान आते- जाते उनकी देविका रानी से भी कई मुलाकात हुईं। इस समय बॉम्बे टॉकीज की फिल्म 'नई कहानी' रिलीज हुई थी। यह बहुत अच्छी नहीं चली थी। इस बीच कई हफ्ते गुजर गए पर हिमांशु राय ने उनसे जो बातचीत का वादा किया था उसके लिए नहीं बुलाया। इस दौरान वहां पौराणिक कथा 'सावित्री' पर फिल्म बनाने का निर्णय लिया गया। देविका रानी सावित्री और अशोक कुमार सत्यवान की भूमिका कर रहे थे। इस फिल्म में किशोर साहू ने भी छोटा रोल किया। इस बीच खाली समय में वे कविताएं और कहानी लिखते रहे। फिल्म के लिए कहानी भी सोचते रहते और खाली समय में पटकथा भी लिखने लगे। लिखने का शौक उन्हें कॉलेज के समय से ही था। सावित्री फिल्म भी विफल रही। इस तरह 'अछूत कन्या' के बाद बॉम्बे टॉकीज की तीन-चार फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं। इससे हिमांशु राय और उसके मालिक राय बहादुर चुन्नीलाल चिंतित हो गए। फिर तय किया गया कि स्टूडियो से जुड़े कहानी के स्थायी लेखक निरंजन पॉल पर निर्भर न रहकर बाहर से कहानी ली जाएं। इसी दौरान हिमांशु राय ने किशोर से कहा कि देविका रानी बता रही थीं कि तुम्हारे पास कोई कहानी है। किशोर ने तुरंत ही उन्हें अपने पास तैयार रखी पटकथा पढ़ने को दे दी। एक हफ्ते बाद देविका रानी ने किशोर से हंसते हुए कहा कि गोल को तुम्हारी कहानी पसंद आ गई है। अगला चित्र शायद तुम्हारी कहानी पर ही बनेगा। देविका, हिमांशु कोविलायत के पुराने दिनों में पहले 'गोलाब दा', फिर 'गोल दा' और फिर ब्याह हो जाने पर 'गोल' कहा करती थीं। इसके दो दिन बाद हिमांशु राय ने किशोर को अपने दफ्तर में बुलवा लिया।कहानी की कीमत के बदले किशोर ने कहा, कुछ नहीं सिर्फ आपका आशीर्वाद। मुस्कराते हुए राय ने उन्हें हिदायत दी कि अभी यह बात किसी को बताना नहीं वरना स्टूडियो में तहलका मच जाएगा। बाहर निकलने पर देविका रानी और अशोक कुमार ने उन्हें कहानीकार कहकर बधाई देते हुए मिठाई लेकर आने को कहा । तीसरे दिन दोपहर को जब किशोर साहू हिमांशु राय के दफ्तर में उनसे मिलने गए तो अचानक उनके कमरे से जोर-जोर से चिल्लाने-चीखने की आवाजें आने लगीं । गरम मिजाज हिमांशु राय महीने दो महीने में किसी न किसी पर इसी तरह बिगड़ते तो जोर-जोर से चिल्लाने और डांटने की आवाजें आती थीं। मगर आज दो व्यक्ति चिल्ला रहे थे। आधे घंटे के बाद कमरे से राय और निरंजन पाल बाहर निकले। दोनों गुस्से से लाल थे। दोनों के कपड़े जगह-जगह से फट रहे थे। दोनों तुरंत ही मोटर में बैठकर बाहर चले गए। बाद में राय के सेक्रेटरी परेरा और चपरासियों से उन्हें पता चला कि दोनों में हाथापाई भी हुई थी। झगड़े का कारण उनकी कहानी का चुना जाना था, जो निरंजन पाल को खटक गया था। निरंजन वहां के नियमित कहानी और संवाद लेखक थे । प्रतिष्ठित अनुभवी, सिद्ध कथाकार को नवागंतुक, नौसखिए कथाकार से मात खाना पसंद नहीं आया था। इस घटना के एक सप्ताह बाद हिमांशु राय ने किशोर साहू को फिर बुलाया। इस बार दफ्तर में नहीं अपने घर पर बुलाया रात के आठ बजे । उन्होंने उनसे सीधी बात कही कि निरंजन पाल से मेरी पुरानी दोस्ती है।

Social Media Corner

सच के हक में...

काशी का दिव्य और भव्य स्वर्वेद महामंदिर प्राचीनता और आधुनिकता का बेजोड़ उदाहरण है। मुझे विश्वास है कि योग और ध्यान के क्षेत्र में यह विश्व में अपनी अलग पहचान बनाएगा और समग्र विकास के हमारे संकल्प में मील का पत्थर साबित होगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हम सब का प्रयास होना चाहिए कि आने वाली पीढ़ी एक ऐसे संसार की उत्तराधिकारी हो जहां न्याय, समानता और सौहार्द केवल आदर्श न होकर जीवन की आम बात हो, जहां ऊंच-नीच का भेद न हो और जहां प्रत्येक व्यक्ति निर्भय होकर जीवन-यापन कर सके।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड की गरीब जनता को महीनों से राशन के लाले पड़े हैं। झारखंड में राशन वितरण के नाम पर प्रदेश सरकार महज खानापूर्ति कर रही है। हेमंत सोरेन और उनके अधिकारी केंद्र सरकार द्वारा गरीबों को भेजी जा रही अनाज भी डकार ले रहे हैं। हेमंत जी, जनता दाने-दाने का हिसाब लेगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल का 'एक्स' पर पोस्ट)

दिल्ली विवि में तदर्थवाद पर भारी स्थायी नियुक्ति का संकल्प

एक साथ, एक लक्ष्य और एक जुनून लेकर जब देशभर के लोग मैदान में उतरे, तभी स्वतंत्रता मिली। विश्वविद्यालयों ने इस दौरान देश की चेतना को जागृत किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने युवा पीढ़ी में नई चेतना और विचार का संचार किया। 'कोई चरखा चलाता-वो भी आजादी के लिए, कोई विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करता- वह भी आजादी के लिए, कोई काव्य पाठ करता- वह भी आजादी के लिए। कोई किताब या अखबार में लिखता- वो भी आजादी के लिए। कोई अखबार के पर्चे बांटता था तो वह भी आजादी के लिए। यह बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत@2047 के लॉन्चिंग पर कहीं। जाहिर है प्रधानमंत्री समझते हैं कि युवा शक्ति साथ हो तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं। इसी युवा शक्ति को संवारने के लिए उन्होंने 2014 से अब तक कई प्रयास किए। वो समझ रहे हैं कि कालखंड कोई भी हो, युवा शक्ति के सहारे मुश्किल राहें आसान हो जाती हैं। छोटी-छोटी पहल जन अभियान का रूप ले लेती हैं। इस युवा शक्ति को संवारने में शिक्षकों का भविष्य सबसे अधिक मायने रखता है। उनके जीवन का स्थायित्व देश के वर्तमान और भविष्य को और अधिक उड़ान देगा। कुछ ऐसा ही नजारा दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों का है, जहां तदर्थवाद से मुक्ति और स्थायी नौकरी की दिशा में पहल ने जनअभियान का रूप ले लिया है। युवा शक्ति को दिशा देने की जिम्मेदारी जिस शिक्षक समुदाय पर है, वही तदर्थवाद का शिकार लंबे समय से रहा है। चाहे बात दिल्ली विश्वविद्यालय की हो या देशभर में रुकी अन्य स्थायी नियुक्तियों की। मोदी सरकार ने दस लाख लोगों को रोजगार देने की दिशा में पहल की। समय-समय पर रोजगार मेले कर खुद प्रधानमंत्री और सरकार लाखों लोगों को स्थाई रोजगार के सपने को साकार कर चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों में 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुई। पाठ्यक्रम को समयानुकूल बनाया गया, ताकि छात्रों का भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। विद्यार्थी और शिक्षकों के बीच के अनुपात की खाई पाटने की दिशा में पहल हुई। दिल्ली विश्वविद्यालय भी इस पहल से अछूता नहीं रहा। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने पांच हजार से अधिक सीटों को भरने का बीड़ा उठाया। जाहिर है कोई भी समाज विद्यार्थियों का भविष्य शिक्षकों के भविष्य से अलगकर नहीं देख सकता है। शिक्षकों के जीवन की अनिश्चितता दूर करने के लिए स्थायी नियुक्ति आवश्यक है। शिक्षा में लंबे समय से चल रही तदर्थवाद की व्यवस्था दोनों पीढ़ी के साथ खिलवाड़ था। 15 दिसंबर, 2023 तक चार हजार नियुक्तियां दिल्ली विश्वविद्यालय में हो चुकी हैं। इसमें तीन हजार तदर्थ शिक्षक शामिल हैं जो कि स्थायी नियुक्ति पाने में सफल हुए। 900 साथी रोस्टर में परिवर्तन के कारण बाहर हुए। बाहर होने वालों में 550 तदर्थ की नियुक्ति कहीं न कहीं हो चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय में समय से इंटरव्यू न होने से बैकलॉग निरंतर बढ़ता गया। नियुक्ति समय से नहीं होने के कारण ही आज यह दशा हुई कि एडहॉक से कई साथी रिटायमेंट लेने को विवश हैं। अभी हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थायी होने वालों में 64 की उम्र पार कर गए शिक्षक भी शामिल हैं। जीवन के इस उम्र में उनका स्थायी होना इस पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान है। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने यह बीड़ा उठाया और एक वर्ष में चार हजार स्थायी नियुक्तियां करवाईं। अभी भी एक तिहाई इंटरव्यू होने बाकी हैं। इन जगहों पर एडहॉक, गेस्ट और कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स काम कर रहे हैं। उन्होंने कुछ दिन पूर्व नवनियुक्त शिक्षकों को एकत्र किया। वह दृश्य देखने योग्य था। स्टेडियम में बैठने का स्थान नहीं दिख रहा था। सभी कुर्सियों पर नवनियुक्त शिक्षक बैठे थे।

तेजी की भविष्यवाणी

नवंबर महीने में हेडलाइन खुदरा मुद्रास्फीति में फिर से आई तेजी खाद्य पदार्थों की अस्थिर कीमतों के जोखिमों की एक स्पष्ट याद दिलाती है। हालांकि, यह तेजी पिछले सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कीमतों में संभावित वृद्धि की भविष्यवाणी किए जाने के बाद बिल्कुल अप्रत्याशित नहीं है। जहां राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की हेडलाइन मुद्रास्फीति की अंतरिम रीडिंग से यह पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक साल-दर-साल आधार पर अक्टूबर महीने के 4.87 फीसदी से 5.55 फीसदी बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, वहीं उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से उछलते हुए 209 आधार अंक बढ़कर पिछले महीने 8.7 फीसदी पर पहुंच गईं। खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफे को बढ़ावा देने वालों में अनाज एवं सब्जियां, ह्यखाद्य एवं पेय पदार्थोंह्ल के उपसमूह के घटकों की भूमिका रही, जिन्होंने क्रमशः 10.3 फीसदी और 17.7 फीसदी की मुद्रास्फीति दर्ज की। सीपीआई का लगभग दसवां हिस्सा रहने वाले अनाजों ने लगातार 15वें महीने में दहाई अंकों में मुद्रास्फीति दर्ज कराया है। चावल, गेहूं और ग्रामीण इलाकों का मुख्य भोजन माने जाने वाले ज्वार जैसे मोटे अनाज में भी मुद्रास्फीति में महीने-दर-महीने आधार पर तेजी देखी गई। ये सभी स्पष्ट तौर पर कीमतों में क्रमिक रूप से बढ़ोतरी दर्ज कर रहे हैं। सब्जियों की कीमतें साल-दर-साल आधार पर मुद्रास्फीति दर के अक्टूबर के 2.8 फीसदी के स्तर से लगभग 15 प्रतिशत अंक बढ़ने के साथ फिर से उबाल पर हैं। अब जबकि लगातार दो महीने भारी अपस्फीति से रूबरू रही जल्द खराब होने वाले टमाटर की कीमतों में पिछले महीने मुद्रास्फीति की दर साल-दर-साल आधार पर 11 फीसदी से ज्यादा हो गई है, बढ़ोतरी की सीमा का सही अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गुजरात सरकार ने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने आधुनिक प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर दिया जोर

- वर्तमान में भारत के कुल मछली निर्यात में राज्य का योगदान 17 प्रतिशत है

अहमदाबाद ।

गुजरात सरकार ने अब मछली पकड़ने वाले अपने पारंपरिक समुदाय से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की क्षमता का दोहन करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आग्रह किया है, जिससे उसकी मत्स्य पालन क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने में वृद्धि की अपार संभावनाएं उत्पन्न होगी। गांधीनगर में 10 से 12 जनवरी 2024 को आयोजित होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण से इस उद्योग को और समर्थन मिलने की उम्मीद है। द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन व्यवसायों तथा सरकारों के लिए निवेश के अवसरों की पहचान करने और साझेदारी स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हाल ही में यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा` कि गुजरात की सबसे लंबी करीब 1,600 किलोमीटर की तटरेखा है। यह मछली उत्पादन में सबसे आगे है। आज गुजरात 5,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का मछली निर्यात कर रहा है, जिससे भारत के कुल मछली निर्यात में राज्य का योगदान 17 प्रतिशत हो गया है। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सागर खेडू सर्वंगी विकास योजना शुरू की जो बेहद सफल रही। आज गुजरात की नीली अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अधिकारियों और मछली पकड़ने वाले समुदाय के सदस्यों ने कहा कि उद्योग मछली पकड़ने से लेकर प्रसंस्करण तक, रोजगार सृजन करने और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य सरकार के अनुसार, गुजरात में एक मछुआरा परिवार की औसत वार्षिक आय पिछले पांच वर्षों में 6.56 लाख रुपये से बढ़कर 10.89 लाख रुपये हो गई है। राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, मशीनी नाव पारंपरिक नौकाओं से कहीं अधिक हैं। पारंपरिक नौकाओं की संख्या 8,625 और मशीनी नाव की 28,355 हैं।

सॉवरेन गोल्ड बांड की तीसरी सीरीज खुली

- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2023-24 सीरीज-3 की कीमत 6199 प्रति ग्राम तय

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने घोषणा की है कि सॉवरेन गोल्ड बांड (एसजीबी) सीरीज-3 सोमवार 18 दिसंबर से खुल गई है। बता दें नई सीरीज का लांच 2023 ऐसे समय में हुआ है जब सोने की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। जरूरी तारीखों पर नजर डालें तो एसजीबी स्कीम 2023-2024 सीरीज-3 का पब्लिक इश्यू 22 दिसंबर को बंद होगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2023-24 सीरीज-3 की कीमत 6199 प्रति ग्राम तय की गई है। सॉवरेन गोल्ड की कीमत सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले सप्ताह के अंतिम तीन कामकाजी दिनों के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 999 शुद्धता वाले सोने के समापन मूल्य के साधारण औसत के आधार पर तय की जाती है। आरबीआई ने 15 दिसंबर को एक नोटिफिकेशन में कहा कि सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले सप्ताह के अंतिम तीन कामकाजी दिन 13 दिसंबर, 14 दिसंबर और 15 दिसंबर को 999 शुद्धता वाले सोने के लिए बंद भाव के साधारण औसत के आधार पर बांड का नॉमिनल वैल्यू 2023 तक प्रति ग्राम सोना 6,199 रुपये बैठता है। विशेष रूप से एक साल पहले दिसंबर 2022 में केंद्रीय बैंक द्वारा एसजीबी स्कीम 2022-23 सीरीज-3 का इश्यू प्राइस 5,409 रुपये निर्धारित किया गया था। निवेशक इस स्कीम में भाग लेने वाले सभी बैंकों से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सीरीज-3 खरीद सकते हैं। इसी के साथ निवेशक स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, डेजिगनेटेड पोस्ट ऑफिस, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई के माध्यम से भी एसबीजी खरीद सकते हैं।

क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल अगले साल होगा लांच

-अब मिलेगा 20 से और ज्यादा माइलेज

नई दिल्ली ।

शानदार कार क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल अगले साल 16 जनवरी 2024 में लॉन्च कर दिया जाएगा। किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट में डिजाइन को शानदार तरीके से बदला गया है। कार में नए एलईडी हेडलैंप्स देखने को मिलेंगे। इसी के साथ बड़ा रेडिएटर ग्रिल, नई एलईडी टेल लाइट भी इसमें दी जाएगी। इसी के साथ पैरामीट्रिक ज्वेल ग्रिल डिजाइन दिया जाएगा। कार को पैरामीट्रिक डायनेमिक डिजाइन लैंग्वेज पर बनाया गया है। एसयूवी में नए अलॉय व्हील दिए जाएंगे जो 18 इंच तक होंगे। कार के इंटीरियर में ज्यादा बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि कार की कलर थीम नई होगी और अपहॉल्स्ट्री को भी बदला जाएगा। कार में 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले दिया जाएगा। फिलहाल कार में 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन आता है। ये इंजन 113 बीएचपी की पावर और 144 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

वहीं कार में 1.5 लीटर का डीजल इंजन भी दिया जाता है जो 114 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं नया इंजन 1.5 लीटर का टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन होगा। क्रेटा के माइलेज की बात की जाए तो ये पेट्रोल पर 20 किलोमीटर प्रति लीटर और डीजल पर 25 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देती है।वहीं 10.25 इंच का ही इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा। कार में अब आपको फ्रंट वेंटीलेटेड सीट्स दी जाएंगी। क्रेटा में फिलहाल आ रहा इंजन कंटीन्यू किया जाएगा, हालांकि इसमें एक और नया इंजन भी पेश किया जाएगा।

मप्र में सस्ता हुआ पेट्रोल, झारखण्ड में बढ़ी कीमतें

-ब्रेंट क्रूड 77.29 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हुई दिख रही हैं। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 72.11 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 77.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। सोमवार को मध्य प्रदेश में पेट्रोल 38 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हुआ है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 49 पैसे नीचे आ गया है। हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में कीमतें गिरी हैं। दूसरी ओर झारखण्ड में पेट्रोल और डीजल 22 पैसे महंगा हो गया है। गुजरात, पंजाब, तमिलनाडु और और पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में हल्की तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.36 रुपये और डीजल 89.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.74 रुपये और डीजल 94.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सोना 62 हजार से नीचे, चांदी भी सुस्त

नई दिल्ली ।

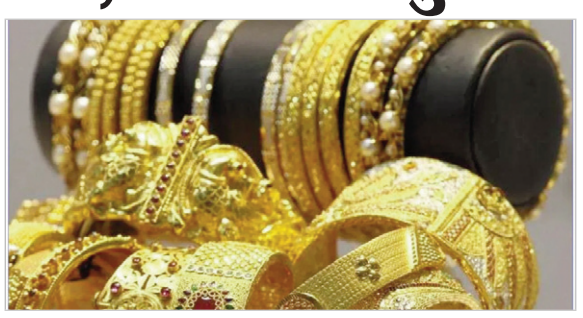

इस सप्ताह बाजार में सोने के वायदा भाव मामूली तेजी के साथ खुले लेकिन बाद में भाव में सुस्ती देखी जाने लगी। सोमवार को चांदी के वायदा भाव पिछले बंद भाव पर ही खुले और यह 74,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि सोने के वायदा भाव अब गिरकर 62 हजार रुपये से नीचे कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 62,193 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 215 रुपये की गिरावट के साथ 61,977 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सपाट रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को पिछले बंद भाव 74,525 रुपये के भाव पर ही खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 56 रुपये की गिरावट के साथ 74,469 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। कॉमेक्स पर सोना 20,33.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,035.70 डॉलर था। फिलहाल यह 0.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,036.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.12 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.15 डॉलर था। फिलहाल यह 0.06 डॉलर तेजी के साथ 24.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जीईएल के शेयरों में गिरावट, 4 फीसदी तक लुढ़के शेयर

मुंबई । जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस (जीईएल) और सोनी पिक्चर्स के प्रस्तावित विलय में अभी और समय लग सकता है। दरअसर, जी ने इस प्रस्तावित विलय को लेकर और वक्त मांगा है। विलय में देरी की खबर के बाद से ही सोमवार 18 दिसंबर को जी एंटरटेनमेंट के शेयर लुढ़क गए। शुरुआती कारोबार में ही शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आया। वहीं सुबह जी एंटरटेनमेंट का शेयर गिरावट के साथ बीएसई पर 270.15 रुपये पर खुला। तुरंत ही इसने पिछले बंद भाव से 4 प्रतिशत लुढ़का और 266.05 रुपये पर आ गया। हालांकि थोड़ी देर बार यह संभला और करीब 275 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। बता दें, एक दिन पहले ही ये खबर सामने आई थी कि जी एंटरटेनमेंट ने कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के साथ अपने प्रस्तावित विलय की समय सीमा को बढ़ाने के लिए कहा है, पहले यह 21 दिसंबर 2023 तय थी।

देश में वर्ष 2024 में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ेगी ऑफिस स्पेस की मांग

मुंबई । वैश्विक स्तर पर सुस्ती होने के बावजूद देश में अगले साल ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ने की उम्मीद है। वर्ष 2024 में ऑफिस मांग में 20 से 22 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। इस साल ऑफिस की मांग पिछले साल के बराबर रह सकती है और यह 2017-19 के दौरान औसत मांग को पार कर सकती है। अइस साल ऑफिस की मांग बढ़कर 370 से 390 लाख वर्ग फुट होने का अनुमान है। एक संपत्ति सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी-सितंबर अवधि में ऑफिस स्पेस की मांग 260 लाख वर्गफुट दर्ज की गई, जो पिछले साल की कुल मांग का 68 फीसदी है। साल के आखिर तक मांग बढ़कर 370 से 390 लाख वर्गफुट हो सकती है क्योंकि इस साल की आखिरी तिमाही में ऑफिस पट्टे पर लेने की गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। देश के 7 प्रमुख ऑफिस मार्केट में इस साल के आखिर तक ऑफिस स्पेस बढ़कर 80 करोड़ वर्गफुट तक पहुंच सकता है। अभी यह आंकडा 79.28 करोड़ वर्गफुट है। अगले साल ऑफिस की मांग और जोर पकड़ सकती है क्योंकि देश में ऑफिस मांग के फंडामेंटल काफी मजबूत हैं और वैश्विक तनाव का खास असर देश में नहीं दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2024 में ऑफिस की मांग 450 से 470 लाख वर्ग फुट रह सकती है। इसमें वर्ष 2023 की तुलना में 20 से 22 फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान है क्योंकि अब हाइब्रिड मॉडल के साथ ऑफिस आकर काम करने को पहली प्राथमिकता दी जाने लगी है।

डाउन हुई एनएसई इंडिया की वेबसाइट

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार एनएसई इंडिया के लिए दिन की शुरुआत ठीक नहीं रही है। सोमवार को कारोबार के शुरुआती घंटों में एनएसई इंडिया की वेबसाइट डाउन हो गई, जिससे कई यूज़र ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। एक यूज़र ने लिखा कि जब भी बाजार में काफी उथल-पुथल होती है, एनएसई इंडिया काम करना बंद कर देता है। यूजर ने दावा किया कि एनएसई इंडिया की वेबसाइट शेयर बाजार के ओपन होने के बाद से ही एरर शो कर रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने भी इसी तरह की आपत्ति व्यक्त की। यूजर ने नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि इस तरह से बड़े प्लेयर्स को पोजिशन एडजस्ट करने का समय मिल जाता है। गौरतलब है कि शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। एशियाई बाजारों के कमजोर रुख का असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बीएसई वाला 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 341.46 अंक गिरकर 71,142.29 पर आ गया। निफ्टी 65.30 अंक फिसलकर 21,391.35 पर रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे। सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 169 अंक , निफ्टी 38 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद बाजार नीचे आया। एशियाई बाजारों में गिरावट से भी भारतीय बाजार पर दबाव पड़ा। आज आईटीसी, आईसीआईसीआई सहित बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी जिससे भी बाजार टूटा है।

आज के कारोबार में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी जबकि स्मॉलकैप 0.6 फीसदी ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 168.66 अंक करीब 0.24 फीसदी नीचे आकर 71,315.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 38.00 अंक करीब 0.18 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 21,418.65 अंक पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। सन फार्मा, रिलायंस, बजाज फाइनैंस, एचसीएल टेक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा लाभ सन फार्मा के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.25 फीसदी बढ़ें हैं। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। इसमें पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, जेएसडब्लयू स्टील, आईटीसी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान पावर ग्रिड के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.34 फीसदी टूटे हैं। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से आईटी और` वित्तीय शेयरों में खरीदारी के कारण इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने सुबह के नुकसान की भरपाई कर ली। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 341.46 अंक गिरकर 71,142.29 के निचले स्तर पर खुला। हालांकि कुछ ही देर में इसने अपने सभी नुकसानों की भरपाई कर ली और कुछ समय के लिए पॉजिटिव क्षेत्र में वापस आ गया।

एम्मार इंडिया गुरुग्राम में लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी एम्मार इंडिया अपनी योजनाओं का विस्तार करने के लिए गुरुग्राम में अगले चार साल में लग्जरी आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए 900 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। दुबई की एम्मार प्रॉपर्टीज की इकाई एम्मार इंडिया ने गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर सेक्टर-62 में स्थित आवास परियोजना अर्बन ओएसिस में 424 लग्जरी आवास पहले ही बेच दिए हैं। एम्मार इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमने लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद एक आवासीय परियोजना शुरू की। बाजार से मिली प्रतिक्रिया से हम खुश हैं। एम्मार इंडिया ने पहले चरण में पेश सभी 424 फ्लैट 1,723 करोड़ रुपए में बेच दिए हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम सहित सभी प्रमुख शहरों में लक्जरी घरों की मांग बहुत मजबूत है। परियोजना लागत के बारे में पूछे जाने पर चक्रवर्ती ने कहा कि जमीन की लागत को छोड़कर यह लगभग 900 करोड़ रुपए होगी।

बंगाल का राजस्व जीएसडीपी प्रतिशत मामले में राष्ट्रीय औसत से पीछेः आरबीआई

- बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार का वर्तमान खर्च केवल दो प्रतिशत है

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल के वित्त पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया निष्कर्षों के अनुसार राज्य के स्वयं के राजस्व या सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) प्रतिशत के मामले में राज्य राष्ट्रीय औसत से पीछे है। आरबीआई के निष्कर्षों के अनुसार राज्य के स्वयं के कर राजस्व और गैर-कर राजस्व दोनों के मामले में पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय औसत से पीछे है। इसके अनुसार पश्चिम बंगाल के लिए जीएसडीपी में राज्य के स्वयं के कर राजस्व का केवल पांच प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत सात प्रतिशत से कम है। पश्चिम बंगाल के संबंध में गैर-कर राजस्व के मामले में स्थिति अधिक दयनीय है। निष्कर्षों के अनुसार पश्चिम बंगाल के जीएसडीपी में राज्य के गैर-कर राजस्व का प्रतिशत केवल 0.4 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत 1.2 प्रतिशत से कम है। आरबीआई के निष्कर्षों के अनुसार जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार का वर्तमान खर्च केवल दो प्रतिशत है। अर्थशास्त्रियों का कहना है` कि इस कारक का अनुसरण पश्चिम बंगाल में राज्य उत्पाद शुल्क पर भारी निर्भर राज्य की अपनी कर राजस्व संरचना का नतीजा है। उनके अनुसार किसी भी राज्य का अपना कर राजस्व घटक विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में बड़े निवेश पर निर्भर करता है। यह वही क्षेत्र है, जहां पश्चिम बंगाल अन्य प्रमुख राज्यों से पिछड़ा हुआ है और अर्थशास्त्रियों की राय है कि भूमि खरीद और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का दर्जा देने के संबंध में राज्य की आंतरिक नीतियां निवेश के मामले में बड़े पैमाने पर सूखे के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पश्चिम बंगाल सरकार की उद्योग के लिए भूमि खरीद में राज्य की कोई भूमिका नहीं नीति के कारण विनिर्माण क्षेत्र के संचालक राज्य में निवेश करने से विमुख हो रहे हैं।

अंबुजा सीमेंट रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स में 6,000 करोड़ निवेश करेगी

मुंबई ।

सीमेंट के क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक अंबुजा सीमेंट रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स में 6,000 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि निवेश को आंतरिक रूप से वित्त पोषित किया जाएगा और गुजरात और राजस्थान में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से 1,000 मेगावाट की क्षमता हासिल करने की उम्मीद है। हालांकि कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में फंडिंग प्रक्रिया के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। अदाणी ग्रुप के स्वामित्व वाली कंपनी ने कहा कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से कैपेसिटी वित्त वर्ष 2026 तक हासिल कर ली जाएगी और इसकी मौजूदा कैपेसिटी 84 मेगावाट बढ़ जाएगी। इसमें कहा गया है कि इन परियोजनाओं से कंपनी की कुल ग्रीन एनर्जी कैपेसिटी मौजूदा 19 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। इस महीने की शुरुआत में अंबुजा सीमेंट्स ने 5,185 करोड़ रुपये में सांघी इंडस्ट्रीज में बहुमत हिस्सेदारी हासिल कर ली। पिछले महीने बड़े प्रतिद्वंद्वी अल्ट्राटेक सीमेंट ने कहा था कि वह 5,379 करोड़ रुपये के ऑल-स्टॉक डील में केसोराम इंडस्ट्रीज के सीमेंट कारोबार का अधिग्रहण करेगी।

रुपया सात पैसे बढ़कर 82.96 प्रति डॉलर

मुंबई । रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे की बढ़त के साथ 82.96 पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों का कहना है` कि वैश्विक बाजारों में अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह से निवेशकों की धारणा को बल मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में नरम रुख ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 82.97 पर खुला। इसके बाद उसने 82.95 से 83.02 प्रति डॉलर के बीच कारोबार किया। रुपया शुरुआती सौदों के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.96 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.03 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.10 पर रहा।

पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दु:खी न करें।

बच्चों का व्यक्तित्व विकास कैसे हो

पेंसिल ने इरेज़र (रबर) से कहा, मुझे माफ़ कर दो
इरेज़र ने कहा, तुम ऐसा क्यों कह रहे हो
पेंसिल बोली, मेरे कारण तुम्हें बहुत कष्ट झेलना पड़ता है। जब भी मैं कोई गलती करती हूं तो तुम उसे सुधारने के लिए भागे आते हो। मेरी गलतियों के निशानों को मिटाते-मिटाते तुम्हें स्वंय का बलिदान देना पड़ता है। तुम छोटे और छोटे होते-होते स्वंय का अस्तित्व ही खो देते हो। इरेज़र ने कहा, तुम्हारा कहना उचित है मगर मुझे स्वंय का अस्तित्व खोने का कोई दुख नहीं है क्योंकि मेरा जन्म ही तुम्हारी गलतियों को सुधारने के लिए हुआ है। अगर मैं तुम्हारी गलतियों को नहीं मिटाता तो तुम्हारे पास मेरे जैसा कोई और आ जाएगा। मैं अपने जीवन से बहुत खुश हूं। मुझे कोई शिकायत नहीं है। मेरी चिंता मत करो। तुम्हारे चेहरे पर मायूसी अच्छी नहीं लगती।
पेंसिल और इरेज़र के इस संवाद से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमारे माता-पिता इरेज़र और बच्चे पेंसिल की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। माता-पिता को संतुष्ट करने वाले को परब्रह्म भी प्रसन्न रखते हैं। माता-पिता को कभी दु:खी न करें।
माता-पिता बच्चों के लिए बहुत कष्ट सहते हैं। बच्चों का बचपन अच्छा व्यतीत हो, उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए वे प्रयासरत रहते हैं परंतु कुछ बच्चे माता-पिता को पलटकर उत्तर देते हैं जिससे माता-पिता का मन दुखी होता है । बच्चों द्वारा पलटकर उत्तर देकर माता-पिता को दु:खी करना, ईश्वर को दु:खी करने के समान है। बच्चों इससे बचने के लिए माता-पिता से प्रेमपूर्वक व्यवहार करें तथा उनके प्रति कृतज्ञ रहें।
माता-पिता और बच्चों का व्यवहार सदैव मित्राचारी का होना चाहिए। यदि माता-पिता बच्चों के साथ डांट कर या मार कर व्यवहार करेंगे तो बच्चे निश्चित ही उनका कहा नहीं मानेंगे और गलत रास्ते पर चल पड़ेगें। माता-पिता के उच्च संस्कार ही घर में आनंद और शान्ति का माहौल बनाते हैं।

बनें स्मार्ट बागबान...

याद है, वो सर्द शाम की तल्खी दूर करने के लिए तुलसी की चाय पीना? या किसी ठिठुरती सुबह घर के बडे बुजुर्ग के हाथों भुने हुए आलू के जायके की सौगात मिलना? ताजी सब्जियों और ह?र्ब्स के बिना सर्दियों का मजा अधूरा है। लेकिन कई बार बाहर से खरीदी गई सब्जियां ताजी नहीं होतीं और कई बार महंगाई के चलते इन्हें खरीदना जेब पर भारी पडता है। ऐसे में क्यों न अपने घर के किसी कोने में ही किचन गार्डेन बना लिया जाए। थोडी सी मेहनत और टाइम मैनेजमेंट आपको आपकी पसंदीदा सब्जियां आसानी से उपलब्ध करा सकती है।

क्या उगाएं

किचन गार्डेनिंग करने के लिए सबसे पहले यह तय करें कि आपके किचन में किन सब्जियों और हर्ब्स की खपत सबसे ज्यादा है। मसलन, अगर आपके घर के ज्यादातर लोग कम तीखा खाना खाते हैं, तो मिर्च के पौधे लगाने का कोई फायदा नहीं है। घर पर उगाई जाने वाली सब्जियों में मुख्य तौर पर तीन श्रेणियां हैं। पहली है लीफी वेजटेबल्स जिनमें पत्तागोभी, पालक, धनिया, ब्रॉकली, लेट्यूस, जुकिनी आदि सब्जियां आती हैं, दूसरी है विभिन्न प्रजातियों की शिमला मिर्च, तीसरी है रूट वेजटेबल्स जैसे शलगम, चुकंदर, गाजर, मूली और चौथी हैं ह?र्ब्स जैसे करीपत्ता, पार्सले और तुलसी। जी हां बैंगन और हरी मिर्च के पौधे किसी भी मौसम में उगाए जा सकते हैं, वहीं हरी मटर और चेरी टमाटर जैसे पौधे सर्दियों में उगाना ज्यादा मुफीद रहता है।

स्पेस मैनेजमेंट

किचन गार्डेन के लिए जगह का सही चुनाव और इस्तेमाल भी अहम है। अगर आप अपर फ्लोर पर रहते हैं और बालकनी में किचन गार्डेन बनाना चाहते हैं, तो गमलों या प्लांटेशन ट्रे का साइज और संख्या जगह की उपलब्धता के हिसाब से चुनें। उदाहरण के तौर पर अगर आपकी बालकनी में 5/10 फीट की जगह खाली है, तो आप यहां 45/15 सेंमी के चार ट्रे तक लगा सकती हैं। कम जगह में ज्यादा पौधे लगाने की गलती न करें। वरना उन्हें जरूरी पोषण नहीं मिल पाएगा। एक और खास बात यह है कि किचन गार्डेन की लोकेशन के हिसाब से वहां की समस्याएं भी अलग होती हैं, जिनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। मसलन ग्राउंड फ्लोर के किचन गार्डेन में जानवरों और रोडेंट्स का खतरा होता है। इसी तरह बालकनी और टेरेस के किचन गार्डेन में मिट्टी के पोषक तत्व और धूप पर्याप्त मात्रा में न मिलने जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में अगर आप ग्राउंड फ्लोर पर किचन गार्डेन बना रही हैं, तो फेंसिंग के पुख्ता इंतजाम करें। और बालकनी या टेरेस में किचन गार्डेन बना रही हैं, तो गमलों और प्लांटेशन ट्रेज को ऐसी दिशा में रखें कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा सूरज की रोशनी मिले।

ज्यादा देखभाल खतरनाक

पौधों की जरूरत से ज्यादा देखभाल करना भी कई बार खतरनाक साबित होता है। पौधों को दिन में दो बार पानी देना पर्याप्त है। जरूरत से ज्यादा पानी देने पर पौधों के गलने का खतरा रहता है। यही बात कीटनाशकों के इस्तेमाल पर भी लागू होती है। पत्तियों पर निशान होने का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि उनमें कोई बीमारी पनप रही है। इसी तरह हर कीट पौधों को नुकसान पहुंचाने वाला ही नहीं होता। कई कीट पौधों के लिए लाभदायक भी होते हैं।

घरेलू नुस्खे आजमाएं

जिस तरह हम कोई बीमारी हो जाने पर पहले घरेलू नुस्खे आजमाते हैं, उसी तरह पौधों को कीडी लग जाने या बीमारी होने पर कुछ विशेष घरेलू नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं। जैसे, पौधों में कीडे लग जाने पर नीम का तेल स्प्रे करने से फायदा होता है। पौधों में कोई बीमारी होने पर सबसे पहले उनमें हल्दी पाउडर डालें। कीडों से निजात पाने के लिए बीटी पाउडर भी डाल सकते हैं।

गलत सलाह से बचें

बागबानी का सामान बेचने वाले अकसर ज्यादा मात्रा में उत्पाद बेचने के लालच में लोगों को गलत जानकारी दे देते हैं। पौधों की किसी बीमारी का उपचार करने के लिए अगर केमिकल कीटनाशक का इस्तेमाल जरूरी हो तो विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। अगर विशेषज्ञ ने एक लीटर पानी में दो एमएल दवा डालने को कहा है, तो इसी अनुपात में पौधों में दवा डालें। रोग जल्दी ठीक करने के चक्कर में एक लीटर पानी में दस एमएल दवा न डाल दें क्योंकि यह पौधे से उपजने वाली सब्जियों को हानिकारक बना देगा।

फटाफट टिप्स

- अगर आपने पहली बार किचन गार्डेन बनाया है और आपके लगाए 8-10 में से 4-5 पौधे ही जिंदा रहें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपमें लगन होगी तो साल दर साल आपकी बगिया के पौधों की संख्या बढती ही जाएगी।
- सर्दियों के मौसम में बीजों के रोपण का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होता है। वहीं अगर नर्सरी से पौधे लाकर लगा रही हैं, तो 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच का समय उपयुक्त है।
- खाद देना बागबानी का एक अहम पहलू है। खाद हमेशा 3:1 के अनुपात में डालें। यानी तीन हिस्सा मिट्टी पर एक हिस्सा खाद।

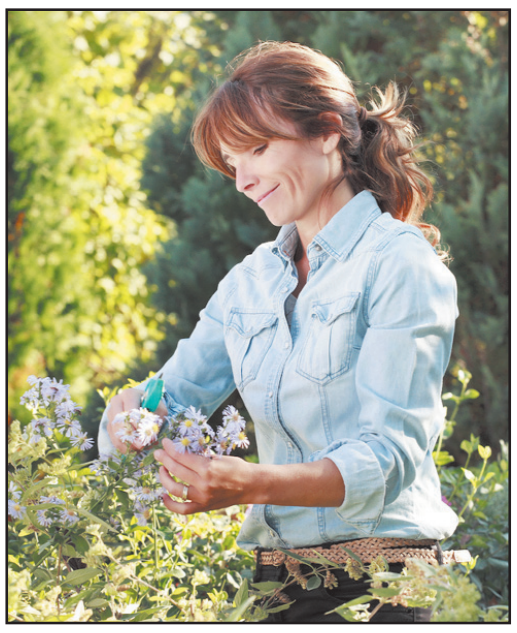

मशरूम वॉलवॉ

1-2 व्यक्तियों के लिए
सामग्री - 250 ग्राम मशरूम कटा हुआ, 50 ग्राम प्याज बारीक कटा हुआ, 50 ग्राम लीक्स बारीक कटी हुई, 50 ग्राम सेलरी बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, 50 ग्राम गाजर बारीक कटी हुई, पार्मेजान चीज कसा हुआ, 100 मिली. क्रीम, 2 पफ पेस्ट्री वॉलवॉ, 2 डंडियां पार्सले, स्वादानुसार नमक व काली मिर्च पाउडर।
विधि - 1. एक पैन में सब्जियां डालकर भूनें। नमक, काली मिर्च व क्रीम डालकर नर्म होने तक पकाएं, लेकिन सूखने न पाए। 2. अब पार्मेजान चीज और पार्सले मिलाएं। 3. पफ पेस्ट्री को सुनहरा होने तक बेक करें। 4. अब पफ पेस्ट्री में मशरूम मिश्रण मिलाकर अवन में कुछ देर पकाएं। गरमागरम सर्व करें।

एपल मफिन

4-5 व्यक्तियों के लिए
सामग्री - 100 ग्राम सेब, 400 ग्राम मैदा, 80 ग्राम बादाम पाउडर, 400 ग्राम दही, 200 ग्राम तेल, 10 ग्राम सोडा, 400 ग्राम चीनी
विधि - 1. सेब को छीलकर बारीक काट लें। 2. फिर इसे शेष सामग्री के साथ मिलाकर मफिन कप में डालें। 3. अब 80 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म अवन में 25-30 मिनट तक बेक करें।

थोड़ा सा रुमानी हो जाएं

अब वो बात नहीं रही..जिंदगी से जैसे रोमैंस गायब हो गया है..क्या करूं मूड ही नहीं होता..लाइफ बडी बोर हो गई है..। शादी के कुछ वर्ष बाद लाइफ को लेकर अमूमन लोगों की शिकायतें कुछ ऐसी ही होती हैं। यूं तो इसके कई कारण हो सकते हैं, मगर सबसे बडा कारण है- सेक्स संबंधों का रुटीन बन जाना। हम सभी जीवन के हर पहलू को बेहतर बनाने की कोशिशें करते हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन को अच्छा और नया बनाने की कोशिशें थोडी कम होती हैं।
मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। इसके लिए न तो किसी हनीमून डेस्टिनेशन पर जाने की जरूरत है, न अनाप-शनाप पैसे खर्च करने की। बस अपने अंतरंग पलों को थोडा रोमैंटिक टच दें और अपने सेक्स जीवन में कुछ प्रयोग करें। सदाबहार रोमैंस का ख्वाब कैसे होगा पूरा, बता रही है सखी।

स्वाद की फैंटसी

कहते हैं, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है। (यकीन न हो तो फिल्म द लंच बॉक्स देख लें) स्वाद का संबंध पेट से ज्यादा ब्रेन से होता है। कुछ ऐसे स्वाद हैं, जो प्यार को गहराई देने में असरदार हैं। मूड बनाने के लिए डार्क चॉकलेट्स, स्ट्रॉबैरीज, ब्ल्यूबैरीज के गुणगान यूं ही नहीं होते। ऐसे कुछ शोध भी हुए हैं जो बताते हैं कि डार्क चॉकलेट का एक छोटा सा पीस रोज खाने से लो लिबिडो जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा कार्ब और प्रोटीन की संतुलित डाइट, हरी पत्तेदार सब्जियां, ड्राइ फ्रूट्स भी सेक्स डिजायर्स को बढाने में सहायक हैं। सेक्स एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अच्छे सेक्स संबंधों के लिए अच्छी डाइट भी जरूरी है।

हॉट रेड

क्या आपने कभी सोचा है कि दुलहन हमेशा लाल जोडा क्यों पहनती है? दरअसल यह रंग प्रेम, ऊर्जा, जोश व युवावस्था का प्रतीक है। यह व्यक्तित्व को आकर्षक बनाता है। यूएस की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि पुरुष लाल रंग के प्रति ज्यादा आकर्षित होते हैं। जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी एंड सोशल साइकोलॉजी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर पुरुषों ने माना कि वे पार्टनर को हॉट रेड में देखना चाहते हैं। पार्टनर का मूड बनाना हो तो बेडरूम में खूबसूरत रेड नाइट वेयर जरूर रखें।

इरॉटिक साहित्य

वास्तु-विशेषज्ञ और एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बेडरूम में टीवी न रखें। मगर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि बेडसाइड टेबल पर इरॉटिका लिटरेचर हो तो रोमैंस की संभावना बढ जाती है। एक साइकोथेरेपिस्ट मानती हैं कि घरेलू कार्यो, ऑफिस वर्कलोड और पेरेंटिंग के बीच पिसते आधुनिक दंपतियों के जीवन से सेक्स संबंध गायब होते जा रहे हैं। इसलिए उन्हें अपनी सेक्सुअल डिजायर्स को जगाने के लिए कुछ प्रॉप्स चाहिए। वह कहती हैं, इरॉटिक लिटरेचर के कुछ अंश पढने और पार्टनर को पढाने से बाहरी दबाव कम होता है और मूड बनता है। सेक्स के बारे में गंभीर और ईमानदार बातचीत के लिए मधुर संगीत और किताबों से बडा ल्युब्रिकेंट और कुछ नहीं है। यह अंतरंग रिश्तों को मजबूत बनाता है। एक-दूसरे से सेक्सुअल डिजायर्स बांटने का भी यह बेहतरीन तरीका है। तो देर न करें, अगर अभी तक अल्ट्रा पॉपुलर बुक फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे नहीं पढी है तो खरीद लें।

खुशबू सी कोई महके

अपने नाइटस्टैंड में सेंटेड ऑयल्स और क्रीम्स रखें। बेडरूम में सेंसुअस मसाज के महत्व को न नकारें। भीनी-भीनी खुशबू के लिए अरोमा कैंडल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मन को खुश करने वाले हॉर्मोस पैदा करती हैं। लिबिडो बूस्टिंग सेंट्स से इच्छाएं जगाने में मदद मिलती है। लेवेंडर-जैसमीन भी मन को सुकून देते हैं। वनिला, रोज या जिरेनियम का प्रयोग भी कर सकते हैं।

रोमैंटिक कॉर्नर

बेडरूम में रोमैंटिक कॉर्नर क्यों? इसका जवाब है, क्योंकि कभी-कभी सेक्स के इतर भी कुछ चाहिए। रोमैंस के कुछ ऐसे पल जो बॉण्डिंग मजबूत करें। बेडरूम में स्टाइलिश लवसीट या आर्मचेयर जरूर रखें और फुर्सत में अपने इस रोमैंटिक कॉर्नर का मजा लें। चाहे गपशप करें या फिर यूं ही खामोशी का आनंद लें पुराने दिनों की तरह। ..बेडरूम के माहौल को खूबसूरत बनाएं।
दिन भर की थकान मिटेगी और मूड अच्छा होगा। थोडा सा रूमानी हो जाएं, फिर देखें इश्क का जादू कैसे सिर चढ कर बोलता है।

जगाएं मखमली एहसास

बेडरूम का माहौल मूड बनाने में मददगार होता है। इंटीमेसी के लिए यहां कुछ ऐसी चीजें जरूर होनी चाहिए, जो मूड-बूस्टर का काम करें। कलर स्कीम ऐसी हो, जो सेक्सुअल डिजायर्स जगाने में मददगार हो। पर्सनल स्पेस को क्लटर-फ्री रखें। बेडरूम में टीवी या मिरर्स हों तो उन्हें कवर करें। ऑफिस फाइल्स यहां न रखें। इसके बजाय कुछ यादगार तसवीरें रखें। रोमैंटिक पेंटिंग्स या फोटो फ्रेम्स भी रख सकते हैं। बाहर का शोर और रोशनी भीतर न आए, इसके लिए कमरे को साउंडप्रूफ बना सकते हैं या पर्दे थोडे हेवी लें। मेट्रेसेज सॉफ्ट हों और सैटिन की शीट्स हों, ताकि कुछ मखमली एहसास जग सकें।

मानव स्वभाव है कि उसे हमेशा कुछ नया और एक्साइटिंग चाहिए। जीवन में नीरसता न आए, इसके लिए वह हमेशा कुछ नया ढूंढता है। सेक्स संबंधों के लिए भी यही बात कही जा सकती है। थोडे से बदलाव रिश्तों में नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं।

एआई की मदद से पीएम मोदी का भाषण हुआ तमिल में अनुवाद

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी तमिल संगमम् के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई) का उपयोग कर वास्तविक समय में तमिल दर्शकों के लिए अनुवादित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जो लोग तमिलनाडु से हैं, मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने इयरफोन (भाषण सुनने के लिए) का उपयोग करें। पीएम मोदी ने कहा कि कृत्रिम मेधा से उनके लिए लोगों तक पहुंचना आसान होगा। उन्होंने कहा, ''यह मेरा पहला अनुभव है। भविष्य में मैं इसका इस्तेमाल करूंगा और आपको जवाब देना होगा। अब, जब मैं हिंदी में बोलूंगा, तब एआई इसका तमिल में अनुवाद करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है महादेव के एक घर से उनके दूसरे घर तक आना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के स्थान से काशी विशालाक्षी के स्थान तक आना।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, तमिलनाडु और काशी के लोगों के दिलों में जो प्यार और बंधन है, वह अलग और अनोखा है। मुझे यकीन है, काशी के लोग आप सभी की मेहमान नवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। काशी तमिल संगमम् इस माह के अंत तक चलेगा। इसकी शुरुआत 17 दिसंबर को की गई, जिसमें तमिलनाडु और पुदुचेरी के 1,400 गणमान्य व्यक्ति भाग लेने वाले हैं।

उत्तराखंड में नये साल से पहले कड़ाके की ठड़

देहरादून । उत्तराखंड में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पूरे प्रदेश में शीत लहर का प्रकोप दिख रहा है। पहाड़ी इलाकों के साथ मैदानी क्षेत्रों में भी लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह शाम कोहरा छाने लगा है। चारों धामों में भी तापमान माइनस में चला गया है। हालत ये हैं कि केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है। बद्रीनाथ का भी हाल भी कुछ ऐसा ही है। वैकुंठ धाम में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान शून्य से नीचे यानी माइनस में हैं। गंगोत्री का अधिकतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान माइनस 14 डिग्री सेल्सियस है। नैनीताल में भी ठंड का असर दिखने लगा है। क्रिसमस और नए साल के लिए अभी से लोगों का आना शुरू हो गया है। सारे होटलो में बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। यहां आए सैलानी ठंड का पूरा लुफ्त उठा रहे हैं।

ड्रग्स मामले में पूछताछ के लिए बिक्रम मजीठिया एसआईटी के सामने पेश

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया सोमवार को मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए पटियाला जिले में पंजाब पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) के सामने पेश हुए। एसआईटी का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पटियाला रेंज) मुखविंदर सिंह छीना कर रहे हैं। एसआईटी कार्यालय पहुंचने से पहले मजीठिया ने कहा कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है। शिअद नेता ने आम आदमी पार्टी (आप) नीत राज्य सरकार पर मादक पदार्थ के मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाकर दावा किया कि एसआईटी ने उन्हें इसलिए बुलाया है, क्योंकि वह मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मान उनके खिलाफ राज्य मशीनरी का इस्तेमाल कर रहे हैं। मजीठिया ने मान पर निशाना साधकर कहा, यह केवल राजनीति है और राजनीति करना भगवंत मान की आदत बन चुकी है। वे दो साल से सो रहे हैं। उन्होंने पटियाला में कहा, मेरी लड़ाई राज्य मशीनरी और राज्य सरकार के खिलाफ है जो अपने खिलाफ एक शब्द भी बोलने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करती है।

भारी बारिश के चलते तमिलनाडु में लॉकडाउन जैसे हालात,स्कूल, कॉलेज, दफ्तर सब बंद

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में शनिवार और रविवार को भारी बारिश हुई है। तिरुनेलवेली, नागरकोइल,तेनकासी, तूतीकोरिन और कन्याकुमारी जैसे कई जिले जलमग्न हो गए। बिजली,पानी और इंटरनेट जैसी सेवाएं प्रभावित हुई और सड़कों पर पानी भर गया। लोगों का निकलना और वाहन चलाना कठिन दूभर हो गया है। ऐसे में लॉकडाउन जैसे हालात बन गए है। प्रशासन ने स्कूल, कॉलेज और तमाम दफ्तरों को बंद कर दिया है। चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से इस तरह के हालात बने हैं। रिपोर्ट के अनुसार मदुरै रेलवे डिवीजन ने दक्षिण की ओर जाने वाली चार ट्रेनों के टर्मिनेट होने के बाद काउंटर पर तैनात रहने और टिकटों के रिफंड की मांग को पूरा करने के लिए कोविलपट्टी में अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए हैं। फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम के सहयोग से बसों की व्यवस्था की गई है । बारिश का सबसे ज्यादा असर तमिलनाडु के चार जिलों तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, तेनकासी और कन्याकुमारी में देखने को मिल रहा है। इन चारों जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। तमिलनाडु सरकार ने अत्यधिक बारिश के कारण सोमवार को तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन, तेनकासी और कन्याकुमारी जिलों में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और तेनकासी जिलों में सोमवार तक रेड अलर्ट जारी किया है, क्योंकि अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और एक या दो स्थानों पर अत्यधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं खराब मौसम के कारण तमिलनाडु की ओर जाने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई है और कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। जलभराव के कारण ट्रेन की पटरियां पानी में डूब गई हैं और पटरियों के आसपास मिट्टी भर गई है।

सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता मिलने में हैं कई अड़चने

ग्रेटर नोएडा। भारतीय युवक सचिन से प्यार होने के बाद पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर बॉर्डर पार कर नेपाल के रास्ते भारत आ गई ।सीमा को भारत आए करीब 6 महीने बीत चुके हैं और वो सचिन से शादी भी कर चुकी है लेकिन उसे अभी तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता नहीं मिलने को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब अब उनके वकील एपी सिंह ने दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने बताया कि आखिर सीमा हैदर को अभी तक भारतीय नागरिकता क्यों नहीं मिल पाई है। एपी सिंह ने कहा कि सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता देने के लिए पाकिस्तान में उसके कुछ दस्तावेजों की जांच होनी है जिसमें उसका पहला पति गुलाम हैदर रोड़े अटका रहा है। उन्होंने कहा कि गुलाम हैदर पाकिस्तान में अपनी शादीशुदा जिंदगी को बचाने के लिए राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है। सरकार का गलत इस्तेमाल कर रहा। एपी सिंह ने कहा कि इसी समस्या को लेकर अब वो इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) में अपील दायर करेंगे। उन्होंने कहा सीमा के जो भी डॉक्यूमेंट हैं वो पूरी तरह से सही और सच्चाई वाले है। लेकिन उन्हें (पाकिस्तानी अथॉरिटी) जो जांच करके भेजनी है उसी में देरी हो रही है। कश्मीर में चुनाव को लेकर जब उनसे सवाल पूछा गया तो सीमा हैदर ने कहा कि ये अच्छी बात है, हर जगह चुनाव होना चाहिए। बता दें कि भारत आने के बाद से ही सीमा हैदर और सचिन की जोड़ी सोशल मीडिया पर काफी हिट है। सीमा हैदर आए दिन अपने घर का व्लॉग बनाती है जिसे वो यूट्यूब पर अपलोड करती है।

पत्रकार के सवाल पर भड़के लालू यादव, रोज एक्केगो सवाल पूछत

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक बार फिर एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल सुनकर भड़क गए। दरअसल लालू यादव और तेजस्वी यादव इंडी गठबंधन में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना हुए। जाते-जाते उन्होंने ये कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इसी बीच एक पत्रकार ने पीएम नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक सवाल पूछ दिया। लालू को शायद ये सवाल नागवार गुजरा और वो भड़क गए। दरअसल सवाल था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि बीजेपी फिर से सत्ता में आएगी। इस पर लालू बिफर गए और पत्रकार को झिड़क दिया। उन्होंने कहा कि रोज एक्केगो सवाल पूछत हो। आपको सिर्फ यही सवाल आता है क्या? नीचे देखिए वो वीडियो, इस तरह से पत्रकारों के बीच से पूछे गए एक सवाल पर लालू प्रसाद यादव का ये भड़कना कैमरे में कैद हो गया। इसके बाद लालू क्लास लगाने के मूड में आ गए।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने कह दिया की अगली बार वही आएंगे! यह कोई सवाल होता है? आपको एक ही सवाल आता है? रोज यही सवाल पूछते हैं। लालू प्रसाद यादव ने अपने अंदाज में कहा कि फलाना बोल रहा है कि आएंगे, तो आओ! यही सवाल होता है क्या? इसके बाद लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हम लोग बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। मिलकर चुनाव लड़ेंगे और इन बीजेपी वालों को हटाएंगे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के साथ उनके बेटे तेजस्वी यादव भी साथ में ही दिल्ली गए हैं। लालू ने तो बहुत कुछ कहा लेकिन पत्रकारों के सवालों का तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम चाहतें हैं कि आडवाणी और डॉ. जोशी नहीं आए

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव का बयान

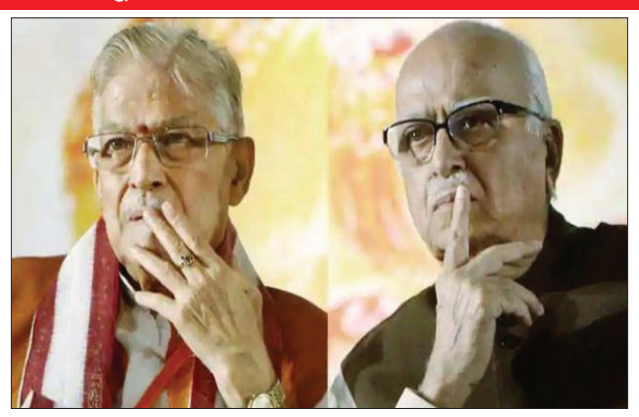

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अगले साल 22 जनवरी को भव्य मंदिर में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां भी जोरशोर से चालू हैं। विमानन नियामक डीजीसीए ने अयोध्या हवाई अड्डे के लिए 'एयरोड्रम' लाइसेंस जारी कर दिया है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत में हवाई अड्डे का उद्घाटन होगा। दूसरी ओर भारतीय रेलवे ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को देखकर सैंकड़ों की संख्या में अयोध्या के लिए ट्रेन चलाने की तैयारी की है। अयोध्या नगरी में सड़कों और चौक-चौराहों को सजाया संवारा जा रहा है। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से भी तमाम तैयारियां की जा रही हैं ताकि अयोध्या आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को सहुलियतें प्रदान की जा सकें।

दूसरी ओर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ी कुछ और खास बातें साझा की गयीं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा देश के सभी प्रमुख संतों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि रामायण धारावाहिक में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज, फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिनेत्री माधुरी दीक्षित सहित तमाम हस्तियों को आमंत्रित किया गया है।

एक प्रश्न के उत्तर में राय ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन के नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी का समारोह में उपस्थित रहना जरूरी है मगर हम चाहते हैं कि वह नहीं आएं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी को भी कार्यक्रम में नहीं आने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मैंने डॉ. जोशी से खुद बात कर कहा है कि उम्र तथा स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को देखते हुए वह नहीं आए। उन्होंने कहा कि डॉ.जोशी ने हाल ही में अपने घुटने भी बदलवाए हैं, इसलिए हम उन्हें आने से मना कर रहे हैं लेकिन उन्होंने कहा है कि वह हर हाल में आ रहे। चंपत राय ने कहा कि आडवाणी और जोशी को अपने स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए।

31 दिसंबर की रात में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न दे, छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने 31 दिसंबर को नववर्ष के कार्यक्रमों में रात 12 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न देने की मांग कर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। समिति ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि गत वर्ष 2022 में जिस प्रकार पूरे प्रदेश के लिए 31 दिसंबर की रात ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति अचानक दी गई थी वैसी अनुमति इस वर्ष ना दे। क्योंकि इसकी आड़ में देर रात तक तेज आवाज से ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाते हैं, असहनीय ध्वनि प्रदूषण होता है।

बता दें कि बीते साल छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण मंत्रालय ने अचानक, अज्ञात कारणों से 30 दिसंबर 2022 को पत्र जारी कर 31 दिसंबर 2022 की रात के लिए 10 से अर्धरात्रि 12 बजे तक लाउडस्पीकर की अनुमति जारी की थी। जिसकी आड़ में देर रात तक पूरे शहर में अलग-अलग स्थानों में होटल पार्टी इत्यादी में ध्वनि प्रदूषण किया गया कई स्थानों में लॉ एंड आर्डर भी बिगड़।

समिति ने मुख्य सचिव को लिखा है कि ध्वनि (विनियमन और नियंत्रण) नियमों के तहत इस प्रकार की अनुमति सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक या किसी उत्सव के लिए दी जा सकती है।

समिति ने पत्र में आशंका व्यक्त की है कि इस वर्ष भी 31 दिसंबर के लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा छूट दी जाएगी, जिसका दुरुपयोग कर देर रात तक तेज ध्वनि में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाए जाएंगे। इसलिए इस वर्ष 31 दिसंबर के लिए किसी भी प्रकार की कोई भी अनुमति रात 10 बजे से अर्धरात्रि 12 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति न ही दी जावे तथा सुनिश्चित किया जावे की पूरे प्रदेश में किसी भी प्रकार से ध्वनि प्रदूषण न हो।

अमेरिका और कनाडा के बीच जमीन आसमान का फर्क : एस जयशंकर

-खालिस्तान समर्थकों की हत्या के आरोपों पर विदेश मंत्री ने दी अपनी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा और अमेरिका में खालिस्तानी आतंकियों की हत्या की साजिश रचने के आरोप को लेकर बड़ा बयान दिया है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि दोनों ही बातों में जमीन आसमान का अंतर है। कनाडा ने जिस तरह से भारत पर आरोप लगाए हैं वह बिल्कुल निराधार और गलत है। वहीं अमेरिका द्वारा उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कुछ बातों की ओर संकेत किया था जिसको मजबूती के साथ प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने कुछ सबूत भी दिए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भारत किसी भी देश द्वारा उठाए गए मुद्दों पर बात करने, उनसे निपटने और चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों द्वारा रखे गए मुद्दे एक समान नहीं है। इस संबंध में विदेश मंत्री ने कहा कि अगर किसी देश के सामने किसी तरह की समस्या है तो वह उसे हमारे सामने रख सकते हैं। भारत इनपुट के आधार पर हमेशा ऐसे मामलों को देखने के लिए तैयार रहता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका ने भी मुद्दा उठाया और उसके बारे में इनपुट भी दिए। वही कनाडा को लेकर उन्होंने कहा कि कनाडा को भी हमने बता दिया कि सिर्फ आरोप लगाने की बजाय ठोस सबूत भी देना चाहिए तभी उस पर विचार किया जा सकता है। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका ने भारत से कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह की हत्या की साजिश को लेकर जांच में सहयोग होना चाहिए। इसके बाद अमेरिकी डिपार्मेंट आफ जस्टिस ने निखिल गुप्ता नमक व्यक्ति के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। निखिल गुप्ता को सुपारी किलर हायर करने के बारे में जानकारी दी जा रही थी। यह जानकारी निखिल गुप्ता को कोई भारतीय अधिकारी दे रहा था। वहीं विदेश मंत्रालय इस मामले को पता लगाने में जुटा हुआ है कि क्या सच में कोई अधिकारी इसमें शामिल था। केंद्र सरकार ने भी इस मामले में एक जांच कमेटी का गठन पहले ही कर दिया है।

अरविंद केजरीवाल को ईडी का समन, शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए 21 दिसंबर को बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्हें गुरुवार, 21 दिसंबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अरविंद केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पिछले महीने वित्तीय निगरानी संस्था ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह आरोप लगाते हुए सम्मन को नजरअंदाज कर दिया था कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित है।

इसी मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी के दो नेताओं मनीष सिसौदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इस साल अप्रैल में कथित शराब घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल से भी पूछताछ की थी। दिल्ली में सीबीआई मुख्यालय में नौ घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जांच एजेंसी ने उनसे 56 सवाल पूछे।

केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई से साढ़े नौ घंटे तक पूछताछ हुई। मैंने सभी सवालों के जवाब दिए। पूरा कथित शराब घोटाला झूठा और घटिया राजनीति है। आप 'कट्टर ईमानदार पार्टी' है। वे आप को खत्म करना चाहते हैं लेकिन देश की जनता हमारे साथ है।

विकसित भारत बनने का खोखला सपना दिखा रही भाजपा: अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा गरीबों को अपनी राजनीति का मोहरा बनाने का काम कर रही है। भाजपा सरकारें जनता की बातें नहीं सुनना चाहती है, वे सिर्फ अपने मन की बात सुनाती हैं। विपक्ष के प्रति उसका रवैया उपेक्षा का है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में उसका विश्वास नहीं है।

अखिलेश ने कहा कि आज देश को विकसित भारत बनने का खोखला सपना दिखाया जा रहा है। जिस देश में आज भी करोड़ों लोगों को दो वक्त की रोटी और रोजगार उपलब्ध न हो, अन्नदाता किसान कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर रहा हो और महिलाएं-बच्चियां रोज दुष्कर्म की शिकार हो रही हों, वहां गारंटी की घंटी बजाकर लोगों को धोखा देना कहां तक उचित है। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी हताशा में डूबी हुई है। उसके पास न शिक्षा की व्यवस्था है और न ही रोटी-रोजगार की गारंटी है। देश में व्यापार और उद्योग जगत सरकारी हस्तक्षेप और उत्पीड़न से बुरी तरह परेशान है। उत्तर प्रदेश में निवेश के नाम पर 40 लाख करोड़ के एमओयू होने का दावा किया जा रहा है, पर अभी तक एक भी उद्योग नहीं लगा और न ही किसी को रोजगार मिला है। भाजपा सरकार ने अपनी छापामार एजेंसियों की बदौलत सब तरफ भय का वातावरण बना दिया है।

अखिलेश ने कहा कि जब चीन की घुसपैठ पर देश की सुरक्षा के लिए सुझाव मांगे गए, तब समाजवादी पार्टी ने यह सुझाव दिया कि सैन्य आपातकाल में शीघ्रातिशीघ्र सैनिक और सैन्य सामग्री भेजने के लिए ग्वालियर से लिपुलेक तक एक छह लेन सड़क बनाई जाए, लेकिन बात चार लेन से होकर सिंगल लेन पर पहुंच गई। आने-जाने के सिंगल लेन से तत्काल सैन्य आपूर्ति कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। इस मार्ग से देश की सुरक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति के मानसरोवर के दर्शन का मार्ग भी सुगम होगा। इसलिए भाजपा सरकार इस पर पुनर्विचार करे, राजनीति नहीं।

गृहयुद्ध के कारण म्यांमार के लगभग 6,000 शरणार्थी पहुंचे मणिपुर

-सीएम एन. बीरेन सिंह ने दी जानकारी, खाने-रहने की कर रहे व्यवस्था

सिलचर (एजेंसी)। मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध के कारण लगभग 6,000 लोगों ने मणिपुर में शरण ली है। दक्षिणी असम की बराक घाटी में मणिपुरी समुदाय के एक समारोह में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि म्यांमार में अशांति के कारण महिलाओं और बच्चों सहित अब तक लगभग 6,000 लोग यहां आ चुके हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि हम मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए म्यांमार के लोगों को भोजन और आश्रय दे रहे हैं। चूंकि अस्थिर स्थिति लगातार जारी है, जिसके कारण और भी लोगों के भारत आने की संभावना है। इसके बावजूद सीएम सिंह ने पड़ोसी देश म्यांमार से मणिपुर में हो रही घुसपैठ पर गहरी चिंता भी जताई है। उन्होंने कहा कि कामजोंग और उखरुल जैसे क्षेत्रों में बायोमेट्रिक डेटा संग्रह और प्रोफाइलिंग प्रक्रियाएं चल रही हैं और वहां बढ़े हुए संघर्षों को देखते हुए म्यांमार से सटे बेहियांग जैसे क्षेत्रों में भी इसी तरह की रणनीति अपनाने की घोषणा की। सीएम सिंह ने कहा कि हम उनके साथ शरणार्थियों जैसा व्यवहार नहीं कर सकते, लेकिन मानवीय आधार पर म्यांमार के नागरिकों को भोजन और आश्रय प्रदान कर रहे हैं। हम म्यांमार के नागरिकों को राज्य की सीमाओं के भीतर स्थायी बस्तियां बनाने की अनुमति नहीं देंगे।

हालांकि मणिपुर के अलावा, मिजोरम में भी सेना और लोकतंत्र समर्थक बलों के बीच झड़पों के कारण म्यांमार से ताजा घुसपैठ देखी जा रही है। म्यांमार सेना के तख्तापलट के बाद अब तक निर्वाचित नेताओं समेत 32,000 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने मिजोरम में शरण ली है। नागरिक बलों द्वारा कुछ सेना शिविरों पर नियंत्रण किए जाने के बाद कुल 104 सेना सैनिक भी मिजोरम भाग गए। हालांकि, बाद में भारतीय अधिकारियों ने उन्हें उनके देश वापस भेज दिया। म्यांमार में ताजा लड़ाई के बाद सैकड़ों लोगों ने मणिपुर के कामजोंग में शरण ली है, जो अकेले म्यांमार के साथ 109 किलोमीटर की सीमा के अंदर है।

इसमें मणिपुर के पांच जिले चुराचांदपुर, चंदेल, कामजोंग, तेंगनौपाल और उखरुल म्यांमार के साथ लगभग 400 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। हालां?कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले मणिपुर और मिजोरम सरकारों को दोनों राज्यों में अवैध प्रवासियों का बायोमेट्रिक डेटा एकत्र करने और इस साल सितंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा था। मणिपुर सरकार के कहने पर इसकी समय सीमा एक साल बढ़ा दी गई। हालांकि, पिछली मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार ने पहले इस प्रक्रिया को अंजाम देने से मना कर दिया था और इसके बजाय इस मामले को एमएचए के साथ उठाया था, लेकिन केंद्र ने इस प्रक्रिया पर अधिक जोर दिया था।

पीएम मोदी के मुरीद हुए चिदंबरम...हर चुनाव को आखिरी चुनाव की तरह लड़ते

-2024 में भाजपा के लिए हवा चल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जोरदार जीत ने कांग्रेस को चौंका दिया है। अब तक पीएम नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के नेता और सर्वे ही यह कह रहे थे कि 2024 में भगवा सत्ता फिर आने की संभावना है, लेकिन अब कांग्रेसी भी ऐसा ही मानते दिख रहे हैं। दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने माना है कि 2024 में हवा भाजपा की ओर दिख रही है। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों के नतीजे हमारे लिए चिंताजनक हैं, और हैरान कर देने वाले हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने भाजपा की मजबूती और उसके रणनीतिक कौशल की भी तारीफ की। चिदंबरम ने कहा कि भाजपा हर चुनाव को इसतरह लड़ती है, जैसे यह उसके लिए आखिरी लड़ाई हो। इस बात को विपक्षी दलों को समझना होगा।

चिदंबरम ने कहा, भाजपा की तीन राज्यों में जीत ने 2024 के आम चुनाव से पहले भाजपा को बड़ी ताकत दी है। कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ और राजस्थान की हार अप्रत्याशित थी। ये नतीजे हमारे लिए चिंताजनक हैं और मुझे लगता है कि पार्टी नेतृत्व इस समझेगा और कमजोरी को दूर करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 4 बड़े राज्यों के चुनाव में करीब 40 फीसदी वोट मिले हैं। इससे पता चलता है कि कांग्रेस का वोट उससे जुड़ा हुआ है, लेकिन भाजपा ने नए मतदाता भी अपने पाले में लाने में सफलता मिली है।

इस बीच चिदंबरम ने भरोसा जताया है कि कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव में 45 फीसदी वोट हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस को मजबूती से कैंपेन करना होगा। बूथ मैनेजमेंट बेहतर करना होगा और मतदाताओं को पोलिंग स्टेशनों तक लाना होगा। चिदंबरम ने कहा कि एंटी-मुस्लिम, एंटी क्रिश्चियन प्रोपेगेंडा और हाइपर नेशनलिज्म के चलते भाजपा माहौल बना लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन तीन चीजों का घालमेल कर लिया है। इसके अलावा मोदी सरकार जनकल्याणकारी योजनाएं भी भाजपा फायदा दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे सबसे ज्यादा चिंता पोलराइजेशन को लेकर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इसका जवाब तलाशना होगा। इतना ही नहीं 2024 से पहले जाति जनगणना के मुद्दे को लेकर चिदंबरम ने कहा कि यह भले ही अहम मसला है, लेकिन चुनाव में निर्णायक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से बेरोजगारी और महंगाई अहम मुद्दे होगा। उन्होंने कहा कि हर सर्वे में यही बात सामने आई है कि ये दो मुद्दे लोगों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने माना कि चुनाव से पहले यदि भाजपा सरकार एनआरसी और सीएए पर जोर देती है, तब उसका भी असर दिखेगा।

क्रिसमस पार्टी के दौरान गोलीबारी, मरने वालों की संख्या 16 पहुंची

साल्वाटियेरा । मैक्सिको के उत्तर-मध्य राज्य गुआनाजुआतो के साल्वाटियेरा शहर में एक क्रिसमस पार्टी के दौरान बंधूकधारियों के हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। अभियोजकों ने इसकी जानकारी दी। राज्य अभियोजकों ने बताया कि सलामांका शहर में गोलीबारी में चार अन्य लोगों की भी मौत हुई। हालांकि, उन्होंने हमले की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित पोसाडा' नामक क्रिसमस पार्टी के बाद एक कार्यक्रम हॉल से बाहर निकल रहे थे, तभी बंदूकधारियों ने उन पर गोलियां चला दी। शहर में 'जलिस्को कार्टेल' और 'सिनालोआ कार्टेल' द्वारा समर्थित स्थानीय गिरोहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर खूनी संघर्ष लंबे समय से चल रहा है।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए सेना की तैनाती को लेकर मिली मंजूरी

ढाका । बांग्लादेश में सात जनवरी 2024 को होने वाले आम चुनाव से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने में नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सेना की टुकड़ियों को तैनात किया जाएगा। बांग्लादेश चुनाव आयोग के सचिव मोहम्मद जहांगीर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने आगामी आम चुनाव के दौरान सेना की तैनाती को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। श्री आलम ने कहा कि सेना के जवानों को एक बल के रूप में तैनात किया जाएगा। यह निर्णय राष्ट्रपति और मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल के बीच हुई बैठक में लिया गया। इसके पहले, आयोग ने बढ़ते राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में सात जनवरी के आम चुनाव की तैयारी के लिए 29 दिसंबर से 13 दिनों के लिए देश भर में सैनिकों को तैनात करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। सत्तारुढ़ एएल पार्टी के महासचिव ओबैदुल कादर ने कहा कि वह जातीय पार्टी और अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ कुछ सीटें साझा करने वाले हैं, और इसतरह निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के उम्मीदवारों को वापस ले सकते हैं।

भीषण तूफान से 14 लोगों की मौत

ब्यूनस आयर्स। ब्यूनस आयर्स प्रांत के कुछ हिस्सों में जीवन और संपत्ति क्षति संकेतक नारंगी अलर्ट जारी होने के बाद रविवार को पूर्वी अर्जेंटीना में आए भयंकर तूफान से हुई बारिश और 150 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं हवाओं से दक्षिण में बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं पड़ोसी उरुग्वे में भी दो लोगों के मारे जाने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तूफान ने सबसे पहले 16 दिसंबर को ब्यूनस आयर्स से लगभग 570 किमी (355 मील) दक्षिण में बंदरगाह शहर बाहिया ब्लैंका में दस्तक दी, इससे इमारतों को नुकसान पहुंचा और रविवार को राजधानी शहर की ओर बढ़ने से पहले बिजली गुल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बाहिया ब्लैंका से टकराने के बाद, तूफान के कारण रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के दौरान एक खेल केंद्र की छत का हिस्सा गिर गया, इससे 13 लोगों की मौत हो गई जब ?कि 14 अन्य घायल हो गए, इनमें से कुछ मलबे के नीचे फंसे हुए थे। रविवार को, बाहिया ब्लैंका के उपनगर मोरेनो शहर में एक पेड़ की शाखा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को नवनियुक्त राष्ट्रपति जेवियर माइली ने नुकसान का सर्वेक्षण करने के लिए कई मंत्रियों के साथ बाहिया ब्लैंका की यात्रा की। उनके कार्यालय ने कहा कि पीड़ितों की सहायता करने और क्षति को नियंत्रित करने के लिए सरकार प्रांतीय और नगर निगम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

न्यायाधीशों व उनके जीवनसाथियों को जामा-तलाशी से छूट

करांची। पाकिस्तान में न्यायाधीशों व उनके जीवनसाथियों को जामा-तलाशी से छूट के आदेश दिए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पाक के विमानन मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद सेवारत न्यायाधीशों और उनके जीवन साथियों को देश के सभी हवाई अड्डों पर जामा-तलाशी से छूट दे दी। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विमानन सचिव के निर्देश पर हवाई अड्डा सुरक्षा बल (एएसएफ) के महानिदेशक ने एक आदेश जारी किया है। विमानन मंत्रालय द्वारा 12 अक्टूबर को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि सभी हवाई अड्डों पर पाकिस्तान के सेवारत न्यायाधीशों और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के जीवन साथियों को जामा-तलाशी से छूट दी जाएगी। मी?डिया में 16 दिसंबर को आई खबर में बताया था कि पाकिस्तान विकसित देशों के समान स्व-आव्रजन सेवाओं के लिए कराची, लाहौर और इस्लामाबाद हवाई अड्डों पर 'ईगेट्स' स्थापित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) कंपनी के साथ बातचीत कर रहा है। आव्रजन सूत्रों की मानें तो ई-पासपोर्ट धारक यात्री ही 'ई-गेट्स' सुविधा का फायदा उठा सकेंगे।

श्रीलंका को आर्थिक मंदी से मुक्ति दिलाने आईएमएफ का कोई विकल्प नहीं

कोलंबो । श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। बता दें कि पिछले हफ्ते आईएमएफ ने श्रीलंका को 33.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर की दूसरी किश्त जारी करने की मंजूरी दे दी। इस दौरान सुधारों के विरोध में विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना का जवाब देते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि उन्होंने आईएमएफ कार्यक्रम को चुना क्योंकि यह एकमात्र उपलब्ध विकल्प था। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे वित्त मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि जो सिर्फ लोगों को खुश करने के लिए बयान देते हैं वे आवश्यक कठोर निर्णय लेने के लिए तैयार नहीं होते हैं। मैंने आईएमएफ कार्यक्रम को चुना क्योंकि यह एकमात्र उपलब्ध विकल्प था। उन्होंने कहा और सभी राजनीतिक दलों से 2.9 अरब अमेरीकी डॉलर के बेलआउट की निंदा करते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह किया। हालांकि हमें अतीत की आर्थिक गलतियों को सुधारने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। विक्रमसिंघे ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वे आईएमएफ कार्यक्रम पर फिर से बातचीत करेंगे, यह सरासर झूठ है।

दो करोड़ लेकर अपने राष्ट्रीय पशु मारखोर का पाकिस्तान ने कराया शिकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने ही राष्ट्रीय पशु मारखोर का शिकार कराने के बदले दो कराड़ रुपए लिए है। अमेरिकी शख्स ने भुगतान कर इसके शिकार की अनुमति पाकिस्तान से ली थी। डेरॉन जेम्स मिल नाम के अमेरिकी नागरिक ने अक्टूबर में एक नीलामी में 232,000 डॉलर (करीब 2 करोड़ रुपए) की भारी-भरमक बोली लगाकर मारखोर के शिकार की अनुमति हासिल की थी। यह मारखोर के शिकार के लिए अब तक की सबसे बड़ी बोली थी ।बता दें कि मारखोर एक तरीके की जंगली बकरी है और यह पहाड़ी इलाकों में पाई जाती है। इसकी सींग बेशकीमती होती है और करीब 45 इंच तक लंबी होती है। पाकिस्तान हर साल मारखोर के शिकार के लिए नीलामी के जरिए कुछ परमिट जारी करता है। ये परमिट तोशी, चित्राल, गिलगित बाल्टिस्तान, गहरायत जैसी जगहों पर शिकार के लिए मिलते हैं। पिछले साल मारखोर के शिकार की एक नीलामी 167,525 में डॉलर में हुई थी। पाकिस्तानी अफसरों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में मारखोर की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है, इसीलिए ट्रॉफी हंटिंग को बढ़ावा मिला है और इसके शिकार की इजाजत दी गई है। ट्रॉफी हंटिंग प्रोग्राम तहत नीलामी से जो पैसा आता है, उसमें से 80ब स्थानीय लोगों को जाता है जबकि 20ब सरकार अपने पास रखती है। खबरों के मुताबिक नीलामी के बावजूद सिर्फ नर और बुजुर्ग हो चुके मारखोर का ही शिकार करने की इजाजत मिलती है। हाल के दिनों में एक वर्ग पाकिस्तान सरकार की इस नीति की खासी आलोचना करता रहा है। आपको बता दें कि मारखोर पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है।

किम जोंग ने पूर्वी समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल ; जापान अलर्ट

सिओल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संयुक्त परमाणु निरोध को मजबूत करने का आह्वान किया है। साथ ही कहा कि उत्तर कोरिया ने सोमवार के मिसाइल लॉन्च में ठोस ईंधन आधारित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का इस्तेमाल किया है। गौरतलब है ?कि उत्तर कोरिया ने सोमवार सुबह भी एक बैलिस्टिक मिसाइल पूर्वी सागर की तरफ दागी है।

ऑस्ट्रेलिया में आई भीषण बाढ़ की हवाई सर्वेक्षण के दौरान ली गयी तस्वीर।

रूस और यूक्रेन ने ड्रोन से एक-दूसरे के ठिकानों पर किए हमले

कीव । रूस और यूक्रेन ने लगातार दूसरे दिन एक-दूसरे के ठिकानों पर 12 से अधिक ड्रोन हमले किए। इस दौरान यूक्रेन ने रूस के एक सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया जबकि काला सागर तट के निकट ड्रोन का मलबा गिरने से यूक्रेन का एक नागरिक मारा गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर जारी एक संदेश में कहा कि दक्षिण-पश्चिमी रूस के तीन क्षेत्रों में रात में यूक्रेन के कम से कम 35 ड्रोन को मार गिराया गया है। वहीं एक रूसी टेलीग्राम चैनल के अनुसार यूक्रेन द्वारा निशाना बनाए गए रूसी ठिकानों में उसका एक सैन्य हवाई अड्डा भी शामिल है, जहां बमवर्षक विमान रखे जाते हैं। हालां?कि चैनल ने मकानों के ऊपर से उड़ते ड्रोन का लघु वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें दावा किया गया कि यह रूसी शहर मोरोजोवस्क का है। इसी शहर में स्थित रूसी सैन्य हवाई अड्डे पर रूस के वायुसेना की 559वीं 'बॉम्बर एविएशन रेजिमेंट' भी तैनात है।

इस हमले के बाद रूस के रोस्तोव प्रांत के गवर्नर वसीली गोलुबेव ने एक अलग बयान में मोरोजोवस्क और पश्चिम में एक अन्य शहर के पास बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने लेकिन सैन्य हवाई अड्डे का जिक्र नहीं किया। गोलुबेव ने कहा कि अधिकतर ड्रोन मार गिराए गए हैं और कोई भी इसमें हताहत नहीं हुआ। उन्होंने नुकसान को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की थी। हालां?कि यूक्रेन की वायुसेना ने रविवार को कहा कि उसने दक्षिणी और पश्चिमी यूक्रेन में रूसी सैनिकों द्वारा रात में भेजे गए 20 ईरान निर्मित ड्रोन को मार गिराया है।

पड़ोसी देश फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से पुतिन नाराज, दे दी धमकी

मास्को (एजेंसी)। अपने पड़ोसी देश फिनलैंड के नाटो में शामिल होने से रूस नाराज हो गया है। इसी कारण से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में नाटो में शामिल हुए फिनलैंड को बड़ी धमकी दी है। पुतिन ने कहा कि पड़ोसी फिनलैंड इस साल नाटो में शामिल हो गया है और उसे अब समस्याएं हो सकती हैं। गौरतलब है कि फिनलैंड रूस का पड़ोसी देश है और उससे 1300 किमी की सीमा साझा करता है। फिनलैंड का नाटो में शामिल होना पूरे उत्तरी यूरोप के सुरक्षा परिदृश्य के लिए बड़ा बदलाव माना जा रहा है। फिनलैंड के नाटो में शामिल होने को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए बहुत बड़ा झटका माना जाता है जो लंबे समय से अमेरिका के नेतृत्व वाले इस सैन्य संगठन के विस्तार का कड़ा विरोध करते रहे हैं। पुतिन ने इससे पहले कहा था कि यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकने के लिए उन्होंने विशेष सैन्य अभियान शुरू किया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वे पश्चिमी देश फिनलैंड को अपने साथ मिला लिए और उसे नाटो में शामिल कर लिया। उन्होंने फिनलैंड पर कहा, इसमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन अब वहां हो सकती है। क्योंकि अब हम लेनिनग्राड मिलिट्री डिस्ट्रिक का निर्माण करेंगे। निश्चित रूप से वहां पर सैन्य यूनिटों की तैनाती की जाएगी।

पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पुतिन ने यूक्रेन पर कब्जा कर लिया तो वह आगे बढ़ना जारी रखेंगे। इस पर बाइडन ने सुझाव दिया था कि रूस एक नाटो सहयोगी देश पर हमला कर सकता है और अमेरिकी सैनिकों को भी जंग में आगे कर सकता है। बाइडन के बयान पर पुतिन ने कहा कि रूस के पास कोई कारण नहीं है, कोई हित नहीं है, न ही भूराजनीतिक न ही आर्थिक, न ही राजनीतिक या सैन्य कारण है, जिसकी वजह से नाटो देशों के साथ युद्ध किया जाए। बता दें कि फिनलैंड नाटो का 31वां सदस्य देश बन गया है। गत अप्रैल महीने में फिनलैंड नाटो में शामिल हुआ था। इससे अब उत्तरी यूरोप की तरफ से भी नाटो की सीमा रूस से मिलने लगी है।

डब्ल्यूएचओ ने किया अलर्ट कहा- कोरोना के 68 फीसदी मामले सबवैरिएंट जेएन.1 की वजह से हैं

जिनेवा (एजेंसी)। देश दुनिया में एक बार फिर कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। भारत भी साढ़े 3 सौ से अधिक लोग संक्रमित पाए गए है। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए अलर्ट जारी किया है। साथ यह भी कहा कि कोरोना वायरस फैल रहा है और फिलहाल कोरोना के 68 फीसदी मामले सबवैरिएंट जेएन.1 की वजह से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सदस्य देशों से अपील की है कि वह मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग संबंधी नियमों को लागू करें और कड़ी निगरानी करें।

सांस संबंधी बीमारियों के बढ़ने और कोरोना के नए सबवैरिएंट जेएन.1 को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सदस्य देशों को आगाह किया है। डब्लूएचओ ने कहा है कि वायरस अपना स्वरूप बदल रहे हैं। ऐसे में सभी सदस्य देश अपने यहां मजबूत सर्विलांस रखें ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। डब्लूएचओ ने कोविड19 पर संगठन की टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोव का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस वीडियो में केरखोव ने सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की वजह बताई है और इन्हें रोकने के लिए क्या सावधानी रखने की जरूरत है, उसकी भी जानकारी दी है।

मारिया वान केरखोव ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सांस संबंधी बीमारियां दुनिया में लगातार बढ़ रही हैं। इनमें कोरोना वायरल, फ्लू, रिनो वायरस, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और अन्य बीमारियां शामिल हैं। सार्स कोव-2 लगातार अपने आप को बदल रहा है। कोरोना का सबवैरिएंट जेएन.1 भी फैल रहा है। केरखोव ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की कई वजह है, इनमें एक मौजूदा छुट्टियों का सीजन भी है, जिसमें परिवार इकट्ठा होते हैं और बड़ी संख्या में लोग यात्राएं करते हैं। ऐसे में सरकारों को कड़ी निगरानी करने की जरूरत है।

शरणार्थी शिविर पर इजरायली सेना ने किया हमला, 90 की मौत

गाजा पट्टी (एजेंसी)। इजरायली सेना गाजा पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। किसे मारा जा रहा है और कोन प्रभावित हो रहे है इससे भी सेना का कोई वास्ता नहीं है। ऐसा ही एक हमला शरणार्थी शिविर पर किया है जिसमें करीब 90 लोगों की मौत हो गई है।उत्तरी गाजा में हुए इस हमले में 100 से ज्यादा फिलिस्तीनी लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिपोर्ट में बताया गया है कि रविवार को जबालिया शहर में ये अटैक हुआ है। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी मारे गए हैं। वहीं दर्जनों लोग लापता हैं।हमले के बाद स्थानीय लोग घायलों की तलाश कर रहे हैं, माना जा रहा है कि मलबे के नीचे और शव दबे हो सकते हैं। बड़ी संख्या में घायलों के आने से आसपास के अस्पतालों में भी उपापोह की स्थिति हो गई क्योंकि चिकित्सा केंद्र पहले से ही रोगियों से भरे हुए हैं। इस हमले में मरने वालों में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद समूह के प्रवक्ता दाऊद शेहाब का बेटा भी शामिल है। इसकी जानकारी संगठन के ही एक कमांडर ने स्थानीय मीडिया को दी है।

इजराइल ने दक्षिणी गाजा में बीते कुछ दिनों में अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है। इससे खान यूनिस और राफा शहर प्रभावित हुए हैं, जहां अधिकांश विस्थापित फिलिस्तीनी शरण ले रहे हैं। दक्षिण में बढ़ती बमबारी से मानवीय संकट भी पैदा हो रहा है। लोगों के सामने भोजन और पानी का संकट खड़ा हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि करीब 19 लाख लोग यानी गाजा की लगभग 80 प्रतिशत आबादी युद्ध के चलते विस्थापित हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, यूएनआरडब्ल्यूए की ओर से गाजा के हालात पर लगातार चिंता जताई गई है।हमले के बाद जो लोग लापता हैं, उनके परिजन मलबे के नीचे शवों को ढूंढ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबे के नीचे मृत लोगों की संख्या बहुत बड़ी है, लेकिन उन्हें निकालने का उनके पास फिलहाल कोई रास्ता नहीं है।

कश्मीर मामला सुलझाये बगैर दक्षिण एशिया में शांति स्थापना मुश्किल : मुनीर

-यूएनएससी प्रस्ताव की उपेक्षा को लेकर पाक सेना प्रमुख ने की यूएन चीफ गुटेरेस से वार्ता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान को लेकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ बैठक की है। मुनीर ने यूएन चीफ से कहा है कि जब तक कश्मीर का मामला नहीं सुलझता तब तक दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करना मुश्किल है, क्योंकि कश्मीर का मामला सिर्फ कश्मीरियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे इलाके के लिए अहमियत रखता है। पाक सेना के मीडिया विंग के अनुसार मुनीर ने गुटारेस से कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यूएनएससी के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार लंबे समय से चले आ रहे कश्मीर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान खोजना चाहिए। ये दक्षिण एशिया में शांति बनाने के लिए जरूरी है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गुटेरेस के साथ बैठक में मुनीर ने भारत के जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म करने के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि भारत की संसद और कोर्ट ने यूएनएससी प्रस्तावों की उपेक्षा करते हुए कश्मीर की स्थिति को बदलने की दिशा में एकतरफा कदम उठाए हैं, जिसकी निंदा की जानी चाहिए।

अपने अमेरिका दौरे के दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने यूएन चीफ के अलावा वाशिंगटन में रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन समेत कई अमेरिकी अफसरों के सामने भी कश्मीर मुद्दा उठाया है। मुनीर ने सभी के सामने ये बात दोहराई है कि भारत का फैसला एकतरफा और गैरकानूनी है, ऐसे में इस पर दुनिया को आगे बढ़ते हुए कोई कदम उठाना चाहिए। मुनीर का कहना है कि भारत जिस तरह के कदम उठा रहा है, वह इलाके की शांति के लिए भी उचित नहीं हैं।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट के कश्मीर से 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखने का फैसला आने के बाद असीम मुनीर के अलावा पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर भी कड़ी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। हक ने भी भारत के कदम को पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कहा है। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने यूएन और ओआईसी को इस मामले में चिट्ठी भी

लिख दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा है कि भारत को ऐसे कदम उठाने से रोका जाना चाहिए।

नासा ने ढूंढे 17 ऐसे ग्रह जिनके नीचे विशाल महासागर के साथ एलियंस भी मौजूद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने 17 ऐसे ग्रहों की खोज की है, जिनके नीचे विशाल महासागर हो सकते हैं, इसके साथ ही यहां पर एलियंस की मौजूदगी भी हैरान करने वाली है। नासा के अनुसार यहां की बर्फीली सतह के नीचे जीवन को सपोर्ट करने वाले महासागर मौजूद हो सकते हैं। दुनियाभर की अन्य एजेंसियों की तरह ही नासा भी पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर जीवन की तलाश कर रही है। यह माना जा रहा है कि कुछ ग्रह पर भले ही बहुत ज्यादा ठंड हो, लेकिन उनकी बर्फीली सतह के नीचे जीवन मौजूद हो सकता है। नासा ने जारी एक बयान में कहा कि इन महासागरों का पानी कभी-कभी बर्फ की परत के जरिए गीजर के रूप में सतह से बाहर निकलता है। हालांकि साइंस टीम ने इन एक्सोप्लैनेट पर गीजर गतिविधि की मात्रा की गणना करते हुए पहली बार ये अनुमान लगाए गए हैं। इन 17 एक्सोप्लैनेट्स को खोजने का काम नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर की डॉ. लिने क्रिक के नेतृत्व वाली

टीम ने किया है। उन्होंने इन एक्सोप्लैनेट्स को लेकर एक स्टडी भी जारी की है, जिसमें इनके बारे में ज्यादा जानकारी दी गई है।

एक अध्ययन में इस बात पर फोकस किया गया है कि हैबिटेबल जोन की बजाय हमें ठंडे एक्सोप्लैनेट्स पर जीवन ढूंढने के लिए काम करना चाहिए। ठंडे ग्रहों की बर्फीली सतह के नीचे महासागर मौजूद हो सकते हैं। इसमें बताया गया है कि ग्रह के नीचे मौजूद महासागर इसके इंटरनल हीटिंग मैकेनिज्म का इस्तेमाल कर रहे होंगे। हमारे सौरमंडल में मौजूद यूरोपा और इंक्लेडस नाम के चंद्रमाओं पर भी ऐसा ही होता है। डॉ. लिने क्रिक ने बताया कि हमारे विश्लेषण के मुताबिक इन 17 बर्फीली दुनियाओं में बर्फ से ढकी सतहें मौजूद हो सकती हैं। मगर इन ढकी सतहों के नीचे मौजूद महासागरों में पानी को जमने से बचाने के लिए इनके सूर्य से रेडियोएक्टिव तत्व और ज्वार बल की मदद मिल रही होगी। इन दोनों चीजों की मदद से इतनी हीटिंग मिल रही होगी, जो पानी को आसानी से जमने नहीं देती है। इसी हीटिंग के चलते कई बार महासागरों का पानी सतह को चीरकर बाहर भी आ रहा है। हालांकि, इस स्टडी में ये नहीं बताया गया है कि ग्रहों की बनावट किस तरह से हुई है। मगर पानी की मौजूदगी कहीं न कहीं इस बात संकेत भी देती है कि इन ग्रहों पर जीवन हो सकता है। ये भी बताया गया कि जीवन अभी बैक्टीरिया और माइक्रोब्स की अवस्था में हो। हालांकि, नासा की स्टडी में ग्रहों पर जीवन की मौजूदगी के बारे में ज्यादा कुछ विस्तार से नहीं कहा गया है। ऐसे में किसी ठोस नतीजे पर पहुंचना जल्दबादी होगी।

ईरान में सबसे ज्यादा दी जा रही फांसी, 10 महीने में 604 को दी मौत

तेहराइन। इरान में धड़ाधड़ दी जाने वाली फांसी को लेकर सभी जगह चर्चा हो रही है। यहां मात्र दस महीने में 604 लोगों को फांसी पर लटका दिया है। ईरान ने अपने नागरिक को इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करने का दोषी पाया था। खुफिया डॉक्यूमेंट्स को आधार बना ईरान ने फांसी देने वाले शख्स पर जासूसी का आरोप लगाया और फिर आखिरकार उसे फांसी पर लटका दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक अकेले पिछले 10 दिनों में 42 लोगों को ईरानी प्रशासन ने मौत के घाट उतार दिया। इस तरह अगर देखें तो हर 6 घंटे में एक शख्स को फांसी दी गई। ईरान अंदरूनी समस्याओं से लगातार जूझ रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत है वहां अर्थव्यवस्था और दूसरा देश का सख्त इस्लामिक कानून। इस्लामिक कानूनों का ही हवाला देकर वहां की सरकार महिलाओं पर पाबंदी और बेहिसाब फांसी की सजाएं देती रही है। ईरान को लेकर काम करने वाली मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक महस अमीनी की पुलिस कस्टडी में गई जान के बाद जो हिजाब विरोधी प्रदर्शन हुए, उसमें कम से कम 229 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। इसी साल की बात है, नवंबर के महीने में संयुक्त राष्ट्र संघ ने ईरान में बड़े पैमाने पर हो रही फांसी को एलार्मिंग बताया था। 2023 के शुरुआती सात महीनों में 419 लोगों को फांसी की सजा दे दी गई। 2022 की तुलना में यह 30 प्रतिशत तक अधिक था. वहीं एक दूसरे रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के शुरुआती 10 महीनों में 604 लोगों को फांसी दे दी गई। यह संख्या पिछले आठ साल में सबसे अधिक थी। साल 2015 में सबसे अधिक 972 लोगों को ईरान में फांसी दी गई थी। नवंबर महीने में जिन लोगों को फांसी दी गई, उनमें दो महिलाएं जबकि एक बच्चा शामिल था। मरने वाले लोगों में सबसे अधिक कुर्दिश और बलूची लोग हैं। कर्दिश और बलूची आबादी ईरान में अल्पसंख्यक है।

दुबई में आज होगी आईपीएल नीलामी , 10 टीमें भाग लेंगी

119 विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल 333 खिलाड़ी शामिल

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 वें सत्र के लिए मंगलवार को दुबई में नीलामी होगी। ये पहली बार है जब विदेश में आईपीएल नीलामी होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इस नीलामी में 10 टीमें शामिल होंगी। इसमें 333 खिलाड़ी और 77 स्लॉट रखे गये हैं। इस साल की नीलामी के लिए कुल 1166 खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण कराया था जिसमें से 333 नामों को अंतिम रुप से शामिल किया गया है। इसमें 214 भारतीय और 119 विदेशी खिलाड़ी हैं। वहीं 116 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 215 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। दो खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी हैं। इस नीलामी के जरिए 10 टीमों में कुल 77 खिलाड़ी हैं। वहीं 30 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित किया गा गया हैं। इस बार होने वाली नीलामी छोटी रहेगी। गुजरात के पास सबसे अधिक 38.15 करोड़ रूपए है, ऐसे में उन्हें नीलामी में उन्हें दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल आठ खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना है। आईपीएल की दूसरी सबसे नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के पास 13.15 करोड़ रूपये है और उसे दो विदेशी खिलाड़ियों सहित कुल छह खिलाड़ियों को रखना है। इस नीलामी में अधिकतम 262.95 करोड़ रूपये खर्च किए जा सकते हैं। 333 खिलाड़ियों को 19 अलग-अलग समूहों में बांटा गया है, जिसमें बल्लेबाज़, ऑलराउंडर, तेज गेंदबाज, स्पिनर, विकेटकीपर के समूह और कैप्ड (अनुभवी) व अनकैप्ड (गैरअनुभवी) खिलाड़ियों के समूह शामिल हैं। इसमें 23 खिलाड़ियों के अधिकतम दो करोड़ के आधार मूल्य वाले समूह हैं। इसमें मिचेल स्टार्क, ट्रैविस हेड, उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा 13 खिलाड़ियों का अपना आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए है।

वहीं इंग्लैंड के बेन स्टोक्स, जो रूट और जोफ्रा आर्चर इस सत्र के लिए शामिल नहीं हैं जबकि केदार जाधव, लिटन दास और शाकिब अल हसन का भी नाम नीलामी सूची में नहीं है। इस सूची में स्टार्क का सबसे ऊपर है। वह आठ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे हैं ऐसे में उनपर सभी टीमों बड़ी रकम लगा सकती हैं। वहीं कीवी बल्लेबाज रचिन रविंद्र का आधार मूल्य 50 लाख है, लेकिन उनके लिए इससे कई गुना अधिक की बोली लग सकती हैं। युव भारतीय खिलाड़ी शार्दुल ठाकुर, हर्षल पटेल और शाहरूख खान का नाम भी इस सूची में शामिल किया जा सकता सकता है। अर्शीन कुलकर्णी, कुमार कुशाग्र, मुशीर खान, समीर रिजवी और कुछ अन्य युवा अनकैप्ड चेहरे इस नीलामी में हो सकते हैं।

अभी एक साल और टेस्ट प्रारुप खेल सकते हैं वार्नर : हीली

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली का मानना है कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अभी एक साल और खेल सकते हैं। हीली के अनुसार वार्नर ने जिस प्रकार पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया था। उसको देखकर अंदाजा होता है कि वह एक और साल तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में वार्नर ने 211 गेंदों पर 164 रन बनाये थे। इससे वह कितना फिट है क्योंकि उसने विकेटों के बीच अपनी तेज दौड़ को बनाये रखी है। मुझे यह काफी पसंद आया। हीली ने कहा, 'अगर वह इस तरह से बल्लेबाजी करता है, तो मेरा मानना है कि वह एक और साल तक खेल सकता है। टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से वह फुटवर्क के कारण संघर्ष कर रहा था पर पाक पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उसका फुटवर्क, संतुलन और बल्ले की गति सब कुछ शानदार रहा।

गौरतलब है कि वार्नर को पिछले कुछ समय में खराब प्रदर्शन के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। टीम के उनके पूर्व साथी मिचेल जॉनसन ने भी कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में वार्नर की जगह किसी अन्य सलामी बल्लेबाज को अवसर देना चाहिये पर हीली ऐसा नहीं मानते। हीली ने कहा, 'मुझे उसके बारे में जो बात पसंद है वह है उसका लगातार खेलने के बाद भी अपनी फिटनेस बनाये रखना। हम सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन से जीत हासिल की। सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर इस सीरीज का आखिरी मैच खेलने के बाद वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे।

अश्विन के पास है लायन का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लायन ने पर्थ टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। लायन ने इस मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने नाम 500 टेस्ट विकेट कर लिए हैं। इस ऑफ स्पिनर के नाम 123 टेस्ट मैच में 500 विकेट हो गए हैं। इस प्रकार वह विश्व के उन 8 गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के पास लायन को जल्दी ही पीछे छोड़ने का अवसर है। अश्विन सबसे तेजी से विकेट लेने के मामले में भी लायन को पीछे छोड़ सकते हैं। अब तक सबसे अधिक विकेट लेने वालों में श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 टेस्ट विकेट के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर शेन वार्न 708 और तीसरे नंबर पर जेम्स एंडरसन 690 विकेट हैं। भारतीय स्पिनर कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे स्थान पर हैं। कुंबले के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैक्ग्रा 563, कर्टनी वॉल्श 519 और नाथन लायन 501 का नंबर आता है. अश्विन 500 से अधिक विकेट वाले एलीट क्लब में सबसे पहले शामिल हो सकते हैं क्योंकि अश्विन अभी इस आंकड़े से केवल 11 विकेट से पीछे हैं। अश्विन के पास इसी माह दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर अपने 500 विकेट पूरे करने का अवसर है। अब तक सबसे कम मैचों में मुरलीधरन ने ये विकेट लिए हैं। लायन ने 500 टेस्ट विकेट 123 टेस्ट मैच में लिए हैं जबकि अश्विन इस आंकड़े तक 96 या 97 टेस्ट मैच में ही पहुंच सकते हैं। इससे पहले अश्विन का आंकड़ा अभी 94 टेस्ट मैच में 489 विकेट का है। अगर अश्विन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2 टेस्ट मैचों में अश्विन 11 विकेट ले लें तो 500 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय में हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी भारतीय टीम

-रजत और रिंकू को मिल सकता है अवसर

गक्बेरहा (एजेंसी)। के एल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले एकदिवसीय में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और आवेश खान के सामने टिक नहीं पायी थी और भारतीय टीम को आठ विकेट से जीत मिली थी। पहले ही मैच में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे मेजबान टीम पर दबाव बढ़ा है। भारतीय टीम इस दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाज रजत पाटीदार और आक्रामक खिलाड़ी रिंकू सिंह को अवसर दे सकती है।

कप्तान राहुल दक्षिण अफ्रीका के पिछले दौरे में मिली हार का हिसाब भी इस दौरे में सीरीज जीतकर बराबर करना चाहेंगे। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टेस्ट टीम से जुड़ने के कारण टीम में एक बल्लेबाज के लिए जगह खाली हुई है। जिसके लिए रिंकू और रजत में मुकाबला है। रिंकू ने पिछले एक साल के अंदर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 मैचों में अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि वह हालात के अनुरुप खेलकर टीम को जीत दिलाने में माहिर हैं।

दक्षिण अफ्रीका में उछाल वाली पिचों पर भी रिंकू की बल्लेबाजी सहज रही है। टीम में अभी उनकी भूमिका फिनिशर की है, ऐसे में चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह के लिए रजत का दावा ज्यादा मजबूत दिखता है।घरेलू मैचों में वह इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। पाटीदार 2022 में भी भारतीय एकदिवसीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे पर उन्हें अंतिम एकादश में अवसर नहीं मिला था। इसके बाद सर्जरी के कारण वह खेल से बाहर रहे।

इस श्रृंखला में मैच फिनिशर की भूमिका के लिए अनुभवी संजू सैमसन को अवसर दिया गया है। वह छठे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। लिस्ट ए क्रिकेट में रिंकू का औसत तकरीबन 50 का है, ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए दोनो ही अहम हैं। इस मैच में रजत और रिंकू दोनों को भी अवसर मिल सकता है पर ऐसे में तिलक वर्मा या सैमसन में से किसी एक को बाहर बैठना होगा पर इन दोनो को ही बाहर रखे जाने की उम्मीद कम है। पहले मैच में तिलक को केवल तीन गेंद खेलने का मौका मिला जबकि सैमसन को बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। पहले मैच में युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतक लगाया था जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी क्विंटन डिकॉक के खेल संन्यास के बाद टीम में तालमेल बनाना भी कठिन हुआ है। डिकॉक की आक्रामक बल्लेबाजी से रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन्स और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज निडर होकर खेल पाते थे पर डिकॉक के बाहर होने के बाद इसमें बाधा आई है। डिकॉक के बिना उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा।

मेरा प्रदर्शन खराब होने के कारण धोनी को मिली जगह : पार्थिव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके समय के कई विकेटकीपरों को टीम में जगह मिलना बंद हो गया था। धोनी के उदय के बाद ही दिनेश कार्तिक , दीप दासगुप्ता और पार्थिव पटेल को भविष्य अधर में पहुंच गया था। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने टीम में आने के बाद से ही अपनी शानदार विकेटकीपिंग और आक्रामक बल्लेबाजी से अपनी जगह पक्की कर ली थी। धोनी के टीम में आने के बाद कार्तिक और पार्थिव बाहर रहे पर विकल्प के तौर पर ऋद्धिमान साहा को टीम में कुछ अवसर मिले। अब पार्थिव ने कहा है कि धोनी को टीम में जगह इसलिए मिली क्योंकि मेर प्रदर्शन खराब हो गया था। पार्थिव ने कहा, ' धोनी महान रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है पर अपने पहले कप्तान के लिए आपके मन में जगह होती है और मेरे मन में भी ये है। मैंने सीएसके की ओर से 3 साल तक खेला है। मैं यह कह सकता पर मैंने अपना टेस्ट और एकदिवसीय पदार्पण धोनी के आने से पहले किया था।.' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा प्रदर्शन खराब हो गया था, इसीलिए धोनी को चुना गया। इसलिए मुझे लगता है कि टीम में जगह उन्हें अपने प्रदर्शन के कारण मिली है।' टीम में सभी को आने का अवसर मिलता है जिसमें अपने को साबित करना होता है जिसमें धोनी सफल रहे।

विलियमसन की एक वर्ष बाद हुई टी20 टीम में वापसी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के सीमित ओवर कप्तान केन विलियमसन को एकदिवसीय और टेस्ट के बाद अब बंग्लादेश के विरुद्ध खेले जाने वाली घरेलू टी-20 श्रृंखला की भी कप्तानी दी गई है। इस श्रृंखला के साथ ही उनकी एक वर्ष के बाद टी-20 टीम में वापसी हो रही है। जहॉ सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे को टी-20 से आराम दिया गया है, वहीं माइकल ब्रेसवेल, लॉकी फ़र्ग्यूसन, मैट हेनरी और हेनरी शिपली अलग-अलग चोटों के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। विलियमसन ने अपना पिछला टी-20 पिछले वर्ष नवंबर में भारत के खिलाफ खेला था। उन्हें इस साल के आईपीएल के पहले मैच के दौरान पैरों में चोट लगी थी और उनकी सर्जरी हुई थी।

इसके बाद उन्होंने अक्तूबर-नवंबर में हुए वनडे विश्व कप के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। ट्रेंट बोल्ट जिन्होंने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर नहीं किया है अपने आपको चयन के लिए अनुपलब्ध बताया। टीम में ऑलराउंडर जेम्स नीशम की भी वापसी हुई है तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'जिस तरह से हमने एकदिवसीय विश्वकप के लिए अलग से तैयारी की थी और रचिन रवींद्र और माक 'चैपमैन जैसे खिलाड़ी उभरे थे, उसी तरह हम टी-20 विश्वकप की भी तैयारी कर रहे हैं। टिम साइफ़र्ट हमारे लिए एक ऐसे ही नाम हैं, जो टी20 विश्वकप के दौरान ऊपरी क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अभी टी-20 विश्वकप में समय है और हमें उम्मीद है कि विशेष भूमिकाओं के लिए हमें कुछ और नए खिलाड़ी मिलेंगे। हम टूर्नामेंट की परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजनाएं बना रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम क्रिसमस के बाद 26 दिसंबर को नेपियर में अपना पहला टी-20 मुकाबला खेलेगी।

मुंबई इंडियंस छोड़कर किसी और टीम के लिए खेल सकते हैं रोहित शर्मा? एक बार फिर खुलेगी ट्रेडिंग विंडो

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल ऑक्शन 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंप कर सबको चौंका दिया। जिसके बाद से लगातार फैंस अपनी नाराजगी जता रहे हैं। कई मुंबई इंडियंस फैंस ने फ्रेंचाइजी को सोशल मीडिया से अनफॉलो कर दिया है। तो कुछ फैंस कह रहे हैं कि, रोहित शर्मा को किसी और टीम में चले जाना चाहिए। लेकिन ट्रेडिंग विंडो 12 दिसंबर को ही बंद हो गई जबकि मुंबई ने अपने नए कप्तान की घोषणा इसके बाद की। वहीं अगर हम ये कहें कि ये संभव है कि रोहित शर्मा आगामी आईपीएल सीजन में किसी और टीम के लिए खेलते दिखें, क्योंकि एक बार ट्रेडिंग विंडो खुलने जा रही है।

दरअसल, दुबई में आईपीएल ऑक्शन 2024 होने जा रहा है। इसके एक दिन बाद यानी 20 दिसंबर को ट्रेडिंग विंडो एक बार फिर खुल जाएगी। तो संभव है कि रोहित शर्मा किसी और टीम में ट्रेडिंग के जरिए चले जाएं। रोहित शर्मा की कप्तानी में 2013 में मुंबई इंडियंस पहली बार चैंपियन बनी थी। उसके बाद 2023 तक उन्होंने टीम को 5 बार चैंपियन बनाया। 2024 आईपीएल सीजन से पहले मुंबई ने अपना कप्तान बदला और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को चुना, जिन्हे वह ट्रेडिंग के जरिए गुजरात टाइटंस से लाई। इससे फैंस खासा नाराज हैं और कुछ ऐसे संकेत भी है कि जिससे लगता है कि रोहित शर्मा इस फैसले से खुश नहीं हैं और मुंबई इंडियंस कैंप में कुछ ठीक नहीं है।

रोहित शर्मा को कप्तानी पद से हटाने के बाद फैंस कई कयास लगा रहे हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आईपीएल ट्रेडिंग जब खुली थी तब दिल्ली कैपिटल्स ने रोहित शर्मा को ट्रेडिंग के जरिए अपने स्क्वॉड में शामिल करने की इच्छा जताई थी लेकिन मुंबई इंडियंस इसके लिए तैयार नहीं था।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका, आर्सेनल तालिका में फिर से शीर्ष पर

लिवरपूल। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में लिवरपूल को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया जबकि आर्सेनल ने रविवार को ब्रिगटन को 2-0 से शिकस्त दी। लिवरपूल इस ड्रॉ मुकाबले बाद तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया जबकि आर्सेनल एक बार फिर से शीर्ष पर काबिज हो गया। आर्सेनल और लिवरपूल के नाम मौजूदा सत्र में 17-17 मैचों में क्रमशः 39 और 38 अंक है। मैनचेस्टर यूनाइटेड को लिवरपूल ने इस साल मार्च में 0-7 के बड़े अंतर से हराया था लेकिन नये कोच एरिक टेन हैग की देख रेख में टीम ने अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करते हुए एक भी गोल करने का मौका नहीं दिया। आर्सेनल ने दूसरे हाफ में गैब्रियल जेसुस और काइ हैवर्ट्ज के गोल से पर ब्रिगटन को शिकस्त दी। तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज एस्टन विला ने ने ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराया। विला की टीम पहले हाफ के आखिरी क्षण में कीन लुईस-पॉटर के गोल के बाद 0-1 से पिछड़ रही थी लेकिन एलेक्स मोरेनो और ओली वाटकिंस ने दूसरे हाफ में गोल कर टीम को जीत दिला दी। ब्रेंटफोर्ड के बेन मी को 71वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया जिसके बाद टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ मैच खेलना पड़ा। मोहम्मद कुदुस के दो गोल के दम पर वेस्ट हैम ने वोल्व्स को 3-0 से हराया। कुदुस ने 10 मिनट के अंदर दो गोल किए। टीम के एक और गोल डेविड मोयेस ने किया।

शार्दुल, हर्षल पर आईपीएल में बड़ी बोली लगा सकती है कई फ्रेंचाइजी

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पर आईपीएल में कई टीमें बोली लगा सकती हैं। आईपीएल के लिए नीलामी मंगलवार को होगी। इसमें 77 खिलाड़ियों पर बोली लगने की संभावन है। शार्दुल अब आईपीएल नीलामी में 2 करोड़ की बेस प्राइस के साथ उतरेंगे। इस खिलाड़ी पर कई फ्रेंचाइजी बड़ी बोली लगाने वाली हैं। केकेआर भी उन्हें जगह दे सकती है। शार्दुल गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर हैं। उन्हें 5 से 10 करोड़ की राशि मिल सकती है।

वहीं हर्षल पटेल डेथ ओवर्स के विशेषज्ञ हैं। हर्षल ने अपनी धीम गेंदबाजी से कई बल्लेबाजों को हैरान किया है। हर्षल ने पिछले साल आईपीएल में 11.50 की इकोनॉमी रेट से रन दिये थे। शायद यही वजह रही कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2024 के लिए हर्षल पटेल को रीटेन नहीं किया था। अब हर्षल आईपीएल नीलामी में उतरेंगे। आरसीबी ने उन्हें पिछली बार 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था इस बार शायद उन्हें इतनी रकम न मिले।

आईपीएल 2023 में शिवम मावी ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। मावी साल 2023 में गुजरात टाइटंस की टीम में थे। शिवम की अपनी स्विंग गेंदबाजी के साथ ही आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अंतिम ओवरों में बड़े शाट लगा सकते हैं। टी20 मैचों में इस प्रकार के खिलाड़ियों को सभी चाहते हैं। टाइटंस ने पिछली बार 6 करोड़ रुपए में मावी को शामिल किया था। इस बार उन्हें रिलीज कर दिया गया है पर माना जा रहा है कि मावी को एक बार फिर करीब 5 करोड़ का अनुबंध मिल सकता है।

शाहरुख पिछली बार जब आईपीएल नीलामी में उतरे तो उन्हें बेस प्राइस से 22 गुना ज्यादा रकम मिली। इस आक्रामक खिलाड़ी का आधार मूल्य पिछली बार 40 लाख रुपए था पर नीलामी में तब पंजाब किंग्स ने उनपर 9 करोड़ रुपए लगाये थे। शाहरुख अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और ऐसे में पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया था पर माना जा रहा है कि आईपीएल ऑक्शन 2024 में उन्हें फिर अवसर मिल सकता है।

अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव भारतीय क्रिकेट के खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें हालांकि क्षकता के अनुरुप जगह नहीं मिली। आईपीएल 2022 में उमेश यादव ने लगभग हर मैच में नई गेंद से विकेट लिए पर आईपीएल 2023 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इसी कारण कोलकाता नाइटराइडर्स ने उमेश को रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उमेश को तकरीबन 5 करोड़ रुपए मिलने की संभावना है। आईपीएल नीलामी की इस सूची में जयदेव उनादकट, मनीष पांडे, केएस भरत, करुण नायर, चेतन सकारिया, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी भी हैं।

ग्रांड मास्टर शतरंज में हरीकृष्णा की सयुंक्त बढ़त बरकरार

चेन्नई । भारत के शतरंज इतिहास के सबसे बड़े क्लासिकल सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में हरिकृष्णा की संयुक्त बढ़त बरकरार है। हालांकि पुरस्कार की दृष्टि से यह सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगिता बताई जा रही है। इसे चेसबेस इंडिया, एमजीडी1 और नोडविन गेमिंग द्वारा आयोजित तथा तामिलनाडु राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। इसमें जीतने वाले के लिए 50 लाख रुपये पुरूस्कार राशि रखी गई है। टर्नामेंट के दूसरे दिन हंगरी के सनन स्जुगिरोव जीतने वाले अकेले खिलाड़ी रहे उन्होने इस मुक़ाबले में कल जीत दर्ज करने वाले उक्रेन के पावेल एलजनोव को पराजित किया। अन्य तीन मुकाबलों में भारत के अर्जुन एरिगासी नें हमवतन डी गुकेश से, ईरान के परहम मघसूदलू नें यूएसए के लेवान अरोनियन से और कल जीत दर्ज करने वाले भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके से बाजी ड्रॉ खेली। हालांकि अब दो राउंड के बाद फिलहाल भारत के पेंटाला हरिकृष्णा और हंगरी के सनन स्जुगिरोव 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है। वहीं आज दूसरे राउंड का उदघाटन करने के लिए पाँच बार के विश्व चैम्पियन और वर्तमान फीडे उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद पहुंचे। उन्होने अपने शिष्य गुकेश के बोर्ड पर पहली चाल चलकर राउंड का विधिवत उदघाटन किया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को दिया बराबरी का दर्जा : जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने सभी खिलाड़ियों को बराबरी का दर्जा दिया है, यह बात पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कही। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने विशेष रूप से विकलांग एथलीटों को आगे बढ़ने और चमकने का एक बड़ा मंच दिया है। बता दें कि जडेजा सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए जेएलएन स्टेडियम में थे। यहां फाइनल में केरल ने तमिलनाडु को 7-0 से हराया। खेलो इंडिया पैरा गेम्स से इतर बोलते हुए, जडेजा ने कहा कि कोई भी पैरा स्पोर्ट्स की तरफ नहीं देखता था। अब, इस पहल के साथ, सभी के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है और सरकार वास्तव में उस बात पर अमल कर रही है जब वे खेलेगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ने ही बाकी सभी खेलों के लिए शानदार काम किया है, अब ग्रामीण क्षेत्रों से एथलीटों को शामिल करने के लिए एक संरचना तैयार की गई है। यह संरचना प्रतिभाओं को पनपने का मौका देती है।

उन्होंने कहा कि इसमें सभी खिलाड़ियों को समानता भी दी गई है। एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों दोनों में देश की सौ से अधिक पदक उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। इससे भागीदारी का आंकड़ा बढ़ गया है। इसके पीछे खेलो इंडिया का अहम योगदान रहा है। मैं यह विश्वास करना चाहूंगा कि इस खेलो इंडिया पैरा गेम्स की सफलता पदकों की संख्या में नहीं बल्कि भागीदारी के आंकड़ों में है। इतने सारे एथलीटों का भाग लेना, एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम और मीडिया का इतना प्रोत्साहन इसे एक बहुत ही सफल आयोजन बनाता है। मैं उन्हें पेरिस पैरालंपिक के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

जड़ेजा ने कहा कि मैं यह भी आशा और प्रार्थना करता हूं कि हर खेल प्रतियोगिता को अब सिर्फ एक कार्यक्रम के रूप में नहीं बल्कि एक यात्रा के रूप में देखा जाए। पदक वितरण समारोह में भी आए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि फीफा का नारा है फुटबॉल यूनाइट्स वर्ल्ड और मैं यह कहने का अवसर लेता हूं कि सेरेब्रल पाल्सी फुटबॉल टीमों को भी हमारी मौजूदा एआईएफएफ लीग के दौरान खेल में शामिल किया जाएगा।

एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी की खुली किस्मत, मिल रहे ऑफर्स

फिल्म एनिमल में जबरदस्त इंटीमेट सीन्स देने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं। उन्होंने अपने कैमियो मात्र से ही रिश्मिका मंदाना को टक्कर दे दी। बुलबुल और कला में दमदार रोल्स करने के बाद वह संदीप रेड्डी वांगा के प्रोजेक्ट से भी चमक उठीं। हालांकि कारवां यहीं नहीं रुका। उनके हाथ दो बड़े एक्टर के साथ काम करने का मौका लगा है। पर्दे पर तो वह रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। अब वह साउथ और बॉलीवुड के दो नामी कलाकारों के साथ भी रोमांस करती दिखेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृप्ति डिमरी अब अपने से 15 साल बड़े प्रभास संग स्क्रीन शेयर करेंगी। उन्हें एक्टर के साथ काम करने का मौका किसी दूसरे डायरेक्टर ने नहीं, बल्कि खुद संदीप रेड्डी वांगा ने दिया है। जहां पहले उन्होंने कैमियो किया था। वहीं अब वह उनकी अगली मूवी स्प्रिट में बाहुबली के साथ नजर आएंगी। जबकि कुछ इस खबर को झुठला रहे हैं। दावा है कि तृप्ति एनिमल पार्क में होंगी। ये कंफर्म है लेकिन अभी स्प्रिट की कास्टिंग का कुछ पता नहीं है। साथ ही डायरेक्टर ने स्क्रिप्टिंग भी पूरी नहीं की है। ऐसे में तृप्ति को कास्ट करने की खबर सही नहीं है।

विक्की कौशल संग तृप्ति डिमरी

इसके अलावा तृप्ति को विक्की कौशल संग भी कोई ऑफर मिला है। दोनों के साथ की तो एक फोटो भी वायरल हो रही है, जिसमें वह रोमांस में डूबे दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये इनके फिल्म के एक गाने मेरे महबूब मेरे सनम का सीन है, जिसकी फोटोज लीक्ड हो गई हैं। शूटिंग लोकेशन क्रोएशिया की है। फराह खान ने इस सॉन्ग को डायरेक्ट किया है। मूवी 2024 में रिलीज होने की संभावना है।

बच्चन फैमिली संग नजर आई ऐश्वर्या, अलगाव की खबरों पर लगा विराम!

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन पिछले काफी समय से अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस और बच्चन परिवार के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बीते दिन ऐश्वर्या को लेकर खबरें आई थीं कि उन्होंने ससुराल को छोड़ दिया है और वो मायके में शिफ्ट हो गई हैं। इन रूमर्स के बीच अब एक्ट्रेस को बच्चन फैमिली के साथ स्पॉट किया गया है। बच्चन परिवार और एक्ट्रेस बेटी आराध्या के स्कूल के एनुअल फंक्शन में पहुंची थीं। इस दौरान बिग बी को बहू की मां का हाल लेते हुए भी देखा गया। इनका वीडियो सामने आने के बाद सभी कयासों पर विराम सा लग गया है। दरअसल, शुक्रवार को

धीरुभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में एनुअल फंक्शन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शाहरुख खान, गौरी खान, सुहाना खान, करण जौहर, शाहिद कपूर, रोहित शेट्टी, ऐश्वर्या बच्चन, करीना कपूर से लेकर मीरा राजपूत जैसे सेलेब्स तक ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी बीच आराध्या और अबराम ने स्टेज परफॉर्मेंस भी दी थी दोनों की ही स्टेज परफॉर्मेंस को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। ऐसे में आराध्या को सपोर्ट करने के लिए पूरी बच्चन फैमिली पहुंची थी।

आप कितने भी बड़े स्टार बन जाएं, कैमरे के सामने आप सिर्फ एक एक्टर हैं

पर्दे पर पहले बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की मां भीमाबाई सकपाल का किरदार निभा चुकीं एक्ट्रेस नेहा जोशी इन दिनों टीवी शो अटल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मां कृष्णा देवी की भूमिका के लिए चर्चा में हैं। नेहा जोशी ने कई मराठी फिल्मों और टीवी सीरियलों में काम किया है। वह अजय देवगन और तब्बू स्टारर दृश्यम 2 में भी नजर आई थीं। फिल्म में जेनी के रोल में नेहा जोशी को खूब पसंद किया गया था। नेहा जोशी ने नवभारत टाइम्स से एक्सक्लूसिव बातचीत में नए शो अटल के बारे में बात की। साथ ही यह भी बताया कि वह छोटे पर्दे पर ज्यादातर महान हस्तियों की मां के किरदार क्यों चुन रही हैं।

बात रखने के लिए आवाज ऊंची करना जरूरी नहीं

पर्दे पर एक के बाद एक इन महान हस्तियों की मां का रोल चुनने की वजह पूछने पर नेहा कहती हैं, मैं इस तरह नहीं सोचती हूं कि ये मां के रोल हैं। मैंने बेशक एक महानायक- बीआर आंबेडकर, दूसरी मां और अब अटल में मां का रोल निभाया है। यही नहीं, इससे पहले भी एक मराठी फिल्म में मैंने मां का रोल किया था, लेकिन मेरे लिए ये अलग-अलग औरतें हैं। अलग-अलग किरदार हैं। सिर्फ मां नहीं हैं। भीमाबाई, यशोदा, कृष्णा देवी, ये तीनों ही औरतें एक दूसरे से बहुत ही अलग हैं। जैसे, कृष्णा देवी अपने समय की सबसे पढ़ी लिखी औरत थीं। आप सोचिए, सवा सौ साल पहले एक औरत का सातवीं-आठवीं पास होना भी बहुत बड़ी बात थी, तो उनकी। फिर उनके पति भी अंग्रेज सरकार की नौकरी में थे तो यह मजबूरी भी वह समझती थीं, लेकिन अपने बच्चों को उन्होंने सही गलत का फर्क समझाया। उन्हें सही चीज का चुनाव करने लायक बनाया।

शांत रहकर भी अपना काम बखूबी कर सकते हैं

अटल जी को हमने देखा है। उनका काम देखा है। एक राजनीतिज्ञ के तौर पर उनके भाषण सुने हैं। साथ ही उनकी कविताएं पढ़ी हैं। एक ही समय में एक राजनीतिज्ञ के तौर पर इतना स्ट्रैटेजिक होना और उसी समय पर एक संवेदनशील कवि होना बहुत यूनिक बात है तो ऐसे इंसान का निर्माण कैसे हुआ होगा। वह कृष्णा जी की परवरिश का नतीजा है। कृष्णा जी से मैं यही सीख रही हूं कि हर विषय पर आवाज उठाना और बहस करना जरूरी नहीं है। जरूरी है कि जो सही है वो करें और जिनकी जिम्मेदारी हम पर है, उनको ये सीख देना कि सही रास्ते पर चलो और सही का चुनाव करो। आप शांत रहकर भी अपना काम बखूबी कर सकते हैं।

अजय-तब्बू जैसे स्टार्स ने मुझे बराबर सम्मान दिया

मराठी सिनेमा में ज्यादा सक्रिय नेहा ने फिल्म दृश्यम 2 में जेनी के किरदार के लिए भी तारीफें बटोरी थीं। उस फिल्म के अनुभव के बारे में वह बताती हैं,उस किरदार के लिए बहुत सी लड़कियों ने ऑडिशन दिया था। उन सबमें से मैं चुनी गई, पहले तो मेरे लिए वो बहुत बड़ी बात थी। मेरा किरदार भी कहानी का बहुत अहम हिस्सा था। शूटिंग का अनुभव भी बहुत कमाल का था। पहले तो मैं डरी हुई थी कि इतने बड़े स्टार्स के साथ ठीक से परफॉर्म कर पाऊंगी या नहीं। लेकिन ये अजय सर, तब्बू मैम, अक्षय खन्ना सर, ये सब लोग इतने बड़े स्टार हैं, इतने सालों से काम कर रहे हैं, पर जब वे कैमरा के सामने आते हैं, बस एक एक्टर होते हैं स्टार नहीं।

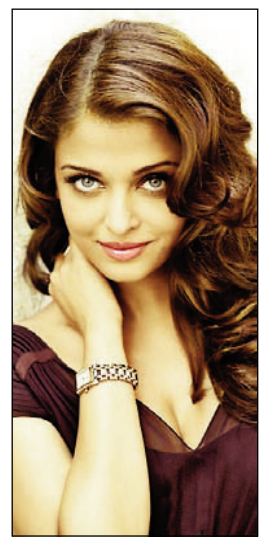

नेहा ने आगे कहा, उन्होंने मुझे अपनी तरह ही को-एक्टर समझा। कभी भी मुझे इस तरह से नहीं देखा कि पहली बार इस इंसान के साथ काम कर रहे हैं। पहली बार इससे मिल रहे हैं। बिल्कुल एक अच्छे को-एक्टर की तरह मुझे इज्जत दी गई, जिससे मैं खुलकर परफॉर्म कर पाई। ये सीखने वाली बात है कि आप कितने भी बड़े स्टार बन जाएं, कैमरे के सामने आप सिर्फ एक ऐक्टर हैं और आपको अपना किरदार निभाना है।

प्रकाश राज ने बताया सफल करियर के लिए नहीं कोई विशेष कोड, कहा- सिनेमा में नहीं है निष्पक्ष खेल

बॉलीवुड अभिनेता प्रकाश राज पिछले 40 वर्षो से भारतीय सिनेमा में सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि कोई विशेष कोड नहीं है जिसे अभिनेता अपने करियर में सफल हो सकें।

अभिनेता ने कहा कि सिनेमा में कोई निष्पक्ष खेल नहीं है। उनके जैसे लोग इंडस्ट्री पर एकाधिकार जमा रहे हैं। क्योंकि उन्हें भी जीवित रहने की जरूरत है। प्रकाश राज से एक बातचीत के दौरान, जब वह कोड पूछा गया, जिसे उभरते कलाकार अपने सफल करियर के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसपर उन्होंने कहा, किसी के पास इसका जवाब नहीं है क्योंकि इसमें कोई निष्पक्ष खेल नहीं है। एक तो यह कि आप सोचते हैं कि आप सिनेमा में आने के योग्य हैं या शायद नहीं हैं, लेकिन यह हमें कौन बताएगा। या फिर कोई आपको इसके योग्य समझता है और तराशता है, आपको उसके अनुरूप ढालता है। उन्होंने आगे कहा, एक अभिनेता बनने के लिए, आपको यह तय करना होगा कि आप कहां बनना चाहते हैं, केवल सिनेमा में, या आप दूसरों की तरह अभिव्यक्त करना या लोकप्रिय बनना चाहते हैं, आपका एजेंडा क्या है? प्रकाश राज ने कहा, मेरे जैसे लोग एक करोड़ उदाहरणों में से एक हैं, जहां मुझे सही सलाहकार मिले। मुझे के बालाचंदर मिले। उनके बाद, इसका श्रेय मुझे जाना चाहिए। क्योंकि मैंने उस अवसर का उपयोग किया। हर खिड़की, स्थान या मंच पर जो उन्होंने दिया, मैं हमेशा कहता था कि क्या मुझे 10 और फिल्में मिलेंगी।

प्रकाश राज ने कहा, मेरे जैसे लोग, हम इस पर इतना एकाधिकार जमा लेते हैं कि हम दूसरों को आने की अनुमति नहीं देते हैं। क्योंकि यह हमारा अस्तित्व है। कभी-कभी, निर्देशक और लेखक भी कहते हैं कि जब हमारे पास पहले से ही एक रेडीमेड साथी है, तो हमें किसी और को क्यों ढूंढना है, हम उसे अधिक भुगतान करेंगे और उसे कुछ और फिल्में देंगे। प्रकाश राज का मानना है कि ओटीटी स्पेस के बढ़ने के बाद चीजें थोड़ी बदल गई हैं। उन्होंने कहा, लोग अब केवल लोकप्रिय अभिनेताओं को ही नहीं देख रहे हैं। जो कोई भी अच्छी कहानी सुनाता है वह आज लोकप्रिय हो रहा है।

19 जनवरी से स्ट्रीम होगी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी अब ओटीटी पर डेब्यू करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। 1 मिनट के इस टीजर में रोहित के सिग्नेचर स्टाइल एक्शन की झलक देखने को मिली है।

अगले साल 19 जनवरी से होगी स्ट्रीम

यह सीरीज अगले साल 19 जनवरी से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी। यह पहला मौका है जब सिद्धार्थ, विवेक और शिल्पा किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करते नजर आएंगे।

टेररिस्ट अटैक से जुड़ी है कहानी

इस टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी कहानी बैक-टू-बैक हुए टेररिस्ट अटैक से जुड़ी हुई है। जहां एक सीन में विवेक अपने हाथों में टाइम बम लिए सोचते नजर आ रहे हैं। वहीं टीजर के आखिरी सीन में सिद्धार्थ के सामने एक बच्च खड़ा है जो सुसाइड बॉम्बर हो सकता है।

यह मेरे लिए घर वापसी जैसा

इस टीजर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए रोहित ने लिखा, 'यह मेरे लिए घर वापसी जैसा है। कार, कॉप, एक्शन, हाई वोल्टेज ड्रामा और डायलॉगबाजी। बैक टू बेसिक्सज इंडियन पुलिस फोर्स 19 जनवरी से प्राइम वीडियो पर.. ट्रेलर कमिंग सून..'

अप्रैल 2022 में हुई थी अनाउंसमेंट

सीरीज में इन तीनों के अलावा ईशा तलवार, निकितन धीर, श्वेता तिवारी और शरद केलकर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। रोहित ने अप्रैल 2022 में इसकी अनाउंसमेंट की थी। मुंबई, गोवा और ग्रेटर नोएडा में इसकी शूटिंग की गई है।

सनी सिंह और कृति खरबंदा की रिस्की रोमियो की शूटिंग पूरी

अभिनेता सनी सिंह की आगामी नियो-नोयर कॉमिक ट्रेजेडी रिस्की रोमियो की शूटिंग कोलकाता में डेढ़ महीने की मैराथन शूटिंग के बाद पूरी हो गई है। निर्माताओं ने शनिवार को इसकी घोषणा की है। फिल्म अबीर सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित है, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म इंदु की जवानी का निर्देशन किया था और राधिका आप्टे अभिनीत फिल्म मिसेज अंडरकवर का निर्माण किया था। रिस्की रोमियो की नायिका कृति खरबंदा के लीड एक्ट्रेस होने की घोषणा इस साल की शुरुआत में की गई थी। फिल्म को लेकर सनी सिंह ने कहा कि शूटिंग पूरी करने के बाद वह बेहद संतुष्ट महसूस कर रहे हैं और उन्होंने रिस्की रोमियो को एक ऐसा किरदार पेश करने का श्रेय दिया, जो पहले कभी उनके सामने नहीं आया था। अभिनेता ने कहा कि मुझे आमतौर पर इस तरह के किरदार ऑफर नहीं होते हैं और जब मैंने शूटिंग शुरू की तो मुझे एहसास हुआ कि अबीर ने मुझमें क्या देखा और मुझे इतना अलग किरदार ऑफर किया। इस फिल्म की शैली हमारे उद्योग में पूरी तरह से अज्ञात है और यह प्रदर्शन की दिशा में एक साहसिक कदम है, बहुत ही अलग तरीके से भावनाएं व्यक्त करने का तरीका है। अबीर ने फिल्म रिस्की रोमियो के लिए जिस शहर को चुना है, वह कहानी में जादू जोड़ रहा है। फिल्म की शूटिंग के दौरान हमने जो अनुभव किया उसे दर्शकों के साथ साझा करने के लिए मैं इंतजार नहीं कर सकता।

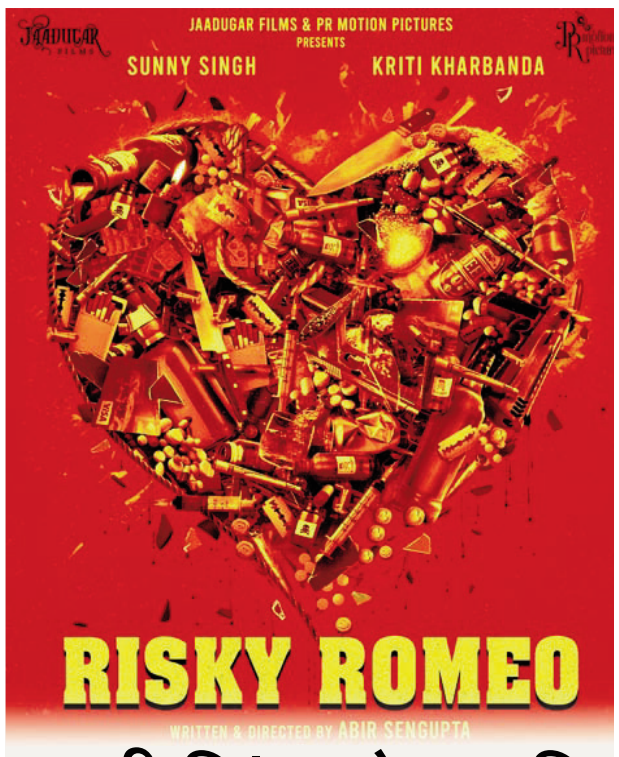

लेखक-निर्देशक अबीर सेनगुप्ता ने कहा कि रिस्की रोमियो के सेट पर पूरी तरह से अलग माहौल था। फिल्म निर्माता ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म में अभिनेता ऐसे लुक में होंगे जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने कहा कि यह भी कुछ ऐसा है जिसे मैं दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। जिस तरह से सनी और कृति ने फिल्म को मेरे द्वारा दिए गए ट्रीटमेंट पर प्रतिक्रिया दी है वह मुझे बहुत पसंद है और यह वास्तव में पागलपन को बढ़ा रहा है। जबकि हमने शूटिंग पूरी कर ली है हमारी फिल्म में, मैं और मेरी पूरी टीम सेट पर कृति को मिस कर रहे थे क्योंकि उन्होंने कुछ दिन पहले ही अपनी शूटिंग पूरी की थी। कोलकाता में हमारा डेढ़ महीने लंबा शूटिंग शेड्यूल था, जहां हम सभी एक समान लक्ष्य की दिशा में काम करने वाले एक परिवार का हिस्सा बन गए।

सिद्धार्थ ने ज्वाइन की रोहित की यूनिवर्स कॉप

मशहूर फिल्ममेकर रोहित शेट्टी की एक्शन सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। पूर्व में सीरीज से कलाकारों का लुक जारी कर दिया गया था। इसके बाद से ही फैंस में इसके टीजर के लिए बेकरारी बढ़ गई थी। अब निर्माताओं ने सीरीज का टीजर भी रिलीज कर दिया है। जारी किए गए इस टीजर को सीरीज के लीड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। टीजर में सिद्धार्थ, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और एक्टर विवेक ओबेरॉय पुलिस की वर्दी में नजर आए, जो देश को दुश्मनों से बचाने के लिए मर-मिटने का जज्बा रखते हैं। सिद्धार्थ ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, मेरा पहला एक्शन पैक्ड शो लाने के लिए रोमांचित हूं, इंडियन पुलिस फोर्स। कॉप यूनिवर्स के मास्टर रोहित शेट्टी के साथ नई यूनिफॉर्म में वापसी। इंडियन पुलिस फोर्स 19 जनवरी को प्राइमवीडियो पर। बता दें कि इस सीरीज के माध्यम से रोहित और सिद्धार्थ ओवर द टॉप यानी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रहे हैं। रोहित पुलिस पर बेस्ड फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। वे अब कॉप यूनिवर्स को ओटीटी पर भी पेश करने वाले हैं। दर्शकों को इसमें सिद्धार्थ के साथ दो और बड़े स्टार शिल्पा व विवेक की शानदार एक्टिंग भी देखने को मिलेगी।

हॉरर जॉनर में हाथ आजमाने को तैयार काजोल!

रोमांस और स्लाइस ऑफ लाइफ से लेकर पारिवारिक ड्रामा और थ्रिलर तक में नजर आ चुकीं काजोल अब हॉरर जॉनर में हाथ आजमाने को तैयार हैं। अभिनेत्री के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। काजोल वर्ष 2023 में दो प्रोजेक्ट लस्ट स्टोरीज 2 और द ट्रायल- प्यार कानून धोखा में नजर आईं। वहीं, अब अभिनेत्री के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, काजोल पहली बार हॉरर जॉनर में उतर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, मूवी का निर्माण अभिनेत्री के पति और अभिनेता अजय देवगन के बैनर अजय देवगन एफफिल्म्स के तहत किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का शीर्षक मां होगा। वहीं, इसके निर्देशन की कमान विशाल फुरिया संभालेंगे। काजोल अभिनीत इस फिल्म का शीर्षक अस्थायी है, कहानी एक मां पर केंद्रित होगी लेकिन फिल्म के अन्य विवरण गुप्त रखे गए हैं। यह वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन चरण में है, और जनवरी 2024 में फ्लोर पर जाएगी। मीडिया रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, रोमांस और स्लाइस ऑफ लाइफ से लेकर पारिवारिक ड्रामा और थ्रिलर तक, काजोल ने कई फिल्मों में अभिनय किया है। हालांकि, हॉरर एक ऐसी शैली है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है और वह इसमें अपना हाथ आजमाना चाहती हैं। इसलिए जब विशाल फुरिया एक बहुत ही असामान्य दुनिया पर आधारित इस मनोरंजक स्क्रिप्ट के साथ उनके पास आए, तो उन्होंने तुरंत इसे अपना लिया।